THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 175 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.12 2080 सोमवार, 11 सितंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ब्राजील को मिली जी-20 की कमान

प्रधानमंत्री ने यूएनएससी के विस्तार की मांग की, ब्राजील के राष्ट्रपति बोले- भुखमरी के खिलाफ लड़ेंगे

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। जी-20 समिट के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 की अध्यक्षता ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा को सौंप दी। इसके साथ ही पीएम ने समिट के समापन का ऐलान किया। ब्राजील अगले साल होने वाली जी-20 समिट का आयोजन करेगा। पीएम ने संस्कृत भाषा में कहा- स्वस्ति अस्तु विश्वस्य! यानी संपूर्ण विश्व में आशा और शांति का संचार हो।

समिट के आखिरी सेशन के बाद पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया बदल रही है इसके साथ दुनिया के संस्थानों को भी बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा, यूएनएससी में अभी तक उतने ही सदस्य हैं जितने इसकी स्थापना के वक्त थे। स्थायी देशों की संख्या बढ़नी चाहिए। इसके बाद ब्राजील के राष्ट्रपति ने कहा कि गरीब देशों की कर्ज की समस्या पर ध्यान देना होगा। दुनिया को भुखमरी खत्म करने की कोशिश बढ़ानी होगी।

अध्यक्षता मिलने के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा ने कहा, आज महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देते वक्त मैं काफी भावुक हो गया था। सब जानते हैं कि मेरे राजनीतिक जीवन में महात्मा गांधी का कितना महत्व है। उन्होंने कहा कि ब्राजील की प्रेसिडेंसी की 3 प्राथमिकताएं होंगी। 1. सामाजिक न्याय और भुखमरी के खिलाफ लड़ाई, 2. सस्टेनेबल डेवलपमेंट और 3. दुनिया के संस्थानों में बदलाव।

लूला डा सिल्वा को अध्यक्षता सौंपते वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, दो दिनों में, आप सभी ने अनेक बातें यहां रखी हैं, सुझाव दिए हैं, बहुत सारे प्रस्ताव रखे हैं। हमारी ये जिम्मेदारी है कि जो सुझाव आए हैं, उनको भी एक बार फिर देखा जाए कि उनकी प्रगति में गति कैसे लाई जा सकती है। मेरा प्रस्ताव है कि हम नवंबर के अंत में जी-20 समिट का एक वर्चुअल सेशन और रखें। उस सेशन में हम इस समिट के दौरान तय विषयों की समीक्षा कर सकते हैं।

इससे पहले तीसरे सेशन के दौरान घोषणा पत्र पर औपचारिक मुहर लगाई गई।

>14

साझा डिक्लेरेशन : भारत की कूटनीतिक जीत

रात तक यूक्रेन मुद्दे पर नहीं बन सकी थी सहमति, पीएम मोदी ने पर्सनल इक्वेशन का इस्तेमाल किया

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारत शनिवार को एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक जीत दर्ज करते हुए, सभी सदस्य देशों की सहमति के साथ 'नई दिल्ली लीडर्स समिट डिक्लेरेशन' स्वीकार कराने में कामयाब हो गया। हालांकि इसके लिए पीएम मोदी को अपने पर्सनल इक्वेशन का इस्तेमाल करना पड़ा। यूक्रेन के मुद्दे पर सहमति बनाने में भारत को कड़ी मशक्कत करना पड़ी। शुक्रवार रात तक सदस्य देश इस पर सहमत नहीं हो सके थे।

सूत्रों के अनुसार 3 से 6 सितंबर को नूंह (हरियाणा) में हुई जी-20 शेरपा मीट में सदस्य देशों के शेरपाओं के बीच यूक्रेन युद्ध को लेकर काफी गर्मा-गर्मी हो गई थी। उसके बाद भारत के अधिकारियों ने दिल्ली वापस आकर यूक्रेन युद्ध पर एक नया पैराग्राफ बनाया, जिस पर सदस्य देशों की राय ली गई।

भारत ने अपनी तरफ से यह दलील दी की यूक्रेन युद्ध को सिर्फ एक मुद्दे के रूप में नहीं देखना चाहिए क्योंकि इसके कारण और महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी सहमति नहीं बन पा रही है।

शनिवार को विभिन्न देशों के प्रतिनिधि सुबह 10.30 से 1.30 बजे तक 'वन अर्थ' के तहत मिले और उन्होंने 5 मिनट के समय में अपनी बात रखी। दोपहर 3.30 बजे यह खबर आई की नई दिल्ली डिक्लेरेशन (जिसमें 83 पैराग्राफ हैं) सभी देशों ने अपनी सहमति दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडप में शिखर सम्मेलन के दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए इसकी जानकारी दी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया की शुक्रवार रात तक सदस्य देश एक सर्वसम्मत घोषणा पर तैयार नहीं हो पाए थे और ऐसा लग रहा था की एक साझा डिक्लेरेशन के आने की संभावना कम है।

>14

जनवरी 2024 में फिर आएंगे बाइडन

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। जी-20 में शामिल होकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन बेशक वियतनाम के लिए रवाना हो गए हों, लेकिन अब भारत को उनके अगले साल जनवरी में आने का इंतजार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाइडन को जनवरी 2024 में भारत आने का न्यौता दिया है। जो बाइडन ने सहृदयता के साथ इसे कुबूल कर लिया है। भारत की कोशिश है कि जनवरी 2024 में क्वॉड के दो अन्य सदस्य देश जापान और आस्ट्रेलिया भी भारत आएं, जो बाइडन गणतंत्र दिवस के मेहमान बनें और भारत में गणतंत्र दिवस के आस-पास क्वॉड की बैठक हो। यह नई दिल्ली की एक बड़ी कूटनीतिक कोशिश है। चीन इस फोरम से को नापसंद करता आया है। वह इसे अपने विरूद्ध इन देशों की गोलबंदी मानता है।

कूटनीतिक गलियारे में माना जाता है कि भारत और अमेरिका के रिश्ते पर चीन की नजर रहती है। चीन इसे अमेरिका के साथ जारी ट्रेड वार की प्रतिद्वंदिता के रूप में देखता है। एशिया में चीन के बाद भारत के पास ही हर मोर्चे पर दूसरे नंबर की क्षमता है।

चंद्रबाबू को 14 दिन की जेल

371 करोड़ के स्कैम का आरोप, पुलिस ने पवन कल्याण को हिरासत में लिया

स्वास्थ्य परीक्षण के बाद जेल जाते हुए पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायुडू, विरोध स्वरूप सड़क पर प्रदर्शन करते हुए पवन कल्याण।

विजयवाडा, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) चीफ चंद्रबाबू नायुडू को 14 दिन के लिए जेल भेजा गया है। सीआईडी ने उन्हें 9 सितंबर को 371 करोड़ रुपये के स्किल डेवलपमेंट स्कैम में गिरफ्तार किया था। रविवार (10 सितंबर) चंद्रबाबू को विजयवाड़ा कोर्ट में पेश किया गया था। चंद्रबाबू नायुडू की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कोर्ट में अपनी दलीलें रखीं। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी पार्टी ने चंद्रबाबू को राजनीतिक फायदे के लिए गलत आरोपों में फंसाया है। इस दौरान कोर्ट कॉम्प्लेक्स के बाहर तेलुगु देशम पार्टी के समर्थक भारी संख्या में उपस्थित रहे। वे राज्य के मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस के प्रमुख जगनमोहन रेड्डी के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे।

इससे पहले शनिवार देर रात अभिनेता और जनसेना प्रमुख पवन कल्याण ने चंद्रबाबू नायुडू की गिरफ्तारी का विरोध किया। राज्य सरकार के विरोध में वे अपने समर्थकों के साथ विजयवाड़ा जा रहे थे। बीच रास्ते में उन्हें पुलिस ने रोका। विरोध में वे सड़क पर ही लेट गए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें एहतियातन हिरासत में ले लिया। चंद्रबाबू नायुडू की गिरफ्तारी पर तेलुगु अभिनेता और टीडीपी विधायक नंदमुरी बालकृष्ण ने मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की आलोचना की है। उन्होंने कहा, एक साइको (पागल) राज्य पर शासन कर रहा है। उसके शासन को खत्म करने की जरूरत है। नंदमुरी ने कहा, पूर्व सीएम नायुडू के शासन काल में स्किल डेवलपमेंट सेंटर के जरिए 2 लाख युवाओं को ट्रेनिंग दी गई थी।

>14

राहुल बोले- इंडिया गठबंधन से सरकार चिढ़ गई

ओस्लो, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यूरोप दौरे के तीसरे दिन पेरिस की साइंसेज पो यूनिवर्सिटी में छात्रों को संबोधित किया। राहुल ने कहा कि सरकार हमारे इंडिया गठबंधन के नाम से चिढ़ गई है। इसी वजह से देश का नाम बदलना चाहती है।

मैंने गीता पढ़ी है। उपनिषद पढ़े हैं और कई हिंदू किताबें भी पढ़ी हैं। इस आधार पर मैं कह सकता हूं कि बीजेपी जो करती है, उसमें कुछ भी हिंदूवादी नहीं है। राहुल आज नॉर्वे की राजधानी ओस्लो जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वहां वे एक प्रवासी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। वे जी-20 समिट खत्म होने के 2 दिन बाद यानी 13 सितंबर को भारत लौटेंगे।

>14

शिक्षिका के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के आरोप में मामला दर्ज

ठाणे, 10 सितंबर (एजेंसियां)। नवी मुंबई में एक शिक्षिका के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ करने और अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के आरोप में एक कोचिंग क्लास के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर एमआईडीसी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 377 (अप्राकृतिक अपराध) और धारा 504 के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि महिला ने अपनी शिकायत में दावा किया कि आरोपी ने उसे अपनी कोचिंग क्लास में नौकरी और 50 प्रतिशत की साझेदारी की पेशकश की थी।

सूर्य के और नजदीक पहुंचा भारत का पहला सोलर मिशन

तीसरी बार आदित्य एल1 ने बदली कक्षा

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारत का पहला सोलर मिशन आदित्य एल1 सूर्य के और नजदीक पहुंच गया है। उसने तीसरी बार अपनी कक्षा बदली है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को यह जानकारी दी।

बेंगलुरु से कक्षा बदलने की प्रक्रिया को किया गया निर्देशित

इसरो ने रविवार को बताया कि आदित्य-एल1 ने तीसरी बार पृथ्वी की कक्षा सफलतापूर्वक बदल ली है। बेंगलुरु में इसरो के टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क से कक्षा बदलने की प्रक्रिया को निर्देशित किया गया था। मॉरीशस, बेंगलुरु और पोर्ट ब्लेयर में स्थित इसरो के ग्राउंड स्टेशनों से आदित्य एल1 के कक्षा बदलने के दौरान उपग्रह को ट्रैक किया गया।

15 सितंबर को चौथी बार बदली जाएगी कक्षा

इसरो के मुताबिक, आदित्य एल1 की नई कक्षा 296 किमी एक्स 71767 किमी है। यानी अब यह जिस कक्षा में है, उससे पृथ्वी की न्यूनतम दूरी 296 किमी और अधिकतम दूरी 71767 किमी है। अगली बार 15 सितंबर को तड़के दो बजे फिर से कक्षा बदली जाएगी।

आदित्य एल1 को कब लॉन्च किया गया?

आदित्य एल1 को दो सितंबर की सुबह 11 बजकर 50 मिनट पर आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया। यह 15 लाख किमी दूर एल1 प्वाइंट पर जाएगा और सूर्य के रहस्यों से पर्दा उठाएगा।

आदित्य एल1 ने पहली बार कक्षा कब बदली?

आदित्य एल1 ने पहली बार तीन सितंबर को अपनी कक्षा बदली। इसके बाद दूसरी बार इसकी कक्षा पांच सितंबर को बदली गई। इसरो चरणबद्ध तरीके से आदित्य को गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र से बाहर पहुंचाएगा।

शहजादपुर में बर्गर की दुकान में तेज धमाका, सात वर्षीय बच्चा समेत तीन झुलसे

अंबाला, 10 सितंबर (एजेंसियां)। (हरियाणा)शहजादपुर में फास्ट फूड की दुकान में छोटा गैस सिलिंडर फट गया। यह हादसा सुबह 10 बजे दुकान खुलने के बाद हुआ। जैसे ही बर्गर बनाने के लिए, गैस जलाने लगे तो धमाके के साथ छोटा गैस सिलेंडर फट गया। हादसे में नारायणगढ़ माजरी निवासी दुकान मालिक मनीष कुमार समेत बर्गर खाने आया एक व्यक्ति हरजिंदर और उनका सात वर्षीय बेटा जसकीरत झुलस गया। शोर सुनने के बाद लोगों ने तीनों को पहले नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। मगर वहां से तीनों को छावनी के नागरिक अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टर का कहना है कि बच्चे और दोनों व्यक्ति के चेहरे, हाथ व पैर झुलस गए हैं। इलाका पुलिस भी सूचना मिलने के बाद मामले की जांच में जुट गई है। हादसे के बाद दुकान के सामान के अलावा बाहर खड़ी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई।

हड़ताल के चलते सोमवार को बंद रहेंगे बेंगलूरू के स्कूल

बेंगलूरू, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में फेडरेशन ऑफ प्राइवेट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की मांग के मद्देनजर बेंगलुरु में कल यानी सोमवार, 11 सितंबर को कई स्कूल बंद रहेंगे। जिन स्कूलों में परिवहन सुविधाएं निजी वाहनों पर निर्भर हैं, उन्होंने छुट्टी की घोषणा कर दी है। हालांकि कुछ स्कूलों ने अभी ऐसा नहीं किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आने-जाने वाले यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने बताया कि इस हड़ताल में पांच हजार से अधिक निजी स्कूलों के वाहन शामिल होंगे। इसी को देखते हुए बेंगलुरु में कई स्कूलों की 11 सितंबर को छुट्टी की घोषणा कर दी गई। मिली जानकारी के अनुसार, आज रात 12 बजे से निजी वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा जिसमें 32 से ज्यादा संगठनों के सात लाख से ज्यादा वाहन शामिल हैं। छात्रों और अभिभावक जो ऑटो, टैक्सी और निजी बसों पर निर्भर हैं, उन्हें सोमवार, 11 सितंबर को स्कूल जाने के लिए परिवहन सुविधा नहीं मिलेगी। निजी परिवहन संघों के मुताबिक, रविवार आधी रात से परिवहन सुविधाएं बंद कर दी जाएंगी। यूनियन ने सोमवार आधी रात तक यही स्थिति बरकरार रखने का अनुरोध किया है। शहर में एक विशाल मार्च निकालने की योजना बनाई गई है। संघ ने राज्य के अन्य जिलों के चालकों से भी विरोध प्रदर्शन और जुलूस में भाग लेने का अनुरोध किया है। बता दें फेडरेशन ऑफ कर्नाटक स्टेट प्राइवेट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने मांग की है कि राज्य सरकार उनकी 30 मांगों को पूरा करे, जिसमें बाइक टैक्सियों पर प्रतिबंध, ड्राइवरों के लिए वित्तीय सहायता और शक्ति योजना में निजी बसों को शामिल करना शामिल है।

'इंडिया' नाम बदलकर 'भारत' रखा जाएगा

जो लोग इस नाम के खिलाफ हैं वे देश छोड़ सकते हैं, भाजपा सांसद ने दो टूक कहा

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी के नेता दिलीप घोष ने रविवार को कहा कि इंडिया का नाम बदलकर भारत किया जाएगा और जो लोग नाम बदलने के खिलाफ हैं वे देश छोड़ सकते हैं। मेदिनीपुर सांसद ने यह भी कहा कि कोलकाता में विदेशियों की मूर्तियां हटा दी जाएंगी। सखड़पुर शहर में 'चाय पर चर्चा' कार्यक्रम में बोलते हुए, बंगाल के पूर्व भाजपा प्रमुख ने कहा, जब हमारी पार्टी पश्चिम बंगाल में सत्ता में आएगी, तो हम कोलकाता में विदेशियों की सभी मूर्तियों को हटा देंगे। उन्होंने कहा, इंडिया का नाम बदलकर भारत कर दिया जाएगा। जिन्हें यह पसंद नहीं है वे देश छोड़ने के लिए स्वतंत्र हैं। राज्य के एक अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि एक देश के दो नाम नहीं हो सकते और यह नाम बदलने का सही समय है क्योंकि विश्व नेता जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली में मौजूद हैं। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता शांतनु सेन ने आरोप लगाया कि भाजपा वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है क्योंकि वह विपक्षी गठबंधन गठबंधन से डरती है। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) का गठन किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा भेजे गए जी20 रात्रिभोज निमंत्रण में उनकी स्थिति को 'भारत के राष्ट्रपति' के रूप में वर्णित किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया।

कर्नाटक में जीत के बाद तेलंगाना

में भी कांग्रेस अपनाएगी 5जी फॉर्मूला! 17 सितंबर को सोनिया गांधी करेंगी ऐलान

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस तेलंगाना में विधानसभा चुनाव से पहले एक जनसभा में राज्य के लोगों के लिए पांच 'गारंटी' की घोषणा करेगी। कांग्रेस की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष और सांसद ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी 17 सितंबर को एक रैली में पांच चुनावी गारंटी की घोषणा करेंगी। कांग्रेस ने पहले ही घोषणा की है पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में नव गठित कांग्रेस कार्यकारी समिति की पहली बैठक 16 सितंबर को हैदराबाद में होगी। वहां, कांग्रेस कार्यकारी समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक 17 सितंबर को आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी प्रदेश कांग्रेस समिति (पीसीसी) के प्रमुख हिस्सा लेंगे।

कर्नाटक के बाद तेलंगाना में कांग्रेस की गारंटी

कांग्रेस ने आगामी महीनों में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के लिए 'किसान घोषणापत्र', 'एससी, एसटी घोषणापत्र' और 'युवा घोषणापत्र' जारी किए थे, जिसमें तेलंगाना के मतदाताओं से किए गये वादे शामिल हैं। दरअसल, पड़ोसी कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की घोषित पांच गारंटी को पार्टी की सफलता में अहम माना जाता है।

17 सितंबर को हुआ था तेलंगाना का विलय

तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने कुल 119 विधानसभा सीटों में से 115 के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। राज्य में 17 सितंबर को कई कार्यक्रम देखने को मिल सकते हैं, क्योंकि उसी दिन 1948 में निजाम शासन के तहत हैदराबाद की पूर्ववर्ती रियासत का भारत संघ में विलय किया गया था। केंद्र सरकार और विभिन्न राजनीतिक दलों ने इस दिन का जश्न मनाने के लिए हैदराबाद में कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है। आगामी चुनावों के मद्देनजर यह महत्वपूर्ण माना जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले साल हैदराबाद में केंद्र की ओर से आयोजित 'मुक्ति दिवस' के आधिकारिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था और उनके इस साल भी तेलंगाना की राजधानी में कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है।

17 सितंबर को राज्य में होंगे कई कार्यक्रम

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने तेलंगाना किसान सशस्त्र संघर्ष (1946-51) की याद में 11 से 17 सितंबर तक कई कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया है। इस संघर्ष का नेतृत्व कम्युनिस्ट नेताओं ने किया था। भाकपा का कहना है कि इस संघर्ष ने निजाम को हैदराबाद राज्य का भारत संघ में विलय करने के लिए मजबूर किया था। असदुद्दीन ओवैसी नीत ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) 17 सितंबर को एक टरसाइकिल रैली और जनसभा का आयोजन करेगी। साथ ही इस दिन को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाएगी। केंद्रीय पर्यटन मंत्री और बीजेपी की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने शनिवार (9 सितंबर) को सत्तारूढ़ बीआरएस और विपक्षी दल कांग्रेस पर कथित तौर पर एआईएमआईएम के साथ किए गए गुप्त समझौते के कारण अपने कार्यकाल के दौरान 17 सितंबर का आधिकारिक जश्न न मनाने का आरोप लगाया था।

'प्यार और सत्कार के बिना

बच्चों के सताए माता-पिता वापस ले सकते हैं संपत्ति, हाई कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अगर बच्चे माता-पिता की सेवा ठीक से नहीं करेंगे तो उनके नाम की गई संपत्ति को वापस भी लिया जा सकता है। यह फैसला मद्रास हाई कोर्ट ने सुनाया है। पीठ ने कहा कि माता-पिता को अगर लगता है कि उन्हें बिना प्यार और सत्कार के रखा जा रहा है, तो वो एकतरफा तरीके से बच्चों के नाम की गई संपत्ति की विल को रद्द कर सकते हैं। न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम ने मां के हक में फैसला देते हुए कहा, 'महज ये दोहराना कि संपत्ति की विल पिता में बच्चों के नाम उनके फायदे के लिए कर दी गई लेकिन इसे नागरिकता कानून और माता-पिता का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम पर खरा उतरना होगा। होई कोर्ट ने सब रजिस्ट्रार के फैसले को सही ठहराते हुए कहा, 'संपत्ति की विल बनाते वक्त प्यार और लगाव विचारणीय बात है लेकिन अगर कोई उक्त अधिनियमों का उल्लंघन करता है तो इसे बदला जा सकता है। सब-रजिस्ट्रार के आदेश में कोई कमी नहीं है।' तमिलनाडु के तिरुप्पुर की रहने वाली शकीरा बेगम ने अपनी संपत्ति को बेटे मोहम्मद दयान के नाम कर दिया था। मां ने सब रजिस्ट्रार का रुख करते हुए कहा था कि उसने बेटे के नाम संपत्ति इस शर्त पर की थी कि वो उसका अच्छे से ख्याल रखेगा। अब उसे अपने वादे पर खरा उतरना है, जो वो नहीं कर रहा है। इसके विरोध में बेटे की तरफ से कहा गया कि 20 अक्टूबर 2020 को जो विल बनाई गई थी, उसमें ऐसी कोई बात नहीं कही गई थी कि उसे इसके एवज में मां का ख्याल रखना है। बेंच ने कहा, 'नियमों के सभी प्रावधानों का मकसद यह है कि सीनियर सिटिजन के अधिकारों की रक्षा हो सके। उनके साथ मानवीय बर्ताव हो। जब मानवीय व्यवहार उनके प्रति बेरुख है और उनकी सुरक्षा व सम्मान की रक्षा नहीं हो पा रही है तो प्रावधानों को लागू करना होगा।'

कार सवार युवक से पकड़ा चिट्टा, गिरफ्तार

शिमला, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी शिमला में मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ पुलिस का शिकंजा जारी है। इस कड़ी में पुलिस ने शनिवार देर शाम एक तस्कर को काबू किया है। उसके कब्जे से चिट्टा पकड़ा गया है। थाना सदर की पुलिस टीम अंतर्गत लक्कड़ बाजार के पास गश्त पर थी, तभी एक कार गलत साइड पार्क मिली। कार में एक युवक सवार था। पुलिस को देखकर युवक भागने लगा, लेकिन पुलिस की टीम ने उसे पकड़ा और तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 8.168 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान प्रदीप सिंह (29) निवासी बिलासपुर के रूप में हुई है। एसपी शिमला संजीव गांधी ने रविवार को बताया कि आरोपित के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

दो दिवसीय दौरे पर आज वाराणसी जाएंगे मॉरीशस के प्रधानमंत्री

काशी विश्वनाथ मंदिर के करेंगे दर्शन

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जी20 सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ भी जी20 में शामिल होने भारत पहुंचे थे। फिलहाल जी20 में हिस्सा लेने के बाद मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ सोमवार से दो दिनों के वाराणसी दौरे पर रहेंगे। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह 10 बजे पीएम प्रविंद जुगनाथ वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। फिलहाल मॉरीशस पीएम प्रविंद जुगनाथ के वाराणसी दौरे को लेकर जिला प्रशासन की तरफ से अपनी तैयारी को पूर्ण किया जा रहा है। सोमवार को सुबह 10 बजे लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पहुंचने के बाद वह नदेसर स्थित ताज होटल में कुछ देर राम करने जाएंगे। जिसके बाद वह काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन, पूजन और मां गंगा आरती में भी शामिल हो सकते हैं। जिसके साथ ही उनका कई लोगों से मुलाकात करने का भी कार्यक्रम निर्धारित है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में करेंगे दर्शन

वाराणसी जिलाधिकारी एस। राजलिंगम की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ 11 सितंबर को वाराणसी आएंगे। मॉरीशस के प्रधानमंत्री का यह दौरा उनके निजी कार्यक्रम से जुड़ा हुआ है। वह वाराणसी में लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तकरीबन 10:00 बजे पहुंचेंगे। इसके बाद वो सीधा वाराणसी के नदेसर स्थित ताज होटल जाएंगे, जहां से उनका काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन और पूजन करने का कार्यक्रम निर्धारित है। इसके अलावा मां गंगा की आरती में भी मॉरीशस के पीएम शामिल हो सकते हैं।

निजी कार्यक्रम के सिलसिले में वाराणसी दौरा

जानकारी के अनुसार नदेसर स्थित ताज होटल में मॉरीशस के प्रधानमंत्री की कुछ लोगों से मुलाकात करने की भी सूचना है। जिसे बाद वह इसी होटल में विश्राम करेंगे। इसके अलावा अगले दिन 12 सितंबर को अपने निजी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दोपहर तक अपने अगले गंतव्य के लिए रवाना होंगे। इससे पहले वाराणसी जिला प्रशासन की तरफ से मॉरीशस प्रधानमंत्री के निर्धारित कार्यक्रम स्थलों पर तैयारियां पूरी की जा रही है।

टैंकर ने कार को मारी टक्कर शख्स की दर्दनाक मौत

मुंबई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र से एक भीषण सड़क हादसे का मामला सामने आया है। राज्य के नवी मुंबई में एक टैंकर ने एक कार को टक्कर मार दी। इतना ही नहीं इस घटना में टैंकर ने कार चालक को कुछ दूर तक घसीटते हुए ले गया। इसमें शख्स की मौत हो गई। शख्स की उम्र 60 साल बताई जा रही है। पुलिस ने रविवार को इस घटना की जानकारी दी। पनवेल तालुका पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब 2:00 बजे नवी मुंबई में मुंबई-गोवा राजमार्ग के पास स्थित तारा गांव के एक पुल पर हुई। उन्होंने मृतक की पत्नी की शिकायत के हवाले से बताया कि रायगढ़ जिले के खालापुर के श्रीकांत मोरे अपनी पत्नी के साथ कार में जा रहे थे, तभी टैंकर ने पीछे से उनके वाहन में टक्कर मार दी।

बारिश से भारत मंडपम में भरा पानी तो रणदीप सुरजेवाला बोले

मोदी सरकार ने गरीबों को पर्दे से ढक दिया

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में दो दिनों से हुई बारिश के चलते जी20 के आयोजन स्थल भारत मंडपम के अंदर पानी घुस गया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसे लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला बोला और कहा कि सरकार अपनी करतूतों को नहीं ढक सकती। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर पानी से भरे भारत मंडपम का वीडियो शेयर की हैं। सुरजेवाला ने लिखा, लगभग 3000 करोड़ रुपये की लागत से बने भारत मंडपम में आज जरा सी बारिश में ही "विकास" तैरता हुआ दिखाई दिया ! भगवान से प्रार्थना है कि आज दिन में यहां ज्यादा बारिश ना हो, जी20 सम्मेलन सही सलामत पूरा हो जाए ! उन्होंने आगे लिखा, मोदी सरकार ने गरीबों को तो 'पर्दे' से ढक दिया, मगर कितनी भी शो-शो बाजी करके।।अपनी करतूतों को नहीं ढक सकती !

बिना नाम लिए संजय सिंह का बीजेपी पर हमला

दुनिया में भारत की पहचान गांधी हैं,गोडसे नहीं

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में दो दिनों से जारी जी20 सम्मेलन के बीच आज आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा से निलंबित सांसद संजय सिंह ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी का नाम लिए बगैर बड़ा हमला बोला है। एक ट्वीट में उन्होंने लिखा है कि लिखा है कि दुनिया के दिग्गज नेता आज राजघाट पहुंचकर गांधी को नमन कर रहे हैं। इससे आगे वो लिखते हैं, भारत की पहचान गांधी से है न कि गोडसे से। कुछ देर पहले उन्होंने एक अन्य ट्वीट में जी20 के नेताओं का राजघाट पहुंचने के बाद लिखा था कि पूरी दुनिया राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आगे श्रद्धा से अपना सिर झुका लेती है। पूरी दुनिया में भारत की पहचान "अहिंसा है, हिंसा नहीं"। ये बात कट्टरपंथियों को समझने की जरूरत है। नफरत की बुनियाद पर दुनिया का कोई मुल्क आगे नहीं बढ़ सकता। हिंसा से विनाश मिलेगा, अहिंसा से विकास। जी20 के राष्ट्राध्यक्षों ने दी गांधी को श्रद्धांजलि।

इंडिया से डरती है बीजेपी

इससे पहले इंडिया का नाम बदलकर भारत करने की चर्चा पर उन्होंने कहा था कि विपक्षी दलों का गठबंधन इंडिया बनने के कारण मोदी जी देश का नाम बदलने पर उतारू हो गए हैं। वह इंडिया गठबंधन से डरते हैं। अगर कल गठबंधन का नाम भारत हो जाएगा तो क्या वो "भारत" का नाम बदल देंगे ये तो देश के साथ गद्दारी है। ऐसे में क्या वो भारत का नाम बीजेपी रख देंगे।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने दी बंगाल के दुर्गापुर में सरकारी भूमि पर गणेश पूजा की अनुमति

कोलकाता, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सब्यसाची भट्टाचार्य की एकल-न्यायाधीश पीठ ने पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्दवान जिले के औद्योगिक टाउनशिप दुर्गापुर में एक सरकारी भूमि पर गणेश पूजा आयोजित करने के लिए एक सामुदायिक पूजा समुदाय को मंजूरी दे दी है। हालांकि 2014 से, गणेश पूजा का आयोजन चतुरंग मैदान में किया जाता रहा है, जो आसनसोल दुर्गापुर विकास प्राधिकरण (एडीडीए) के अधिकार क्षेत्र में आता है, इस वर्ष प्राधिकरण ने सामुदायिक पूजा समिति को इस आधार पर अनुमति देने से इनकार कर दिया कि सरकारी भूमि का उपयोग केवल किसी भी राजकीय समारोह या दुर्गा पूजा प्रयोजन के लिए किया जा सकता है। आयोजकों ने न्यायमूर्ति भट्टाचार्य की पीठ से संपर्क किया, जिन्होंने गणेश पूजा की अनुमति देने से इनकार करने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया, जबकि दुर्गा पूजा के लिए अनुमति दी गई। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या ऐसी दोहरी नीति देवी-देवताओं को भी शामिल करते हुए लिंग-पूर्वाग्रह का प्रयास है। एडीडीए के वकील का यह तर्क कि दुर्गा पूजा एक अर्ध-धर्मनिरपेक्ष त्योहार है, सरकारी भूमि पर इसे आयोजित करने की अनुमति ने न्यायमूर्ति भट्टाचार्य को और अधिक आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने सवाल किया,आपकी यह धारणा बनने का क्या कारण है कि गणेश पूजा एक अर्ध-धर्मनिरपेक्ष त्योहार नहीं है? अंततः उन्होंने सामुदायिक पूजा समिति को अनुष्ठान के अनुसार उस जमीन पर गणेश पूजा की व्यवस्था करने की अनुमति दी और उन्हें 22 सितंबर तक जमीन एडीडीए को वापस लौटाने का भी आदेश दिया। एक महीने से भी कम समय के अंतराल में यह दूसरी बार है जब कलकत्ता उच्च न्यायालय को सरकारी भूमि पर पूजा करने की अनुमति नहीं मिलने के बाद सामुदायिक पूजा आयोजकों को पूजा आयोजित करने की अनुमति देनी पड़ी।

भारत के जी20 शेरपा के मुरीद हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर

बोले- अगर आप आईएएस न चुनते तो बेहतरीन राजनयिक बनते

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने जी20 समिट में जारी किए गए 'दिल्ली घोषणापत्र' पर आम सहमति बनाने के लिए, भारत के जी20 शेरपा अमिताभ कांत की जमकर सराहना की। थरूर ने कहा कि यह खास उपलब्धि है और जी20 में भारत के लिए एक गर्व का क्षण है। दरअसल, एक साक्षात्कार में कांत की टिप्पणियों को टैग करते हुए कि थरूर ने रूस-यूक्रेन को लेकर जी20 देशों में आम सहमति बनाने पर उनकी तारीफ की। थरूर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बहुत बढ़िया अमिताभ, ऐसा लगता है कि आपके आईएएस का विकल्प चुनने के चलते आईएफएस (इंडियन फॉरेन सर्विस) ने एक शीर्ष राजनयिक खो दिया। दरअसल, थरूर जी20 समिट के दिल्ली घोषणापत्र की बात कर रहे हैं, जिसमें भारत ने रूस का जिक्र किए बिना यूक्रेन युद्ध की बात की। भारत ने रूस से अपनी दोस्ती को भी कायम रखा और एक आम सहमति भी बनाई। इसको लेकर थरूर ने कांत की कूटनीति की तारीफ की।

200 घंटे की नॉन-स्टॉप वार्ता से बनी सहमति

इससे पहले कांत ने बताया था कि इस शिखर सम्मेलन के जी20 घोषणा पर आम सहमति बनाने के लिए भारतीय राजनयिकों की एक टीम को 200 घंटे से अधिक की लगातार बातचीत करनी पड़ी। संयुक्त सचिव ईनम गंभीर और के नागराज नायडू सहित राजनयिकों की टीम ने 300 द्विपक्षीय बैठकें कीं और विवादास्पद यूक्रेन संघर्ष पर अपने समकक्षों के साथ 15 मसौदे तैयार किए, ताकि जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के पहले दिन ही सहमति बन सके। कांत ने कहा, संपूर्ण जी20 का सबसे जटिल हिस्सा रूस-यूक्रेन पर आम सहमति बनाना था। यह 200 घंटे की नॉन-स्टॉप वार्ता, 300 द्विपक्षीय बैठकों और 15 मसौदों पर किया गया था। कांत ने कहा कि नायडू और गंभीर के प्रयासों से उन्हें काफी मदद मिली।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 11 सितंबर, 2023 3

सुविचार: वह आदमी अमरत्व तक पहुंच गया है जो किसी भी चीज़ से विचलित नहीं होता है।

सीपी ने गणेश प्रतिमा के विसर्जन की तैयारी की समीक्षा की

पुलिस अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर दिये कई निर्देश

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने आगामी गणेश चतुर्थी पर मूर्ति विसर्जन की तैयारी व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए सभी जोनल डीसीपी, एसएचओ और गश्ती दल, ब्लू कोल्ट्स स्टाफ के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की। 35 साल बाद मिलाद-उन-नबी और गणेश विसर्जन का अंतिम दिन एक ही दिन पड़ने पर सीपी आनंद ने सभी रैंक के अधिकारियों से अधिक सावधानी बरतने का आह्वान किया। कुछ एसएचओ और डीसीपी के नगर पुलिस में नए होने और पहली बार इस बंदोबस्त को करने के साथ, सीपी और उनके स्टाफ अधिकारियों ने एचसीपी में सबसे बड़े आयोजन के लिए तैयारी कार्यों के विभिन्न पहलुओं को समझाने में बहुत समय बिताया। एक व्यापक ब्रीफिंग में, नगर पुलिस प्रमुख ने छह चरण की सुरक्षा योजना को स्पष्ट किया। सुरक्षा और यातायात संबंधी मुद्दों से निपटने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप पेश किया और एक सुचारू उत्सव सुनिश्चित करने में

प्रत्येक चरण के महत्व को रेखांकित किया। चरण-1 आज से शुरू हो रहा है और इसमें मूर्ति स्थापना से पहले की तैयारी शामिल है। इस चरण में विक्रय बिंदुओं, रास्ते में और जुलूस मार्गों पर बंदोबस्त तैयार करते समय सूचना प्रपत्र वितरित करना और ऑनलाइन सुविधा को बढ़ावा देना शामिल है। चरण-2 में फील्ड अधिकारी सुरक्षा बढ़ाने के लिए पंडालों का दौरा करेंगे, जनता और भक्तों की सुविधा के लिए बैरिकेड्स, साइनेज, सीसीटीवी, क्यू-रखरखाव, यातायात प्रवाह का निरीक्षण करेंगे। चरण-3 के दौरान, यानी, विसर्जन की योजना बनाने के लिए अधिकारियों को समन्वय बैठकें आयोजित करने और संबंधित विभागों के साथ संपर्क करके लंबित नागरिक कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया, जो चरण 4 और 5 के लिए मंच तैयार करता है। दिन-3 से अंतिम दिन तक जिसके लिए अधिकारियों को काम सौंपा गया। आवश्यक क्रेनों की संख्या, तैनात किए जाने वाले स्थानों आदि की पहचान करें, गश्ती कारों, ब्लू कोल्ट्स को जुलूस के पूरा होने के बाद भी गश्त करते रहने और वापसी मार्गों को भी सुरक्षित रखने का निर्देश दिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने इस बात पर भी जोर दिया कि व्यवस्था करते समय उच्च न्यायालय के निर्देशों को ध्यान में रखा जाना चाहिए और कहा कि सभी अधिकारियों को प्लास्टर आफ पेरिस वाली मूर्तियों को छोटे तालाबों/कृत्रिम तालाबों में विसर्जित करने के उपाय करने चाहिए। वीसी के दौरान रणनीतिक बिंदुओं पर औचक वाहन जांच, तोड़फोड़ रोधी जांच, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण, फ्लैग मार्च, ब्रीफिंग सत्र, सोशल मीडिया निगरानी और अन्य कई प्रमुख निर्देश दिए गए। मिलाद-उन-नबी के लिए किए जाने वाले बंदोबस्त और यातायात व्यवस्था और अन्य परिचालन पहलुओं पर चर्चा की गई। सीपी ने कहा कि जनवरी के बाद से सभी त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किए गए, और इसी तरह कई अन्य कार्यक्रम और कार्यक्रम भी शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किए गए। वे सभी क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल थे, गणेश बंदोबस्त फाइनल है और मुझे यकीन है कि आप सभी मौके पर खरे उतरेंगे और समान रूप से अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

नगर में रविवार दोपहर हुई भारी बारिश से सभी सड़कों पर बाढ सी स्थिति नजर आई। रविवार होने बावजूद भी भारी ट्रेफिक जाम हो गया। जीएचएमसी कर्मचारियों को जल निकासी के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। जहां दुपहिया वाहन चालक खासा परेशान रहे, वहीं पैदल चलने वालों के लिए नदी पार करने जैसा अनुभव रहा।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव : दत्तात्रेय की बेटी ने मुशीराबाद से किया आवेदन

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ भाजपा नेता और हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की बेटी बंडारू विजयालक्ष्मी ने रविवार को मुशीराबाद विधानसभा सीट के टिकट के लिए आवेदन किया। भाजपा ने राज्य विधानसभा का आगामी चुनाव लड़ने के लिए लोगों से आवेदन आमंत्रित किये हैं।

दिलचस्प बात यह है कि राज्यसभा सदस्य के. लक्ष्मण, जिन्होंने दो बार निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है, संकेत दे रहे हैं कि पार्टी को उनके करीबी सहयोगी को टिकट देना चाहिए। गांधीनगर की भाजपा पार्षद ए. पावनी विनय कुमार ने भी मुशीराबाद सीट के लिए आवेदन किया है, जिससे संकेत मिलता है कि विजयलक्ष्मी के लिए टिकट पाना आसान नहीं होगा।

इस बीच, पार्टी सूत्रों ने कहा कि छह दिनों में कुल 3,223 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकांश लोगों ने एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों से आवेदन किया है जिससे चयन समिति के लिए समस्याएँ पैदा हो रही हैं। पार्टी आवेदकों की सूची में से 119 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक से चार से पांच संभावित उम्मीदवारों को चुनने की योजना बना रही है, जिसे बाद में विकल्पों को कम करने या प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक को चुनने के लिए केंद्रीय नेतृत्व को प्रस्तुत किया जाएगा।

तेलंगाना 17 सितंबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाएगा : केटीआर

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग मंत्री और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने रविवार को कहा कि 17 सितंबर को पूरे राज्य में भव्य तरीके से राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव हैदराबाद में एक कार्यक्रम में समारोह में भाग लेंगे। इसके अलावा, राज्य सरकार एकता दिवस मनाने के लिए सभी जिला मुख्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस दिन मंत्री जिलों में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। उन्होंने कहा कि इसी तरह सभी पार्टी कार्यकर्ता अपने क्षेत्रों में भव्य तरीके से समारोह आयोजित करेंगे।

रामाराव ने कहा कि तेलंगाना में सभी क्षेत्रों में कल्याण और विकास को पचाने में असमर्थ, विपक्षी दल हर पहलू का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि लोग एकता दिवस मना रहे हैं, कुछ राजनीतिक दल राजनीति से प्रेरित कदम उठा रहे हैं। हर पहलू को सांप्रदायिक रंग दिया जा रहा है और समाज में अशांति फैलाने की साजिशें रची जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को ऐसे सस्ते राजनीतिक स्टंट से सावधान रहना होगा।

17 सितंबर, 1948 वह दिन था जब तेलंगाना का भारतीय संघ में विलय हो गया और राजशाही से लोकतंत्र की ओर परिवर्तन हुआ। उन्होंने कहा कि पूरा तेलंगाना समुदाय आज भी राजशाही से लोकतांत्रिक स्वतंत्रता में परिवर्तन के महान अवसर को याद करता है। हालाँकि, विध्वंसकारी ताकतें राष्ट्रीय एकता के प्रतीक 17 सितंबर के अवसर को विकृत करके अपने स्वार्थी राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए चालें चल रही है। उन्होंने कहा कि अवसरवादी, जिनकी उस युग के इतिहास और परिस्थितियों में कोई भूमिका नहीं है, अपने राजनीतिक लाभ के लिए तेलंगाना के महान

इतिहास को विकृत और बदनाम कर रहे हैं।

रामा राव ने कहा कि तेलंगाना जैसे अत्यधिक बौद्धिक समाज के लिए, जो सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया करता है, समान गतिशीलता प्रदर्शित करना और विनाशकारी ताकतों के कपटपूर्ण प्रयासों को रोकना आवश्यक है, जो तेलंगाना को प्रदूषित करने की कोशिश कर रहे हैं।

मंत्री इंद्रकरण रेड्डी ने 4के रन को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री ए. इंद्रकरण रेड्डी ने रविवार को यहां महावीर हरिणा वनस्थली राष्ट्रीय उद्यान में वॉकर्स एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित 4के रन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री इंद्रकरण रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार लोगों को मनोरंजन प्रदान करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और वन भूमि के संरक्षण के उद्देश्य से वन ब्लॉकों में शहरी फेफड़े के स्थान (शहरी वन पार्क) विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद के कोत्तागुड़ा में कोटला विजया भास्कर रेड्डी बॉटनिकल गार्डन, जो आरक्षित वन ब्लॉक में है, को तत्कालीन आंध्र प्रदेश में वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए पट्टे पर दिया गया था और हालांकि, पार्क से निकलने वाले लोगों ने वाणिज्यिक गतिविधियों में बाधा डाली थी और इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। हालाँकि, तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, बॉटनिकल गार्डन पार्क को एक इको-टूरिज्म पार्क के रूप में विकसित किया गया है और इसे एक पर्यटन स्थल बनाया गया है।

जीवन एक बड़ी कहानी है, आत्महत्या समाधान नहीं : डीजीपी

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर आयोजित 10के रन और 5के रन के रूप में वर्गीकृत सबसे रोमांचक दौड़ का आयोजन किया गया। इस मैराथन का मुख्य उद्देश्य आशा साझा करने के लिए लोगों को एक साथ लाने और आत्महत्या की प्रवृत्ति की संख्या को कम करने के लिए निवारक उपायों को बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक मंच तैयार करना था।

डब्ल्यूएचओ के अनुमान के मुताबिक, भारत में वैश्विक स्तर पर आत्महत्या की दर 41वीं है। अनुमान है कि हर दिन 35 से अधिक छात्र जीवन समाप्त कर लेते हैं। दोनों तेलुगु राज्यों में वर्ष 2021 में लगभग 1300 आत्महत्याएं दर्ज की गईं। इस संदेश को बढ़ावा देने के लिए कि आत्महत्या कोई समाधान नहीं है,

मैराथन में हजारों फिटनेस प्रेमी, युवा उत्साही और 70 से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों ने भी भाग लिया।

मैराथन राजभवन रोड, मिनर्वा से होकर गुजरी। कॉफी शॉप, पंजागुट्टा फ्लाईओवर, एलवी प्रसाद मार्ग, जुबली चेकपोस्ट, केबल ब्रिज, इनऑर्बिट मॉल, आईकेईए - जैव विविधता - साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय गचीबोवली पुलिस स्टेशन-आईएसबी जंक्शन-गाचीबोवली स्टेडियम मुख्य द्वार, हैदराबाद विश्वविद्यालय के छोटे गेट पर यू-टर्न और समाप्त गाचीबोवली स्टेडियम अभ्यास मैदान के अंदर हुआ। मुख्य अतिथि रहे डीजीपी अंजनी कुमार ने कहा, जीवन प्रकृति का सबसे मूल्यवान उपहार है और हमें इसे आगे बढ़ाना होगा। एक बुरे अध्याय का मतलब यह नहीं है कि जीवन ख़त्म हो गया। उन्होंने कहा कि जीवन में हमेशा चुनौतीपूर्ण क्षण और कठिन समय आएंगे, लेकिन हर किसी को इससे उबरना होगा। डीजीपी ने कहा कि जिंदगी एक बड़ी कहानी है और अगर यह बड़ी कहानी है तो इसमें हमेशा उतार-चढ़ाव आते रहेंगे। हमें उस पर काबू पाना चाहिए और उस पर काबू पाने के लिए एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एथलीटों, विशेष रूप से अनुभवी वर्ग के बुजुर्गों और अभिजात वर्ग ने उन्हें प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने समाज के लिए एक मिसाल कायम की है। उन्होंने निश्चित तौर पर समाज के लिए एक मिसाल कायम की है। आईजी रमेश रेड्डी ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया।

कार के पेड़ से टकराने से दो की मौत, दो घायल

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह शहर से 50 किलोमीटर दूर चेवेल्ला में एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, एक कार में चार लोग सवार थे, तभी कार सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। दो व्यक्तियों प्रदीप और सोनी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है. पुलिस दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार मान रही है। बताया जा रहा है कि पीड़ित एक इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र हैं। अधिक विवरण की प्रतीक्षा है।

होमगार्ड के परिवार को मिली आर्थिक सहायता

पुलिसकर्मियों ने अपने वेतन से 10 लाख रुपए जुटाए

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। होम गार्ड रामू 11 वर्षों से राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय के तहत मल्काजगिरी एसीपी कार्यालय में कार्यरत थे। अचानक बीमारी के कारण हाल ही में उनकी मृत्यु हो गई। अपने परिवार के सदस्य का समर्थन करने के इरादे से, मल्काजगिरी के तहत छह पुलिस स्टेशनों के कर्मियों ने अपने वेतन से होम गार्ड के परिवार को 10 लाख रुपये का योगदान दिया। राचकोंडा कमिश्नर डीएस चौहान ने भी उनकी आर्थिक मदद की। इसके अलावा, कमिश्नर ने कहा कि वे उनकी तीन बेटियों की शिक्षा के लिए सहायता प्रदान करेंगे। आयुक्त ने कहा कि वे राचकोंडा के तहत काम करने वाले सभी स्तर के पुलिस अधिकारियों के कल्याण के लिए काम करेंगे। कमिश्नर ने मानवीय दृष्टिकोण से होम गार्ड परिवार की मदद के लिए आगे आने वाले सहकर्मियों की सराहना की। इस कार्यक्रम में मलकाजीगिरी प्रभारी डीसीपी गिरिधर, अतिरिक्त डीसीपी वेंकटरमण, एसीपी नरेश रेड्डी, इंस्पेक्टर ने भाग लिया।

युवा जूनियर आर्टिस्ट की हत्या का खुलासा

लड़की के पूर्व प्रेमी ने योजना के तहत की हत्या

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत एक जूनियर कलाकार की हत्या कर दी गई। विजयनगरम जिले के रहने वाले टी. साई हैदराबाद में रहकर यूट्यूब वीडियो बनाते थे। साईं जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर काम करने वाली एक युवती के संपर्क में आईं। लड़की को साईं का व्यवहार पसंद नहीं आया और उसने उससे दूरी बना ली। बाद में वह एक और जूनियर आर्टिस्ट कार्तिक के करीब आ गईं। कार्तिक का मूल स्थान महबूबनगर जिले का संकिसा गांव है। हाल ही में, कार्तिक और उसका भाई शंकर उसके कमरे में गए और तीन दिनों तक वहीं रहे। यह बात जब लड़की के पूर्व प्रेमी साई को पता चली तो वह भड़क गया। विजयनगरम जिले के अपने दोस्तों जगदीश, सुरेश और रघु की मदद से कार्तिक को मारने का फैसला किया। सोची-समझी योजना के तहत वे कार्तिक के कमरे में गए और उससे कहा कि लड़की के कपड़े उनके कमरे में रह गए हैं और उसे आकर ले जाने को कहा है।

जूनियर आर्टिस्ट, जिसने इसे सच माना, बाइक पर उनके साथ गया। साई की टीम कार्तिक को ओल्ड बोइनपल्ली हवाई अड्डे पर वन क्षेत्र की ओर ले गई और उस पर हमला कर दिया। उसे पेड़ से बांधा गया और चाकू से वार किया गया। जैसे ही चाकू घूमा, उसे जमीन पर गिरा दिया गया और उसके सिर पर एक पत्थर से प्रहार किया गया। कार्तिक के मरने की पुष्टि करने के बाद साई और उसके दोस्त वहां से चले गए।

कार्तिक के भाई शंकर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि वह 13 अगस्त से लापता है। जुबली हिल्स पुलिस मामला दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है। सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल फोन सिग्नल के आधार पर मामले का खुलासा हुआ। साई और उसके तीन साथियों को हिरासत में लिया गया और पूछताछ की गई, संदिग्धों ने कार्तिक की हत्या करने की बात कबूल कर ली।

वाहनों की चोरी करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना पर स्पेशल जोनल क्राइम टीम, नॉर्थ जोन, सीसीएस ने पांच वाहन चोरी करने वाले अपराधियों को पकड़ा। गिरफ्तार लोगों में शेख रहमत, निवासी रिसालाबाजार, बैकसाइड गोलकोंडा थाना, हैदराबाद, मोहम्मद अमन निवासी, फल मार्केट के पास, रेशमबाग, गोलकुंडा, हैदराबाद, मोहम्मद आसिफ निवासी हकीमपेट, टोलीचौकी, हैदराबाद, मोहम्मद दस्तगीर निवासी रेथिबोवली, मेहदीपट्टनम, हैदराबाद, मोहम्मद ओसामुद्दीन निवासी मुराद नगर मल्लेपल्ली, हैदराबाद शामिल हैं। इनके पास से तीन यात्री वाहन बरामद किए गए हैं। बरामद वहां की कुल कीमत 9 लाख रुपए बताई गई है। आरोपी व्यक्तियों को बरामद केस संपत्ति के साथ आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए पठानचेरुवु पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

रंगारेड्डी जिले में नए मतदाताओं के पंजीकरण की प्रक्रिया जारी : कलेक्टर

रंगारेड्डी, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी, कलेक्टर हरीश ने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देशानुसार रंगारेड्डी जिले में नए मतदाताओं के पंजीकरण, परिवर्तन-परिवर्धन और आपत्तियां प्राप्त करने के लिए इस वर्ष जनवरी से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बूथ स्तर के अधिकारियों और पर्यवेक्षकों की 116 टीमों ने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के सहयोग से 1114 अपार्टमेंटों में विशेष शिविर आयोजित किए। इस अवसर पर बताया गया कि प्रपत्र-6 के 10,275 आवेदन प्राप्त हुए तथा प्रपत्र-8 के 5495 आवेदन प्राप्त हुए जिनका परीक्षण कर निस्तारण किया गया।

सर्वेक्षण टीमों ने घर-घर जाकर कुल 15,49,110 घरों का दौरा किया और नए मतदाताओं के पंजीकरण के संबंध में 5628 फॉर्म-6 आवेदन, 11659 फॉर्म-8 आवेदन और 6841 फॉर्म-7 आवेदन एकत्र किए। प्राप्त शिकायत पर कि सेरिलिंगमपल्ली में समान मकान नंबर वाले 5155 मतदाता हैं, ईआरओ की स्वयं देखरेख में बीएलओ द्वारा गहन जांच की गई और यह पुष्टि की गई कि 5155 मतदाताओं में से 5024 मतदाता निवास कर रहे हैं। मतदाता सूची में एक ही पता और मकान नंबर अलग-अलग हैं। स्वीप के हिस्से के रूप में शुरू किए गए विभिन्न कार्यक्रमों में से कुल 99,358 फॉर्म-6 आवेदन और 26,245 फॉर्म-8 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं।

कलेक्टर हरीश के अनुसार, सेरिलिंगमपल्ली विधानसभा क्षेत्र में लगभग 3 लाख मतदाताओं के लिए एक ही मकान नंबर दर्ज करने की शिकायत के संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के आदेश के अनुसार एक व्यापक जांच प्रक्रिया चल रही है। हालाँकि, जीएचएमसी में विभिन्न उपनगरों और विभिन्न पुरानी ग्राम पंचायतों के विलय की पृष्ठभूमि में, यह उनके ध्यान में आया है कि उनसे संबंधित मकान नंबर एक ही तरह से पंजीकृत किए गए हैं। हालांकि, कलेक्टर ने कहा कि सीईओ के आदेश पर व्यापक जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देशानुसार सभी पात्र मतदाताओं को पंजीकृत करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

चेवेल्ला में महिला की निर्मम हत्या

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला गांव में एक फार्महाउस में रविवार सुबह एक महिला का शव मिला। पुलिस के मुताबिक, करीब 30 साल की महिला का शव काफी क्षत-विक्षत अवस्था में था और सुबह कुछ लोगों ने उसे एक फार्म हाउस के परिसर के अंदर देखा। सूचना पर चेवेल्ला पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मामला दर्ज कर लिया गया है और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर हैं। पुलिस को आशंका है कि महिला की हत्या कर शव को वहीं छोड़ दिया गया है. मामले की जांच के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। हम महिला की पहचान स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले को सुलझाने के लिए तकनीकी सहायता भी ली जा रही है। तीन टीमें काम पर हैं।

तेलंगाना में महिला सशक्तिकरण का प्रतीक हैं ऐलम्मा : वित्त मंत्री

सिद्दीपेट, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने रविवार को तेलंगाना में महिला सशक्तिकरण के प्रतीक के रूप में चकली ऐलम्मा की सराहना की। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के साथ सिद्दिपेट में ऐलम्मा की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर माला चढ़ाने के बाद बोलते हुए, हरीश राव ने कहा कि वह पिछड़े वर्गों के बीच स्वाभिमान का प्रतीक भी थीं। यह कहते हुए कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव और अन्य नेताओं ने राज्य आंदोलन का सफलतापूर्वक नेतृत्व करते हुए ऐलम्मा के जीवन से प्रेरणा ली, हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने ऐलम्मा के सम्मान में जयंती और पुण्यतिथि समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है।

रजाका समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में विस्तार से बताते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार ने सिद्दीपेट में एक आधुनिक धोबी घाट बनाया है। राज्य सरकार जाति-आधारित व्यवसायों के आधार पर लोगों के जीवन की बेहतरी के लिए उठाए गए विभिन्न पहलों के हिस्से के रूप में रजाका समुदाय के बेरोजगारों को अपना खुद का व्यवसाय स्थापित करने में मदद करने के लिए धन भी दे रही है। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष वी. रोजा शर्मा, मेदक सांसद कोथा प्रभाकर रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

हरीश ने 2023 के विधानसभा चुनाव की तुलना कुरूक्षेत्र से की

वित्त मंत्री टी हरीश राव ने आगामी विधानसभा चुनाव को एक कुरूक्षेत्र युद्ध करार दिया है, जहां सच्चाई की जीत होगी। रविवार को सिद्दीपेट में मछुआरा समाज के सदस्यों को पहचान पत्र प्रदान करने के बाद उन्हें संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि कांग्रेस की तुलना महाभारत में कौरवों से की जा सकती है और जैसे पांडवों ने युद्ध जीता था, वैसे ही भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार बनाने और राज्य को विकास की ओर ले जाने के लिए लगातार तीसरा चुनाव जीतेगी। यह कहते हुए कि कांग्रेस ने चुनाव से पहले अपनी घोषणा बैठकों के दौरान झूठे वादे किए थे, हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि वे 60 वर्षों के दौरान इन सभी वादों को लागू क्यों नहीं कर सके जब पार्टी सत्ता में थी। यह कहते हुए कि तेलंगाना के लोग कांग्रेस की बातों पर विश्वास नहीं करेंगे, उन्होंने कहा कि लोग अच्छी तरह जानते हैं कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार ने पिछले नौ वर्षों में क्या किया है। इससे पहले, हरीश राव ने पशुपालन और मत्स्य पालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के साथ मछली पकड़ने वाले समुदाय को पहचान पत्र सौंपने के लिए राज्यव्यापी कार्यक्रम शुरू करने के हिस्से के रूप में 7,200 मछुआरों को पहचान पत्र वितरित किए। समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में विस्तार से बताते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने मछली पकड़ने वाले समुदाय के कल्याण पर 2,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। दोनों मंत्रियों ने सिद्दीपेट शहर के चिंथला चेरुवु में 52,000 मछलियों को भी छोड़ा। जिला परिषद अध्यक्ष वी रोजा शर्मा, मेडक सांसद कोथा प्रभाकर रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

पुव्वाड़ा ने खम्मम में बाढ़ प्रभावित परिवारों को चेक वितरित किए

खम्मम, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पुव्वाड़ा अजय कुमार ने रविवार शाम को खम्मम नयाबाजार सरकारी स्कूल में मुन्नरु बाढ़ से प्रभावित 1,718 परिवारों को 1.50 करोड़ रुपये के नकद चेक वितरित किए हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव से कहने के तुरंत बाद एनडीआरएफ की एक टीम खम्मम भेजी गई, जिसके परिणामस्वरूप निवासियों की जान बच गई।

मंत्री ने कहा कि उन्होंने मुन्नेरु जलग्रहण क्षेत्रों में गरीबों के साथ खड़े रहकर व्यक्तिगत रूप से बाढ़ राहत कार्यों की निगरानी की। राज्यसभा सदस्य बी पार्थसारथी रेड्डी ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए 1 करोड़ रुपये और मंत्री की बहू पुव्वडा अपर्णा ने 50 लाख रुपये का दान दिया। 1.50 करोड़ रुपये की राशि जिला कलेक्टर के खाते में स्थानांतरित की गई और इसे बाढ़ प्रभावित परिवारों को वितरित किया गया; अजय कुमार ने कहा और उन दानदाताओं को धन्यवाद दिया जिन्होंने समर्थन मांगने पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। जिला कलक्टर वीपी गौतम ने बताया कि बाढ़ से प्रभावित 1,718 परिवारों को 8,463 रुपये प्रति परिवार के हिसाब से समान रूप से वितरित किए गए। बाढ़ से पीड़ित लोगों की मदद के लिए मंत्री अजय कुमार ने काफी मेहनत की थी और उनकी मदद के लिए सर्वे की प्रक्रिया तुरंत पूरी की गई थी। धन एकत्र करना और उसे बाढ़ पीड़ितों को देना प्रशंसनीय है। मंत्री के प्रयासों के फलस्वरूप प्रभावित परिवारों को चेक सौंपे गये।

तेलंगाना में स्कूलों की निगरानी के लिए आधुनिक कमांड कंट्रोल सेंटर

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नामांकन, उपस्थिति से लेकर शैक्षणिक प्रदर्शन तक, सरकारी संस्थानों की निगरानी के अलावा निजी समेत सभी स्कूलों से संबंधित पूरी जानकारी इस माह के अंत तक स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शुरू किये गये नए अत्याधुनिक कमांड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से बस एक क्लिक पर मिल जाएगी।

'विद्या समीक्षा केंद्र' नामक इस केंद्र का उपयोग राज्य भर में छात्रों के नामांकन और उनके सीखने के स्तर, व्यक्तिगत छात्रों और स्कूल-वार दोनों की उपलब्धि पर नज़र रखने के लिए किया जाएगा। नया केंद्र, जो तेलंगाना राज्य पुलिस कमांड कंट्रोल सेंटर और स्वास्थ्य विभाग के कमांड कंट्रोल सेंटर की तर्ज पर है, 5 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से स्कूल शिक्षा निदेशालय की दूसरी मंजिल पर बन रहा है। हाई-एंड कंप्यूटर सिस्टम के साथ 20 फीट ऊंची विशाल स्क्रीन से सुसज्जित, केंद्र सूचना प्राप्त करने और निगरानी को परेशानी मुक्त बना देगा।

इसके लिए, बच्चों की जानकारी, सीखने के परिणाम और मध्याह्न भोजन की खपत सहित विभिन्न अनुप्रयोगों को केंद्र में एकीकृत किया जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाते हुए, स्कूलों की निगरानी के लिए केंद्रीकृत डैशबोर्ड बनाया जा रहा है। यह अधिकारियों के लिए मध्याह्न भोजन, मुफ्त पाठ्यपुस्तकें, नोटबुक और छात्रों को वर्दी वितरण सहित योजनाओं की निगरानी और ट्रैकिंग के लिए काम आएगा।

वर्तमान में, अधिकारी जानकारी के लिए शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली या यूडीआईएसई डेटाबेस पर भरोसा कर रहे हैं। इसके अलावा, यूडीआईएसई के लिए जानकारी एकत्र करना एक बोझिल और समय लेने वाली प्रक्रिया है। एक बटन के एक क्लिक पर सभी स्कूलों से संबंधित संपूर्ण जानकारी उपलब्ध होने से, केंद्र अधिकारियों को डेटा-संचालित निर्णय लेने में सहायता करेगा।

इसके अलावा, स्कूलों में उपस्थिति लेने के लिए इस सप्ताह लॉन्च होने वाली चेहरे की पहचान उपस्थिति आधारित एप्लिकेशन को भी केंद्र में एकीकृत किया जाएगा, जिससे अधिकारी वास्तविक समय में छात्रों और शिक्षकों दोनों की व्यक्तिगत उपस्थिति को ट्रैक कर सकेंगे। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों को सहायता प्रदान करने के अलावा, यह नया केंद्र अधिकारियों को उनके प्रदर्शन और यदि आवश्यक हो तो आवश्यक प्रशिक्षण के अलावा वास्तविक समय में उनकी उपस्थिति की निगरानी करने में सहायता करेगा। आवासीय विद्यालयों सहित सरकार द्वारा संचालित संस्थान केंद्र में सीसीटीवी कैमरों के एकीकरण के साथ वीडियो निगरानी में होंगे।

वेमुला ने ऐलम्मा को महिलाओं के स्वाभिमान का प्रतीक बताया

निज़ामाबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने रविवार को तेलंगाना की क्रांतिकारी सेनानी चित्याला ऐलम्मा, जिन्हें चकली ऐलम्मा के नाम से जाना जाता है, को उनकी 38वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मंत्री ने वेलपुर मंडल में ऐलम्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि प्रमुख जाति के जमींदारों के खिलाफ ऐलम्मा के संघर्ष ने जनता को जमींदारों द्वारा शोषण के खिलाफ आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि वह महिलाओं के स्वाभिमान का प्रतीक हैं। जिला परिषद अध्यक्ष दादानगरी विट्ठल राव, अतिरिक्त कलक्टर चित्रा मिश्रा एवं जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जी20 की मेज़बानी, वैश्विक नेता बनने की राह में भारत का बढ़ता कदम : पंकज अग्रवाल

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अशोक फाउंडेशन संस्थापक तथा नारनौल अग्रवाल समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने बताया कि भारत को आजाद हुए 76 साल हो चुके हैं। इस दौरान देश ने कई उपलब्धियां हासिल की है। हम आज कई क्षेत्रों में टॉप-5 में हैं, कई में टॉप-3 तो कुछ जगहों पर टॉप पर हैं. इसके बावजूद भारत को विकासशील देशों में गिना जाता है, इसलिए जी20 एक ऐसा फोरम हैं जहां भारत अपनी श्रेष्ठता को और बेहतर ढंग से बता सकता है। अशोक फाउंडेशन संस्थापक तथा नारनौल अग्रवाल समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने बताया कि हमारे पीएम मोदी का भी यही लक्ष्य है कि जब देश आजादी के 100 साल मना रहा होगा, तब 2047 में भारत एक विकसित राष्ट्र हो। श्री अग्रवाल ने बताया कि अब दुनिया को बताने की जरूरत है कि भारत दुनिया का वैश्विक नेता बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत ने समय-समय पर दिखाया है कि विकसित देश उन्नत संसाधनों के बावजूद वो मुकाम हासिल नहीं कर पाते, जो भारत अपने सीमित संसाधनों के साथ कर लेता है चाहे मंगलयान हो या कोविड जैसी महामारी में 140 करोड़ देशवासियों की रक्षा करना या फिर चंद्रयान-3 हर मामले में भारत औरों से बेहतर है। श्री अग्रवाल ने कहा कि भारत को जी20 की मेज़बानी, वैश्विक नेता बनने की राह में बढ़ता कदम है।

नामपल्ली बालवीर हनुमान मंदिर में सामूहिक रुद्राभिषेक आज, हुई बैठक

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली बालवीर हनुमान मंदिर में आज 11 सितंबर सोमवार को मासिक शिवरात्रि के शुभ अवसर पर प्रदोष काल में भव्य नमक-चमक के साथ सामूहिक रुद्राभिषेक का दिव्य आयोजन तथा महाप्रसाद का कार्यकर्म सुनिश्चित है। शाम 7 बजे से प्रदोष काल में आचार्य प्रमोद कृष्ण शास्त्री जी के आचार्यत्व में महा रूद्राभिषेक होगा। नामपल्ली मंदिर के महामंडलेश्वर पूज्य प्रभु दासजी महाराज ने बताया की सभी शिव भक्त इस विशेष अवसर का लाभ उठाने के लिए परिवार सहित आएं और सपत्नीक अभिषेक में भाग लेना चाहिए। ऐसा शुभ अवसर सावन में अनेक साले में एक बार आता है।

बालवीर हनुमान मंदिर के महामंडलेश्वर पूज्य प्रभु दास जी महाराज ने बताया की आने वाले नवरात्र में विश्व कल्याण के लिए भोलेनाथ और माता पार्वती की कृपा पाने के लिए शक्ति आराधना के महापर्व पर इस बार शिव महापुराण का आयोजन होना तय हुआ है। समस्त आदि व्याधि, ग्रह पीढ़ा, भूत- प्रेत बाधा निवारण, ब्रह्म राक्षस योनि से मुक्त पाने के लिए और लोक कल्याण के लिए माता पार्वती जी ने भी अपनी सहेली चुंचला के लिए उसके पति के उद्धार हेतु हिमालय पर नारद जी के शिष्य तुमरू जी महाराज के व्यासत्व में शिव पुराण का महाआयोजन किया था।

व्यास पीठ पर विराजमान होकर देवभूमि उत्तराखंड के विद्वान आचार्य और भद्रकाली पर्देश्वर शक्ति पीठ मंदिर के प्रधान आचार्य पूज्य सतीश चंद्र लोहनी जी कथा सुनाएंगे। शिव महापुराण कथा में भाग लेने, यजमान बनने के इच्छुक शिव/शक्ति भक्त सादर आमंत्रित हैं।

राजनीति के मंच के रूप में तिरुमला का उपयोग न करें : सांसद संतोष

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सदस्य जे. संतोष कुमार ने राजनीतिक गतिविधियों और आलोचना के मंच के रूप में भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के निवास स्थान पवित्र तिरुमाला के बढ़ते उपयोग पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने राजनीतिक गतिविधियों को प्रतिबंधित करके प्रतिष्ठित तीर्थ स्थल की पवित्रता की रक्षा करने की आवश्यकता पर बल दिया। एमएलसी पोचमपल्ली श्रीनिवास रेड्डी के साथ सांसद संतोष कुमार ने रविवार को यहां तिरुमाला मंदिर का दौरा किया। यात्रा के बाद, उन्होंने तिरुमाला की पवित्र प्रकृति पर जोर दिया और पवित्र पहाड़ी पर होने वाली राजनीतिक गतिविधियों और टिप्पणियों की बढ़ती प्रवृत्ति पर अफसोस जताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आध्यात्मिक भक्ति के लिए बनी जगह तिरुमाला का इस्तेमाल राजनीतिक एजेंडे के लिए एक मंच के रूप में नहीं किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर, राज्यसभा सदस्य ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) से तिरुमाला हिल की आध्यात्मिक आभा और पवित्रता की रक्षा के लिए राजनीतिक गतिविधियों को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने का आग्रह किया। उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी, टीटीडी के अध्यक्ष भुमना करुणाकर रेड्डी और टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी धर्म रेड्डी से मंदिर को राजनीति और आलोचना के मंच के रूप में इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू करने का आग्रह किया।

डबल बेडरूम मकान स्थानीय लोगों को ही आवंटित करें : बसपा नेता

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष आरएस प्रवीण कुमार ने आज मांग की कि राज्य सरकार डबल बेडरूम घर केवल पात्र स्थानीय लोगों को आवंटित करें। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी गैर-स्थानीय लोगों को घर आवंटित करके वास्तविक लाभार्थियों को धोखा दे रही है। तुक्कुगुडा के निवासियों द्वारा आयोजित एक विरोध कार्यक्रम में बोलते हुए, प्रवीण कुमार ने मांग की कि राज्य सरकार डबल बेडरूम वाले घर केवल स्थानीय निवासियों को आवंटित करे। उन्होंने विरोध को अपनी पार्टी का समर्थन दिया।

मडफोर्ट धोबीघाट पर चकली ऐलम्मा को दी गई श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मडफोर्ट धोबीघाट में रजक संगम के तत्वावधान में तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष की प्रतीक धीरा वनिता चकली ऐलम्मा की 38वीं पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम में पूर्व छावनी परिषद उपाध्यक्ष जेपी, मोंडा मंडल पार्षद भाजपा नेता दीपिका नरेश, भाजपा नेता अकुला नागेश और अन्य लोगों ने चकली ऐलम्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर जेपी ने कहा कि वीरांगना चकली ऐलम्मा ने यह कहकर विद्रोह कर दिया कि सामंत जमीन पर लगी फसल नहीं छीन लेंगे और सशस्त्र संघर्ष शुरू कर दिया। चकली ऐलम्मा ने कहा कि तेलंगाना संघर्ष की भावना के साथ तैयार किया गया है। कार्यक्रम में राजक संघ के नेता एल सत्यनारायण, शंकर, कृष्णा, सोमाया भीमराव, गणेश, राजा शिव और अन्य लोगों ने भाग लिया।

गरीब लोगों को दी गई जमीन को नहीं छीन सकती सरकार : वीएच

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व पीसीसी अध्यक्ष तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव ने कहा कि बीआरएस सरकार गांधीपेट मंडल खानापुरम में राजन्ना गुट्टा में शिव मंदिर को पहले आवंटित की गई 5 एकड़ जमीन और पिछली सरकार द्वारा गरीब लोगों को वितरित की गई जमीन को नहीं बेच सकेगी। रविवार को उन्होंने खानापुरम शिव मंदिर मैदान का दौरा किया और वहां ग्रामीणों से बात की। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि पिछली सरकारों ने गरीब लोगों को दिए जाने वाले अनुदान को रद्द कर दिया और ऑनलाइन नीलामी के माध्यम से मंदिर की जमीनें भी बेच दीं।

पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाता मंदिर में देवड़ा परिवार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह व स्नेह भोज कार्यक्रम में बत्तौर मुख्यअतिथि उपस्थित सीरवी समाज अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, सचिव किशनसिंह राठौड़, महिला सचिव निर्मला देवड़ा, पुणे सीरवी समाज सचिव उमेश चौधरी, आयोजक सोहनलाल-भंवरीबाई, जसवन्तकुमार-सुशीलादेवी, महेन्द्रकुमार-सुशीलादेवी, ओमप्रकाश-सीतादेवी, निर्मलकुमार-सोनिया, पुखराज आगलेचा, नरेन्द्र परिहार व अन्य।

गणेश निमज्जन के मद्देनजर मिलाद-उन-नबी का जुलूस रद्द

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिजरी कैलेंडर के रबी उल अव्वल महीने के 12वें दिन निकाले जाने वाले भव्य मिलाद-उन-नबी जुलूस को तीन संगठनों ने उसी दिन पड़ने वाले गणेश निमज्जन के मद्देनजर रद्द कर दिया है, जिसमें बड़े पैमाने पर समारोह और भारी सार्वजनिक उपस्थिति देखी जाती है। सुन्नी यूनाइटेड फोरम ऑफ इंडिया ने अंजुमन ए क़ादरी और सीरत-उन-नबी अकादमी के बाद अपना जुलूस रद्द कर दिया था। शहर में शांति सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया। सीरत उन नबी अकादमी के पदाधिकारी सैयद गुलाम समदानी अली क़ादरी ने कहा कि कुछ उपद्रवी लोग सभाओं में शामिल हो सकते हैं और परेशानी पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं। शहर में शांति बनाए रखने के लिए, हमने इस साल जुलूस रद्द कर दिया है। जुलूस में विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में लोग आते हैं और चारमीनार पर एकत्रित होते हैं। हालाँकि, कुछ और संगठनों ने अभी तक अपने जुलूस रद्द करने या इसे पुनर्निर्धारित करने के बारे में निर्णय नहीं लिया है। पूरी संभावना है कि वे अपने जुलूस का कार्यक्रम पुनर्निर्धारित करेंगे या मुस्लिम बहुल इलाकों से गुजरने वाला कोई वैकल्पिक मार्ग तलाशेंगे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमेटी की बैठक समाज के कार्यालय राघव रत्ना टॉवर में आयोजित की गई जिसमे कमिटी के चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल, वाइस चेयरमैन दीनबंधु अग्रवाल, सुनील मित्तल, अशोक दादरीवाले, गोविंद अग्रवाल उपस्थित थे

कोरेमुला स्थित श्री आईमाता मंदिर में दो दिवसीय भादवा सुदी बीज कार्यक्रम को भव्यरूप से मनाने के लिए विचार-विमर्श करते हुए संरक्षक प्रभुराम परिहारियां, अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, उपाध्यक्ष वगताराम पंवार, राजाराम पंवार, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार, सहसचिव राजाराम गेहलोत व समाज बन्धु।

भूकंप के समय सुनाई दीं असहनीय चीखें

सड़कों पर सो रहे लोग; 2000 से ज्यादा की जान गई

मोरक्को, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मोरक्को में शुक्रवार देर रात आए भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 2000 के पार चला गया है। भूकंप के चलते मोरक्को में भारी नुकसान हुआ है, जिससे उबरने में मोरक्को को लंबा समय लगेगा। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार, मोरक्को में 6.8 मैग्नीट्यूड का भूकंप आया। इस भूकंप का केंद्र माराकेश से 72 किलोमीटर दूर दक्षिण पश्चिम में था। मोरक्को सरकार ने बताया कि भूकंप में अभी तक 2012 लोगों की मौत हुई है और 2059 लोग घायल हैं। इनमें से 1404 लोगों की हालत गंभीर है। ऐसे में माना जा रहा है कि मृतकों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है।

अभी तक डरे हुए हैं लोग

लोगों ने बताया कि मोरक्को के कासाब्लांका और राबत शहरों में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। एक बुजुर्ग महिला ने बताया कि वह लोग सो रहे थे, जब अचानक से उन्होंने दरवाजे बजने की आवाजें सुनीं। वह इससे घबरा गईं और तुरंत घर से बाहर निकल गईं। बताया जा रहा है कि बीते 120 सालों में यह उत्तर अफ्रीकी देश मोरक्को का सबसे तेज भूकंप था। तारोदांत राज्य के अल हौज में भूकंप का केंद्र था और वहीं पर सबसे ज्यादा लोगों की जान गई है। इसके अलावा क्वारजाते, चिचौआ, अजिलाल और यूसुफिया प्रांत के साथ ही माराकेश और अगादिर में भी लोगों की जान गई है। एक व्यक्ति ने बताया कि जैसे ही भूकंप आया, वैसे ही असहनीय चीख-पुकार मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे और भगदड़ सी मच गई। उस व्यक्ति ने बताया कि लोग अभी भी डरे हुए हैं और सड़कों पर सो रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी कई फुटेज वायरल हो रही हैं, जिनमें लोग बदहवास इधर-उधर भागते नजर आ रहे हैं। भूकंप के बाद प्रभावित इलाकों में लोग अभी भी सदमे में हैं। मोरक्को की सरकार ने बताया कि संसाधनों को इकट्ठा कर प्रभावित इलाकों में मदद भेजी गई है। लोगों से अपील की गई है कि वह रक्तदान करें। सेना ने फील्ड अस्पताल बनाकर लोगों का इलाज शुरू कर दिया है। मोरक्को में भूकंप से भारी नुकसान हुआ है लेकिन अभी तक इसका आकलन किया जा रहा है।

विदेशी नेताओं ने जताया दुख

विदेशी नेताओं ने भी मोरक्को में मारे गए लोगों के प्रति संवेदनाएं जाहिर की हैं। पीएम मोदी ने शनिवार को जी20 बैठक के दौरान ही मोरक्को के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की थी। अब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी बयान जारी कर कहा है कि वह मोरक्को में भूकंप से हुए जान-माल के नुकसान से दुखी हैं और उन्होंने मोरक्को की सरकार को हरसंभव मदद की बात कही है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी दुख व्यक्त किया है। पोप फ्रांसिस ने भी अपनी संवेदनाएं जाहिर की हैं। बता दें कि अल्जीरिया में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि वहां किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

चाचा को पसंद नहीं था एक साल के भतीजे का रोना, गला दबाकर की हत्या

सोनीपत, 10 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव में चाचा ने भतीजे की हत्या कर दी। एक साल भतीजा बार-बार रो रहा था। चाचा को इस बात से गुस्सा आ गया। उसने भतीजे की हत्या कर दी और शव खेत में फेंक दिया। बच्चे की मां ने बेटे की हत्या का शक जताते हुए पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने कार्रवाई करते आरोपी चाचा को गिरफ्तार किया और बच्चे का शव बरामद किया। मां की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया की आरोपी का बच्चे की मां से अवैध संबंध भी है। दरअसल, मामला सोनीपत के सदर थाना का है। जिले के बड़ौता गांव में खेत में एक साल के मासूम का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। बिहार के मोतीहारी की रहने वाली सपना ने सदर थाना पुलिस को बताया कि मेरे माता-पिता बचपन में ही गुजर गए थे। इसके बाद वह अपने मामा के पास रहने लगी। सपना ने आगे बताया कि मामा ने उसकी शादी यूपी के दुधायु के राहुल से करा दी।

अजित पवार ने छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि देने के लिए किया रोड शो

मुंबई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने रविवार को पुणे में एक रोड शो किया और छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि दी। उपमुख्यमंत्री के रोड शो के दौरान भारी संख्या में पुलिस की टीमें तैनात की गई थीं। शिक्षा और नौकरियों में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर राज्य में चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच हाल ही में डिप्टी सीएम अजीत पवार और देवेंद्र फड़नवीस ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ बैठक की। हालांकि महाराष्ट्र सरकार ने जालना में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज के लिए माफी जारी कर दी है, लेकिन विपक्ष इस मुद्दे पर शिंदे के इस्तीफे की मांग को लेकर सरकार पर दबाव बना रहा है। डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़णवीस ने कहा, 'पुलिस द्वारा लाठीचार्ज सही नहीं था। मैं सरकार की ओर से माफी मांग रहा हूं। सीएम ने कहा है कि जो लोग भी इसके लिए जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।' मराठा आरक्षण और प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर चर्चा के लिए हाल ही में मराठा आरक्षण पर महाराष्ट्र कैबिनेट उप-समिति की बैठक हुई। बैठक में शिंदे और दोनों उपमुख्यमंत्री-पवार और फड़णवीस उपस्थित थे। बताते चलें कि अजित पवार के रोड शो की तस्वीरें और वीडियोज भी सोशल मीडिया के जरिये सामने आए हैं।

गृहमंत्री मिश्रा का बड़ा बयान

सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर लोकप्रियता पाना चाहते हैं दिग्विजय सिंह

मुरैना, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मप्र कांग्रेस द्वारा गलत ओपिनियन पोल वायरल करने के मामले में सियासत गर्मा गई है। दिग्विजय सिंह पर अब गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि दिग्विजय सिंह सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का खेल खेल रहे हैं। बता दें कि गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा जन आशीर्वाद यात्रा में शामिल होने मुरैना पहुंचे थे। यहीं उन्होंने कांग्रेस और दिग्विजय सिंह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि हार की हताशा से बचने तथा अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह मीडिया का दुरुपयोग कर गलत अफवाह फैला रहे हैं। उन्होंने ऐसा पहली बार नहीं किया है, बल्कि उससे पहले भी वे कई बार ऐसी शर्मनाक हरकत कर चुके हैं। यह बहुत ही निंदनीय है। यह उनकी ओछी मानसिकता का प्रतीक है। हम उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। मिश्रा ने कहा कि आगामी विधानसभा 2023 के चुनाव में भी कांग्रेस का सूपड़ा-साफ होने वाला है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह मीडिया का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने एक न्यूज़ चैनल के नाम से फर्जी सर्वे वायरल किया है। यह बात चैनल के एमडी ने खुद ट्वीट करके बताई है। यही नहीं न्यूज चैनल के एमडी ने इसके लिए पूर्व मुख्यमंत्री पर कार्रवाई की मांग भी की है। गृहमंत्री ने कहा कि ऐसा उन्होंने पहली बार नहीं किया है, बल्कि इससे पहले भी वे कई बार ऐसी शर्मनाक हरकत कर चुके हैं। उनकी इस हरकत से एमपी में नूंह जैसा दंगा हो सकता था। यह निंदनीय है। हम कानूनी कार्रवाई करेंगे।

महादेव की शरण में लालू प्रसाद

हरिहरनाथ के बाद अब बाबा बैद्यनाथ का दर्शन करने जा रहे

पटना, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव लगातार पूजा-अर्चना करते दिख रहे हैं। गोपालगंज के थावे, मुंबई के सिद्धि विनायक, सोनपुर के हरिहरनाथ मंदिर, पटना के बांके बिहारी मंदिर के बाद बाबा बैद्यनाथ धाम का पूजा करने जा रहे हैं। कुछ ही देर में वह देवघर के लिए रवाना हो रहे हैं। सोमवार को द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ पर जलाभिषेक करेंगे। रविवार दोपहर पटना एयरपोर्ट से वह देवघर के लिए रवाना हुए। लालू प्रसाद ने कहा कि विश्व शांति के मैं पूजा-अर्चना कर रहा हूं। रविवार को पत्नी के साथ देवघर जा रहा हूं। सोमवार को मैं बाबा भोले पर जल चढ़ाऊंगा।

इंडिया गठबंधन से भाजपा घबरा गई है

दो दिन पहले ही राजद सुप्रीमो ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि इंडिया गठबंधन से भाजपा घबरा गई है। सनातन धर्म के सवाल पर लालू प्रसाद ने कहा कि भाजपा ढोंगी है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत आरक्षण विरोधी हैं। गुरु गोवलकर ने जो लिखा है बंच ऑफ थॉट में वही मोदी कर रहे हैं और मोहन भागवत भी वही कर रहे हैं।

लालू बोले- भगवान देश की स्थिति का निराकरण करेंगे

देश के हालात के सवाल पर बोले कि इंडिया संगठन जो हमलोगों ने बनाया है वह बिल्कुल विजयी होगा। भाजपा ढोंगी है। भाजपा वाले पगलाया हुआ है। सबका मालिक है। भगवान देश की स्थिति का निराकरण करेंगे। परमात्मा से बड़ा कोई नहीं होता है।

आदमखोर हुआ तेंदुआ: चिनैनी में सात दिन बाद तेंदुए ने फिर उठाई बच्ची, शोर मचने पर छोड़ कर भागा

उधमपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। जिला उधमपुर के चिनैनी कस्बे के लद्दा गांव में तेंदुए की दहशत बढ़ती जा रही है। एक सप्ताह पहले चार साल की बच्ची को शिकार बनाने के ठीक एक सप्ताह बाद आदमखोर तेंदुए ने शनिवार को एक दो साल की एक और बच्ची को घर के आंगन से उठा लिया। हालांकि ग्रामीणों के शोर मचाने पर तेंदुआ बच्ची को छोड़ जंगल में भाग गया। इस घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत भरी नाराजगी है। उनका कहना है कि पिछले सप्ताह विभाग की ओर से आश्वासन दिया गया था परंतु अब तक आदमखोर जानवर पकड़ से बाहर है। सरकार को इसे मारने की अनुमति देनी चाहिए। पीड़ित बच्ची मनीषा की दादी ने बताया कि शाम करीब छह बजे बच्ची मां के साथ आंगन में बैठी थी। इसी दौरान तेंदुआ उसे उठाकर ले गया। यह देख मां चिल्लाने लगी, जिसे सुनकर ग्रामीण इकट्ठा हो गए। लोगों को पीछे आता देख तेंदुआ कुछ दूर जाकर बच्ची को छोड़कर भाग निकला।

कोडानाड हत्या और डकैती मामले में आरोपियों के परिजनों का दावा, अन्नाद्रमुक नेता हैं शामिल

चेन्नई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कुख्यात कोडानाड हत्या और डकैती मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। प्रथम आरोपी के भाई ने पार्टी महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) और अन्य नेताओं के एक समूह सहित अन्नाद्रमुक नेताओं के खिलाफ आरोप लगाए हैं। सड़क दुर्घटना में मारे गए पहले आरोपी सी। कनगराज के भाई सी। धनबल ने आरोप लगाया कि कोडनाड मामले में अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता शामिल थे। एआईएडीएमके सलेम उप जिला सचिव आर। एलंगोवन ने कुछ अन्य पार्टी पदाधिकारियों के साथ पुलिस से शिकायत की कि धनबल द्वारा कोडनाड मामले में उनका नाम घसीटा गया है। इलांगोवन ने कहा कि धनबल को पहले कोडनाड मामले में सबूत नष्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और वह उनके (एलंगोवन) खिलाफ झूठे आरोप लगा रहे है। एक आलीशान बंगले के साथ 900 एकड़ की कोडनाड संपत्ति संयुक्त रूप से दिवंगत मुख्यमंत्री जे। जयललिता और उनकी सहयोगी और करीबी सहयोगी वीके शशिकला के स्वामित्व में थी। दिसंबर 2016 में जयललिता के निधन और फरवरी 2017 में शशिकला की गिरफ्तारी के बाद, 23 अप्रैल 2017 को कोडानाड एस्टेट बंगले में चोरी हुई। चोरी के दौरान एक सुरक्षा गार्ड ओम बहादुर की मौत हो गई और दूसरा गार्ड कृष्णा थापा गंभीर रूप से घायल हो गया।

करीब 15 साल पहले लापता हुई पश्चिम बंगाल की महिला राजस्थान में मिली

कोलकाता, 10 सितंबर (एजेंसियां)। करीब 15 साल पहले लापता हुई पश्चिम बंगाल की एक महिला यहां एक रेडियो क्लब के प्रयासों की बदौलत राजस्थान में मिली। पश्चिम बंगाल रेडियो क्लब के सचिव अंबरीश नाग बिस्वास ने बताया कि हाल में उन्हें एक व्यक्ति का फोन आया था। उन्होंने बताया कि उक्त व्यक्ति ने खुद को पत्रकार बताते हुए कहा कि एक महिला अपने पिता से बात करना चाहती है। बिस्वास ने कहा कि उस व्यक्ति के पास महिला का फोन आया था और उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या किया जाए, इसलिए उसने रेडियो क्लब से मदद मांगी।

धौलपुर-मुरैना के बीच रेलवे ट्रैक धंसा; बारिश के चलते पटरी के नीचे की मिट्टी खिसकी

ग्वालियर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। चंबल इलाके में बीती रात हुई तेज़ बारिश के कारण चंबल नदी के बीहड़ों में बने हेतमपुर रेलवे स्टेशन के आसपास पटरियों के नीचे से मिट्टी बह जाने के चलते ग्वालियर और आगरा ट्रैक पर सुबह से ट्रेनों की आवाजाही ठप्प पड़ी है। इसके चलते नई दिल्ली से ग्वालियर की तरफ आने वाली राजधानी और भोपाल की तरफ जाने वाली शताब्दी एक्सप्रेस धौलपुर स्टेशन पर ही खड़ी है। बीजेपी की जन आशीर्वाद यात्रा में शामिल होने के लिए ग्वालियर आ रहे बीजेपी सांसद और भोजपुरी फ़िल्म स्टार मनोज तिवारी भी घंटों से शताब्दी एक्सप्रेस में धौलपुर में अटके हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि रेलवे ट्रैक में यह दिक्कत बरिश के कारण हुई है। दरअसल बीती रात हुई तेज़ बारिश से पानी का बहाव होने से चम्बल नदी के आसपास हेतमपुर रेलवे स्टेशन के आसपास पटरियों के नीचे से मिट्टी बह गई है। जैसे ही रेल विभाग को इसकी सूचना मिली दिल्ली की तरफ से आने वाले अप ट्रैक का ट्रैफिक तत्काल रोक दिया गया। सुबह-सुबह दिल्ली के तरफ से महत्वपूर्ण ट्रेन आतीं हैं। ट्रैक में दिक्कत की सूचना मिलते ही पहले राजधानी और फिर भोपाल जाने वाली शताब्दी एक्सप्रेस को तत्काल धौलपुर रेलवे स्टेशन पर ही होल्ट करवा दिया गया। उधर, ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर भी यात्रियों की भीड़भाड़ है, क्योंकि यहां से शताब्दी से बड़ी संख्या में यात्री भोपाल और झांसी जाते हैं। अब वे यहां बेचैन हैं।

'पति के अवैध संबंधों को नहीं माना जा सकता दहेज के लिए हत्या की वजह': दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने दहेज हत्या से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी पति का विवाहेतर संबंध या उसकी सट्टेबाजी की आदत, उसके ऊपर दहेज हत्या का केस चलाए जाने का आधार नहीं बन सकती। यह केस दिल्ली के एक शख्स से जुड़ा था। उसने अपने खिलाफ आईपीसी की धारा 304बी (दहेज हत्या) और 34 के तहत केस दर्ज होने के बाद जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस विकास महाजन की सिंगल जज बेंच ने ये फैसला सुनाया। खबर के मुताबिक, इस शख्स की शादी साल 2020 में हुई थी। शादी के कुछ समय बाद पत्नी को मालूम हुआ कि पति के दूसरी महिला से अवैध संबंध हैं। यही नहीं उसे सट्टेबाजी की भी आदत है। इन वजहों से दोनों के बीच झगड़ा बढ़ने लगा। कुछ दिन बाद पत्नी ने पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कराते हुए तलाक की अर्जी डाल दी। मुकदमा दायर करने के बाद तनाव और बढ़ा तो पत्नी ने अगस्त 2022 में अपनी जान दे दी थी। इसके बाद महिला के पिता ने उस शख्स पर दहेज हत्या का भी केस दर्ज करा दिया। परेशान पति जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंचा और अदालत को बताया कि आपसी कलह के चलते वह और उसकी पत्नी अप्रैल 2021 से ही अलग रह रहे थे। उसकी पत्नी एंजाइटी और डिप्रेशन से पीड़ित थी। मेडिकल डॉक्युमेंट देखने के बाद अदालत ने माना कि महिला का इलाज चल रहा था। जस्टिस विकास महाजन ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, 'मेडिकल डॉक्युमेंट्स देखने के बाद प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि महिला एंजाइटी और डिप्रेशन का इलाज करा रही थी। इलाज करने वाले डॉक्टर को उन्होंने बताया था कि दहेज का मांग का उनके तनाव या डिप्रेशन से कोई संबंध नहीं है।'

जज ने साफ की पूरी स्थिति

जज ने आईपीसी की धारा 304बी को विस्तार से समझाते हुए कहा कि दहेज हत्या के मामले में किसी महिला का उत्पीड़न उसकी मौत से ठीक पहले होना चाहिए और दहेज की मांग से जुड़ा होना चाहिए। मौत से ठीक पहले का तनाव, मौत से जुड़ा होता है। समय का अंतर, अलग-अलग केस में अलग हो सकता है। लेकिन यह जरूरी है कि दहेज की मांग पुरानी नहीं होनी चाहिए।

पत्नी नहीं मान रहा सौरभ', पहले शेख हसीना और अब पीएम मोदी को बांग्लादेशी सोनिया की अर्जी

नोएडा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पति सौरभ कांत तिवारी की तलाश में बांग्लादेश से नोएडा पहुंची सोनिया अख्तर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से न्याय की गुहार लगाई है। इससे पहले सोनिया ने बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना को पत्र लिखा था। लेकिन वहां से कोई राहत तो नहीं दी, लेकिन सोनिया को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गुहार लगाने की सलाह दी थी। इसके बाद सोनिया ने जी-20 बैठक के बीच पीएम मोदी के सामने अर्जी लगाई है। यह जानकारी सोनिया के वकील एपी सिंह ने दी। सोनिया के वकील एपी सिंह ने बताया कि जी-20 की बैठक में बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना भी शामिल हो रही हैं। सोनिया ने भारतीय उच्चायोग के जरिए अपनी समस्या को लेकर उनसे गुहार लगाई थी, लेकिन उन्होंने सोनिया को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की सलाह दी है। इसके बाद उन्होंने सोनिया की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है। इसमें सोनिया का सारा दर्द बयां करते हुए न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।इसमें उन्होंने सोनिया के

पति सौरभ कांत के खिलाफ विधिक कार्रवाई का आग्रह किया है। बता दें कि मूल रूप से अलवर राजस्थान के रहने वाले सौरभ कांत तिवारी यहां ग्रेटर नोएडा में रहकर किसी कंपनी में नौकरी करते हैं। बांग्लादेशी सोनिया का दावा है कि कुछ समय पहले सौरभ कांत कंपनी के ही काम से बांग्लादेश गए थे। उसी दौरान उसका सौरभ कांत से प्यार हो गया और फिर सौरभ कांत ने हिन्दू धर्म छोड़ कर इस्लाम अपनाते हुए उससे एक मस्जिद में निकाह कर लिया था। इतने में कंपनी ने उसे वापस बुला लिया तो वह उसे छोड़ कर इंडिया आ गया।

आधी रात बंगाल के गवर्नर ने राज्य और केंद्र सरकार को लिखी गोपनीय चिट्ठी, क्या शिक्षा मंत्री के बयान पर लिया एक्शन?

कोलकाता, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु द्वारा राज्य में उच्च शिक्षा प्रणाली को बर्बाद करने और विश्वविद्यालयों में कठपुतली शासन चलाने का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद राज्यपाल सी। वी। आनंद बोस ने मध्यरात्रि में बड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। राजभवन के एक अधिकारी ने कहा कि राज्यपाल आनंद बोस ने दो गोपनीय सीलबंद पत्रों पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि एक पत्र राज्य सचिवालय नबन्ना और दूसरा केंद्र सरकार के लिए है। ये पत्र किस संबंध में हैं, इसे लेकर फिलहाल अधिकारी ने कुछ नहीं बताया और कहा कि इसका खुलासा बाद में किया जाएगा। अधिकारी ने कहा, 'राज्यपाल ने आज (शनिवार) रात दो गोपनीय पत्रों पर हस्ताक्षर किए, एक पत्र नबन्ना के लिए है और दूसरा दिल्ली के लिए।' अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'आपको पत्रों के विषय के बारे में बाद में पता चलेगा।' अधिकारी ने संकेत दिया कि यह विषय राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच हालिया जुबानी जंग पर हो सकता है। आनंद बोस ने राजभवन में मुख्य सचिव एचके द्विवेदी के साथ विस्तृत बैठक करने के कुछ घंटे बाद पत्रों पर हस्ताक्षर किए। हालांकि, राज्य सरकार या राजभवन ने बैठक के विषय का खुलासा नहीं किया। इससे पहले, दिन में बोस ने आधी रात को बहुत बड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। बोस ने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, 'आज आधी रात का इंतजार करें। आप देखेंगे कि कार्रवाई क्या होती है।' कुछ ही मिनटों में शिक्षा मंत्री ब्रत्स बसु ने राज्यपाल का नाम लिए बिना उन्हें शहर में नया वैंपायर कहकर उनका मजाक उड़ाया और लोगों को उनसे सावधान रहने की सलाह दी। बसु ने एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा, 'आधी रात तक देखें, कार्रवाई देखें। सावधान! सावधान! सावधान! शहर में नया वैंपायर! नागरिकगण कृपया अपना ध्यान रखें। भारतीय पौराणिक कथाओं के अनुसार, राक्षस प्रहार का बेसब्री से इंतजार है!' विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार और राजभवन के बीच जारी जुबानी जंग के बीच बसु ने शुक्रवार को राज्यपाल पर राज्य में उच्च शिक्षा प्रणाली को बर्बाद करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। मंत्री ने राज्य सरकार द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति (राज्यपाल) पर विश्वविद्यालयों में कठपुतली शासन चलाने और रजिस्ट्रारों को उच्च शिक्षा विभाग के साथ बैठक नहीं करने की धमकी देने का भी आरोप लगाया था।

सनातन धर्म पर घिरे एमके स्टालिन ने भारत नाम के विवाद पर कहा- 'इंडिया, इंडिया ही रहेगा'

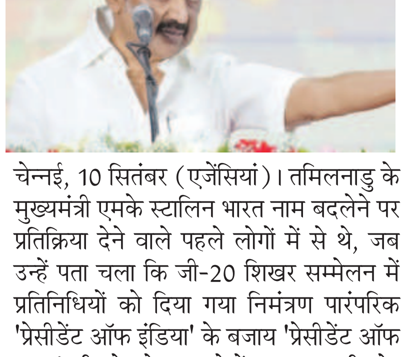

चेन्नई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भारत नाम बदलेने पर प्रतिक्रिया देने वाले पहले लोगों में से थे, जब उन्हें पता चला कि जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रतिनिधियों को दिया गया निमंत्रण पारंपरिक 'प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया' के बजाय 'प्रेसीडेंट ऑफ भारत' की ओर से था। इसे केंद्र सरकार की ओर से देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत करने का कदम माना गया। स्टालिन ने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद से पिछले नौ वर्षों में, देश के प्रति नरेंद्र मोदी सरकार का एकमात्र योगदान शायद नाम को इंडिया से बदलकर भारत करने का विचार है। तमिलनाडु पर शासन कर रही डीएमके कई मुद्दों पर बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ टकराव की स्थिति में है। स्टालिन ने सोशल मीडिया पर यह भी कहा कि विपक्षी गुट ने अपने गठबंधन का नाम 'इंडिया' रखा है और इस नाम ने बीजेपी को परेशान कर दिया है, इसके कारण वह देश का नाम बदलने पर विचार कर रही है। एक माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर एक पोस्ट में स्टालिन ने कहा, "ऐसा लगता है कि बीजेपी इंडिया नामक एक शब्द से परेशान है। वे विपक्ष के भीतर एकता की ताकत को पहचानते हैं। चुनाव के दौरान इंडिया बीजेपी को सत्ता से बाहर कर देगी। इंडिया, इंडिया ही रहेगा' डीएमके के उप महासचिव और थूथुकुडी से सांसद कनिमोझी करुणानिधि, जो मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की बहन भी हैं ने कहा कि आरएसएस पूरे देश के लिए एजेंडा तय कर रहा है। उन्होंने कहा कि 'गवर्नमेंट ऑफ इंडिया' के बजाय 'गवर्नमेंट ऑफ भारत' का उपयोग अभूतपूर्व था और इस तरह के राजनीतिक कदम का कोई कारण नहीं था। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार आरएसएस और उसके प्रमुख मोहन भागवत के कहे का पालन कर रही है और जी20 प्रतिनिधियों को निमंत्रण इसका स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि आरएसएस प्रमुख ने पहले कहा था कि इंडिया का नाम बदलना होगा और सरकार उसका अनुसरण कर रही है। डीएमके इंडिया से नाम बदलकर भारत करने के सरकार के कदम को भुनाने की कोशिश कर रही है और राज्य भर में जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। उसका कहना है कि बीजेपी आरएसएस के एजेंडे के मुताबिक आगे बढ़ रही है। कनिमोझी का यह बयान कि आरएसएस देश के लिए एजेंडा तय कर रहा है, इस बात का स्पष्ट संकेत है कि डीएमके तमिलनाडु में अपने अभियान को कैसे आगे बढ़ाएगा। तमिलनाडु की सभी 39 लोकसभा सीटें जीतने की उम्मीद करने वाली एक राजनीतिक पार्टी के रूप में, डीएमके केंद्र में बीजेपी सरकार के खिलाफ आक्रामक रूप से आगे बढ़ेगी। नाम बदलकर भारत करने का सरकार का कदम डीएमके के एजेंडे में होगा।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 11 सितंबर- 2023

उपचुनाव में हिसाब बराबर

पांच सितंबर को छह राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए। देखा जाए तो विपक्ष के नए गठबंधन की यह पहली परीक्षा थी। क्योंकि उसके गठन के बाद ये पहले उपचुनाव थे। एनडीए और इंडिया या ये कहें कि भाजपा और इंडिया के बीच मुक़ाबला लगभग बराबरी का ही रहा। इन सात में से तीन सीटें भाजपा की थीं। उसे तीन पर ही जीत मिली जबकि इंडिया ने चार सीटों पर जीत दर्ज की। हालाँकि भाजपा ने पश्चिम बंगाल की एक सीट गंवा दी लेकिन इसके बदले उसने त्रिपुरा की एक सीट सीपीआई एम से छीनकर हिसाब बराबर कर लिया। हो सकता है सात में से चार सीट जीतकर इंडिया यानी विपक्षी गठबंधन ख़ुश हो जाए लेकिन उसके लिए इसमें प्लस कुछ भी नहीं है। तसल्ली ये हो सकती है कि सीटें कम नहीं हुईं। बताना जरूरी है कि इंडिया अलायंस सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए बना है। इसलिए विपक्षी गठबंधन को ज़्यादा खुश होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि विधानसभा और लोकसभा चुनावों में बड़ा अंतर होता है। फिर ये तो विधानसभा के उपचुनाव थे जिनमें एकतरफ़ा हवा कोई होती नहीं। सरकार बनने या गिरने का कोई कारण भी इनमें निहित नहीं होता। बहरहाल, उत्तर के झारखंड, यूपी और उत्तराखंड से लेकर पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और दक्षिण के केरल तक की सीटों पर मुकाबला हुआ। ये उपचुनाव पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों और फिर लोकसभा चुनावों से ठीक पहले हुए थे। बता दें कि केरल (पुतुपल्ली) में बीजेपी मुकाबले में ही नहीं थी। वहां टक्कर कांग्रेस की अगुआई वाली यूडीएफ और एलडीएफ के बीच था जिसमें कांग्रेस-यूडीएफ ने बाजी मार ली। ऐसे देखें तो स्कोरकार्ड तीन-तीन का बनता है। त्रिपुरा की दोनों सीटों पर बीजेपी की भारी जीत बताती है कि वहां लेफ्ट पार्टियों के लिए आगे की राह अब आसान नहीं है। यह बात अलग है कि लेफ्ट पार्टियों ने वहां चुनावी धांधली के आरोप लगाते हुए मतगणना का बहिष्कार कर रखा था। इस बारे में जब तक जांच से कुछ स्थापित नहीं होता, तब तक सिर्फ आरोप के बिना पर कोई नतीजा नहीं निकाला जा सकता। पश्चिम बंगाल (धुपगुड़ी) में विपक्ष का कोई साझा उम्मीदवार नहीं था। तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी के अलावा वहां लेफ्ट पार्टियों का भी एक प्रत्याशी था, जिसे कांग्रेस ने समर्थन दिया था। जीत तृणमूल कांग्रेस को मिली और निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजेपी का रहा। बीजेपी इस बात से खुश हो सकती थी कि वहां तृणमूल के मुकाबले में वही है और उसने कांग्रेस व लेफ्ट को पीछे धकेल दिया है। अब लोकसभा चुनावों के लिहाज से लेफ्ट दल, कांग्रेस और तृणमूल- सभी एक ही पाले में खड़े नजर आ रहे हैं तो बीजेपी के लिए यह दिलासा काफी नहीं होगा। फिर भी अगर गठबंधन के नजरिए से देखें तो झारखंड की डुमरी और यूपी की घोसी, ये दोनों सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण सीटें कही जाएंगी। डुमरी में झारखंड मुक्ति मोर्चा का मुकाबला ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन से था लेकिन जेएमएम प्रत्याशी को गठबंधन का समर्थन हासिल था। घोसी की अहमियत इस बात में थी कि वहां समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के खिलाफ विपक्षी खेमे के किसी भी दल ने उम्मीदवार खड़ा नहीं किया था। ऐसे में झारखंड के डुमरी में जेएमएम और यूपी के घोसी में समाजवादी पार्टी की जीत के खास मायने हो जाते हैं।

अंतरिक्ष की खोज व मानवता का भविष्य ?

रघु ठाकुर

24 अगस्त को इसरो ने चन्द्रयान-3 को चाँद पर उतार दिया और महत्वपूर्ण यह है कि इस बार चन्द्रयान-3 चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर उतारा, जहाँ पहली बार कोई यान पहुंचा है। वैसे तो दुनिया के अनेक देशों के यान चंद्रमा पर पहले भी पहुंचते रहे हैं, 1969 में नील आर्मस्ट्रांग पहली बार चाँद पर उतरे थे जो अमेरिकी अंतरिक्ष ऐजेन्सी नासा के द्वारा भेजा गया था। उसके बाद लगभग 11 अन्य लोग भी चाँद पर पहुंचे हैं जिनमें रूसी भी शामिल हैं। हालांकि चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर उतरने वाला पहला यान भारतीय है। इस क्षेत्र में यान को उतारना कठिन कार्य था क्योंकि साऊथ पोल के इलाके में काफी गड्ढे है और जिनमें सेफ लेंडिंग बहुत कठिन होता है। निसंदेह यह सफलता इसरो के वैज्ञानिकों की है और जो बधाई के पात्र है। भारत का पहला सैटेलाईट आर्यभट्ट के नाम से अंतरिक्ष में भेजा गया था और तभी से इस पर काम हो रहा था। आज वे दोनों महान वैज्ञानिक विक्रम सारा भाई और पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम हमारे बीच नहीं है जिन्होंने इसरो को बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। विक्रम साराभाई ने तो मात्र 1 रूपये प्रतिमाह के प्रतीकात्मक वेतन पर अनेकों वर्ष तक कार्य किया था, क्योंकि उस समय इसरों को शुरू करने की इबारत विक्रम सारा भाई लिख रहे थे। इसरो चीफ एस. सोमनाथ पूर्व चेयरमेन चन्द्रयान-2 का नेतृत्व करने वाले वैज्ञानिक के. शिवन और इनके सभी सहयोगी बधाई के पात्र हैं क्योंकि इस घटना ने विज्ञान के क्षेत्र एवं पूरी दुनिया में भारत को नई ऊँचाई दी है। मैं श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री को इसके लिये बधाई दूँगा कि उन्होंने इसरो के वैज्ञानिकों को कभी भी निराश नहीं होने दिया। कुछ लोग चन्द्रयान-3 की सफल लेंडिंग को राजनैतिक चश्मे से भी देखते हैं और बताते हैं कि, इसरो की स्थापना प्रथम प्रधानमंत्री स्व. जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में हुई थी। यह सही भी है तथा उन्हें भी इस समय याद करना सामयिक है परन्तु उनके नाम से नेहरू बनाम मोदी की प्रतिस्पर्धा खड़ी करना, यह उचित नहीं है। मैं श्री मोदी जी को इसलिये भी बधाई देता हूँ कि उन्होंने ब्रिक्स समिट से लौटकर सीधे इसरो का रास्ता पकड़ा और वैज्ञानिकों से मिलकर न केवल उन्हें बधाई दी बल्कि उनका एक अर्थ में उत्साह वर्धन भी किया तथा वर्ष 2019 में जब चन्द्रयान-2 की सफल लेंडिंग नहीं हो पाई थी और तत्कालीन चैयरमेन श्री शिवन के अक्षूपूरित चित्र अखबारों में छपे थे, तब भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने व्यक्तिगत रूप से इसरो के वैज्ञानिकों को जाकर प्रोत्साहित किया था और चन्द्रयान-2 की असफलता से निराश नहीं होने की सलाह दी थी। भारत सरकार अंतरिक्ष क्षेत्र के लिये बजट आवंटन में भी लगातार वृद्धि करती रही है और पिछले पाँच वर्षों में लगभग 67 प्रतिशत बजट की वृद्धि हुई है। 2016-17 में जो बजट 7500 करोड़ का था वह अब 12500 करोड़ का है। पिछले वर्ष चंद्रयान मिशन की असफलता के बाद तो सरकार ने बजट को बढ़ाकर 13700 करोड़ कर दिया था जिससे इसरो के वैज्ञानिकों को बहुत प्रोत्साहन मिला था। अब दुनिया में अंतरिक्ष विज्ञान में और अंतरिक्ष इकोनोमी में भारत को एक विशेष महत्व मिला है। तथा यह चन्द्रमा का अभियान और अंतरिक्ष की खोज का अभियान अब और आगे बढ़ेगा। यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद से रूस की भूमिका अंतरिक्ष अभियानों में बहुत सिकुड़ी है और कुछ अर्थों में चीन भी इसमें बहुत पीछे है। याने भारत का मुकाबला अमेरिका के नासा से है और यह भी एक सुविदित तथ्य है कि नासा में काम करने वाले विशेषतः महत्वपूण पदों पर काम करने वाले काफी वैज्ञानिक भारतीय या भारतीय मूल के है। जिनकी योग्यता व क्षमता से नासा प्रथम स्थान पर है। स्पेस इकोनॉकी भी अब तेजी से बढ़ेगी और अनुमान यह है कि जो स्पेस इकोनोमी अभी 46400/- करोड़ रूपया की है वह 2040 तक बढ़कर 8 लाख करोड़ रूपये की हो जायेगी। स्पेस स्टार्टटप भी शुरू हुये हैं और अनेक सम्पन्न लोग व्यक्तिगत स्तर पर भी स्पेस अध्ययन के लिये पैसा खर्च कर रहे हैं। लगभग 30 हज़ार छोटे उपग्रह निजी तौर पर भेजे जाने की योजनायें हैं और 400 निजी कम्पनियां भारत में इनकी सहयोगी हैं तथा 140 निजी स्टार्टटप भी शुरू हुए हैं। हालांकि प्रधानमंत्री जी ने चन्द्रयान-3 की सफलता के बाद जो दो-तीन बातें कहीं है और इसरो के वर्तमान चीफ श्री सोमनाथ ने भी जो कहा है उन्हें अनेक दृष्टिकोण से सोचना व उनका दूरगामी अर्थ समझना होगा :- प्रधानमंत्री जी ने कहा कि पहले कहते थे कि मामा दूर के अब कहेंगे कि चन्दा मामा टूर के श्री सोमनाथ ने कहा कि चांद का साऊथ पोल वैसे तो गड्ढों व गहरी खाई से भरा पड़ा है। लेकिन यहाँ कई तरह के खनिजों का भण्डार होने की संभावना है। दक्षिण पोल चंद्रमा का सबसे मूल्यवान हिस्सा है। प्रधानमंत्री जी ने यह भी संकेत दिया है और इसरो ने भी कि अब मंगल गृह की ओर भी ज्यादा ध्यान दिया जायेगा तथा सूर्य गृह के अध्ययन के लिये अब इसरो काम शुरू करेगा जो कि कर भी दिया है। इसरो के मुखिया श्री सोमनाथ ने अपने एक बयान में यह भी कहा कि हमारे वेदों में अंतरिक्ष विज्ञान के सूत्र मिल जाते हैं। हालांकि उन्होंने किसी वेद या रिचा का या किसी शास्त्र के नाम का कोई अलग से उल्लेख नहीं किया। वैसे भी हमारे देश में एक हिस्सा ऐसा है जो विज्ञान के हर कदम को अपने पुराने शास्त्रों व ग्रन्थों में होना बताता है। इन शास्त्रों व वेदों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर मेरा विशेष अध्ययन नहीं है। अतः इस पर कोई टिप्पणी मैं अधिकारिक तौर पर नहीं कर सकता। परन्तु एक बात अवश्य विचारणीय है कि जब अंतरिक्ष विज्ञान के और अन्य परमाणु शस्त्रों के सारे सूत्र वेदों व शास्त्रों में मंत्रबद्ध थे तो 3 हज़ार वर्ष या इससे अधिक से तो ये महाज्ञानी सज्ज अभी तक चुप क्यों थे और उन मंत्र या सूत्रों का प्रयोग पहले ही क्यों नहीं किया? 1964 में इसरो की स्थापना हुई थी जिस पर अभी तक लगभग 70 हज़ार करोड़ रूपया खर्च हो चुका है, तब इसकी आवश्यकता ही नहीं पड़ती। पिछले बार चन्द्रयान-2 जो असफल हुआ वह भी असफल नहीं होता और आज शायद दुनिया में सभी अंतरिक्षों के ऊपर भारत का झंडा फहरा रहा होता। हमें स्पेस साइंस यानि अंतरिक्ष विज्ञान आदि तकनीक को विदेशों से नहीं लेना पड़ता और इसरो तो दूर शायद नासा की भी जरूरत नहीं पड़ती।

क्योंकि भारत के वैदिक मंत्रों या शास्त्रों में वर्णित सूत्रों से हम लोग कब के सभी गृहों पर पहुंच चुके होते। मेरी समझ में विज्ञान एक निरंतर खोज का विषय है और इसे केवल अतीत या शास्त्रों के ज्ञान के भीतर खोजना या उसका दावा करना तर्क संगत नहीं है। यह भी दुनिया से समाचार आ रहे हैं कि मून मिशन पर अब दुनिया अधिक काम करेगी क्योंकि मंगल गृह मानव को रहने के लिये ज्यादा उपयुक्त है। यह भी कहा जा रहा है कि मंगल गृह के लिये अन्य जरूरतों की पूर्ति चन्द्रमा के माध्यम से हो सकेगी। और ऐसे भी संकेत मिल रहे हैं कि दुनिया के ताकतवर और विज्ञान में अग्रणी देश इन ग्रहों का इस्तेमाल मानव की रिहाइश के लिये और अपने हथियारों के अड्डे बनाने के लिये करने का प्रयास करेंगे। मैं नहीं जानता हूँ कि इसमें कितनी सफलता मिलेगी? परंतु अंतरिक्ष व ग्रहों की खोज अगर इन भावनाओं व उद्देश्यों से की जा रही है तो यह मानवता के लिये बहुत खतरनाक हो सकता है। अगर बढ़ती आबादी की जरूरतों की पूर्ति के लिये दुनिया अंतरिक्ष व ग्रहों का प्रयोग करेगी तो ये ग्रह या अंतरिक्ष कितने समय तक इसकी पूर्ति कर सकेंगे? अगर युद्ध और शक्ति के लिये या दुनिया पर नियंत्रण के लिये इन ग्रहों का प्रयोग होगा तो क्या यह दुनिया बच सकेगी और ग्रह बच सकेंगे? विकास के यह नये चरण कहीं दुनिया के विनाश का कारण तो नहीं बन जायेगे।

संसद के सत्र पर इतना रहस्य क्यों ? क्या सोच रहे हैं मोदी ?

श्रवण गर्ग

अठारह से 22 सितंबर तक आहूत किए गए संसद के विशेष सत्र को प्रधानमंत्री द्वारा उनके दूसरे कार्यकाल के अंतिम पंद्रह अगस्त पर लाल क़िले से अत्यंत विश्वासपूर्वक की गई घोषणा के साथ जोड़कर देखा जाए तो भाजपा के कार्यकर्ताओं को कोई आपत्ति नहीं होना चाहिए। मोदी ने कहा था अगले साल भी लाल क़िले से तिरंगा वे ही फहराएँगे । लाल क़िले से जी-20 तक का घटनाक्रम इसी ओर इशारा करता है कि चुनाव चाहे जब भी हों प्रधानमंत्री तो मोदी ही रहने वाले हैं। यानी विपक्षी गठबंधन इंडिया चाहे जो कर ले। प्रधानमंत्री रहस्य की परतों के बीच जीते और शासन चलाते हैं। कहा जाता है कि अपने इर्द-गिर्द जो आभामंडल वे बनाए रखते हैं उसकी परतों के पार कोई झांक नहीं पाता, उनके सबसे नज़दीक माने जाने वाले सहयोगी भी नहीं !

वाराणसी में भगवान विश्वनाथ के कॉरिडोर के भव्य लोकार्पण समारोह के छाया चित्रों को गूगल पर खोजिए। 13 दिसंबर 2021 को रेवती नक्षत्र में दिन के 1.37 बजे से 1.57 तक के शुभ मुहूर्त में कॉरिडोर के लोकार्पण से पूर्व जब उन्होंने गंगा माता में डुबकी लगाकर उसकी पूजा की तब भी वे ऊपर से नीचे तक भगवा वस्त्रों से आच्छादित थे। वाराणसी से नामांकन भरते समय 'न मैं आया, न मुझे भेजा गया, मुझे तो माँ गंगा ने बुलाया है' का उच्चार करने वाले चुनाव-प्रत्याशी नरेंद्र मोदी गंगा माँ की गोद में भी प्रधानमंत्री ही बने रहते हैं और तब भी जब वे फोटोग्राफरों की टीम की मौजूदगी में गांधीनगर में माँ (स्व) हीराबेन से भेंट और उनके साथ भोजन करते थे। पूछा जा सकता है कि संसद के विशेष सत्र की कार्यसूची प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व की तरह ही पहरों में क्यों है ? प्रधानमंत्री कार्यालय या लोकसभा सचिवालय विज्ञापनों के ज़रिए उसे अख़बारों में उस तरह क्यों नहीं प्रकाशित करवा देता जिस तरह प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्राप्त हुई।उपलब्धियों की गाथाएँ जनता के पैसों से छपवा कर जनता के बीच ही प्रसारित की जातीं हैं ? पीएमओ या लोकसभा सचिवालय ऐसा नहीं करेगा ! कांग्रेस की चेयरपर्सन सोनिया गांधी चाहें तो इस सिलसिले में एक और चिट्ठी प्रधानमंत्री को लिखकर विशेष सत्र के एजेंडे पर अपनी और विपक्ष की चिंताएँ व्यक्त कर सकतीं हैं।'स्वतंत्रता दिवस' के दिन लाल क़िले से की गई प्रधानमंत्री की घोषणा को सुनने वालों में कई विदेशी राजनयिक भी थे। निश्चित ही दुनिया भर के इन राजनयिकों ने प्रधानमंत्री के उद्बोधन का सार चेतावनियों के साथ अपने-अपने शासनाध्यक्षों को लाल क़िले के परिसर से ही स्मार्ट फ़ोनों के ज़रिए भिजवा दिया होगा। सवाल यह है कि ऐसा दावा कि अगले साल भी तिरंगा झंडा वे ही फहराएँगे प्रधानमंत्री ने अपने प्रथम कार्यकाल के अंतिम पंद्रह अगस्त (2018) के उद्बोधन में क्यों नहीं किया था ? दूसरे कार्यकाल के अंतिम पंद्रह अगस्त को ही क्यों किया ? क्या विशेष सत्र के रहस्यमय एजेंडे में ही सारे सवालों के जवाब छुपे हुए हैं ? या इन सच्चाइयों से भी कुछ अनुमान लगाए जा सकते हैं कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पार्टी न सिर्फ़ एक के बाद एक विधानसभा चुनाव हार रही है ,उपचुनावों में भी उसकी पराजय हो रही है। छह राज्यों की सात सीटों के लिए हुए उपचुनावों में सबसे महत्वपूर्ण नतीजा प्रधानमंत्री के चुनाव क्षेत्र वाराणसी के निकट स्थित घोसी का है जहां मुख्यमंत्री योगी द्वारा हर संभव ताक़त और संसाधनों का इस्तेमाल किए जाने के बावजूद भाजपा भारी मतों से हार गई। यूपी की अस्सी लोकसभा सीटें तो भाजपा के लिए सत्ता की रीढ़ हैं ! उन पर आगे क्या होने वाला है ? क्या मान लिया जाए कि घोसी में पराजय से सत्ता की रीढ़ यूपी के भी चटकने की शुरुआत हो चुकी है और संघ के मुखपत्र 'पाँचजन्य' की तरह भाजपा को लग गया है कि सिर्फ़ मोदी की छवि और हिंदुत्व के बल पर ही पार्टी फिर सत्ता में नहीं आ पाएगी ? ज़ाहिर है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे द्वारा (दो सितंबर को) थमाया गया सनातन धर्म पर हमले का मुद्दा घोसी के लिए हुए मतदान (पाँच सितंबर) में भाजपा के काम नहीं आया ! आख़िरी सवाल यह कि लोकसभा चुनावों में हार की आशंकाओं के चलते प्रधानमंत्री अगर किन्हीं कमज़ोर क्षणों में सत्ता का मोह त्याग केदारनाथ की उस चर्चित गुफा में ध्यान लगाने का मन बना लें जहां वे 18 मई 2018 को फ़ोटोग्राफ़रों की टीम के साथ पहुँचे थे तो क्या ऐसा कर पाएँगे ? शायद नहीं ! निहित स्वार्थों की भक्त मंडली ने उनकी आँखों में भारत को दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक ताक़त (लोकतंत्र नहीं ?) बनाने का ऐसा काजल रोप दिया है कि वह उन्हें ऐसा कुछ नहीं करने देगा। चाटुकार उद्योगपतियों का समूह वर्तमान हुकूमत को बचाने के लिए अपना सर्वस्व दाव पर लगा देगा। यह समूह बारीकी से नोंद ले रहा है कि राहुल गांधी उसके ख़िलाफ़ संसद और विदेशों यात्राओं (हाल में ब्रुसेल्स) में किस तरह के भाषण दे रहे हैं ! प्रधानमंत्री ने सत्ता को अपने लिए काम के नशे में तब्दील कर लिया है।

जैसा गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं :'नरेंद्र भाई पिछले नौ सालों से बिना एक दिन की भी छुट्टी लिए रोज़ाना सत्रह घंटे काम करते हैं।' अतः समझा जा सकता है कि जो व्यक्ति अपने लंबे राजनीतिक जीवन में एक दिन के लिए भी विपक्ष में नहीं बैठा हो वह एक दिन के लिए भी सत्ता से बाहर कैसे रह सकता है ! संसद के विशेष सत्र का एजेंडा देश की नज़रों से दूर रहस्य की परतों में छुपा है। पीएमओ के अलावा कोई अन्य दावे से नहीं कह सकता कि 18 से 22 के बीच क्या होने वाला है ! 'मोदी हैं तो मुमकिन है' की तर्ज़ पर सोचा जाए तो सब कुछ संभव है ! मतलब कुछ भी हो सकता है। प्रधानमंत्री के अब तक के (गुजरात और दिल्ली के) बाईस सालों के कार्यकाल को ध्यान में लाएँ तो मोदी ने कभी चिंता ही नहीं की कि उनके फ़ैसलों से जनता की ज़िंदगी पर क्या असर पड़ सकता है ! उनकी नज़रें हमेशा विपक्षी दलों की ज़िंदगी पर पड़ सकने वाले असर पर ही केंद्रित रहीं ! आठ नवंबर 2016 की रात आठ बजे अचानक से घोषित की गई नोटबंदी और उसके चार साल बाद 24 मार्च 2020 को कोरोना महामारी के दौरान घोषित किए गए 21 दिनों के 'लॉक डाउन' सहित तमाम आकस्मिक घोषणाओं के पहले और बाद के देश की कल्पना करें तो तस्वीर ज़्यादा यादा साफ़ नज़र आने लगेगी। मोदी सिर्फ़ कार्रवाई में यक़ीन करते हैं, परिणाम जनता के भाग्य पर छोड़ देते हैं। क्या संसद के विशेष सत्र के दौरान या उसके बाद कुछ ऐसा चमत्कार नहीं हो सकता कि किसी आकस्मिक परिवर्तन के ज़रिए निर्धारित समय पर चुनाव कराए बग़ैर भी लाल क़िले से अगले साल झंडा फहराने (या बाद)तक मोदी ही देश के मुखिया बने रहें ? विशेष सत्र की उलटी गिनती गिनना शुरू कर दीजिए। इस सोमवार को ग्यारह सितंबर है और अगले को अठारह सितंबर।

http://shravangarg1717.blogspot.com

सदैव स्मरणीय रहेगा स्वामी विवेकानंद का शिकागो में दिया भाषण

योगेश कुमार गोयल

युवाओं के प्रेरणास्रोत तथा आदर्श व्यक्तित्व के धनी माने जाते रहे स्वामी विवेकानंद को उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। सही मायनों में वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे। विशेषकर भारतीय युवाओं के लिए तो भारतीय नवजागरण का अग्रदूत उनसे बढ़कर अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। कोलकाता में 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में समूचे विश्व को अपने अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिनकी ओजस्वी वाणी सदैव युवाओं के लिये प्रेरणास्रोत बनी रही। उन्होंने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए सदैव युवा शक्ति पर भरोसा किया। दरअसल युवा वर्ग से उन्हें बहुत उम्मीदें थी। स्वामी विवेकानंद ने 11 सितम्बर 1893 को शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत 'मेरे अमेरिकी भाईयों और बहनों' के साथ की तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। स्वामी विवेकानंद की चर्चा जब भी होती है तो अमेरिका के शिकागो की धर्म संसद में वर्ष 1893 में दिए गए उनके उस ओजस्वी भाषण की चर्चा अवश्य होती है। उसी ओजस्वी भाषण को यादगार बनाए रखने और युवाओं को उस भाषण के जरिये ऊर्जावान बनाए रखने के लिए ही प्रतिवर्ष 11 सितम्बर का दिन 'शिकागो वक्तृता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। युवाओं की अहम भावना को खत्म करने के उद्देश्य से ही स्वामी विवेकानंद ने अपने एक भाषण में कहा था कि यदि तुम स्वयं ही नेता के रूप में खड़े हो जाओगे तो तुम्हें सहायता देने के लिए कोई आगे नहीं बढ़ेगा। इसलिए यदि सफल होना चाहते हो तो सबसे पहले अपने अहम् का नाश कर डालो। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए स्वामी विवेकानंद ने अनेक मूलमंत्र दिए, जो देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उनका कहना था, ''ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से ही हमारी हैं। वो हम ही हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, आधुनिक पीढ़ी से मेरे कार्यकर्ता आ जाएंगे। डर से भागो मत, डर का सामना करो। यह जीवन अल्पकालीन है, संसार की विलासिता क्षणिक है लेकिन जो दूसरों के लिए जीते हैं, वे वास्तव में जीते हैं। जो भी कार्य करो, वह पूरी मेहनत के साथ करो। दिन में एक बार खुद से बात अवश्य करो, नहीं तो आप संसार के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति से मिलने से चूक जाओगे। उच्चतम आदर्श को चुनो और उस तक अपना जीवन जीयो। सागर की तरफ देखो, न कि लहरों की तरफ। महसूस करो कि तुम महान हो और तुम महान बन जाओगे। काम, काम, काम, बस यही आपके जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। धन पाने के लिए कड़ा संघर्ष करो पर उससे लगाव मत करो। जो गरीबों में, कमजोरों में और बीमारियों में शिव को देखता है, वो सच में शिव की पूजा करता है। पृथ्वी का आनंद नायकों द्वारा लिया जाता है, यह अमोघ सत्य है, अतः एक नायक बनो और सदैव कहो कि मुझे कोई डर नहीं है। मृत्यु तो निश्चित है, एक अच्छे काम के लिए मरना सबसे बेहतर है। कुछ सच्चे, ईमानदार और ऊर्जावान पुरुष तथा महिलाएं एक वर्ष में एक सदी की भीड़ से अधिक कार्य कर सकते हैं। विश्व एक व्यायामशाला है, जहां हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।''

युवा शक्ति का आव्हान करते हुए स्वामी जी ने एक मंत्र दिया था, 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' अर्थात'उठो, जागो और तब तक मत रूको, जब तक कि मंजिल प्राप्त न हो जाए।' ऐसा अनमोल मूलमंत्र देने वाले स्वामी विवेकानंद ने सदैव अपने क्रांतिकारी और तेजस्वी विचारों से युवा पीढ़ी को ऊर्जावान बनाने, उसमें नई शक्ति एवं चेतना जागृत करने और सकारात्मकता का संचार करने का कार्य किया। उनका कहना था कि अधिकांश लोग तो भेड़ों के झुंड के समान हैं।

भारतीय संस्कृति और संस्कारों को भ्रमित करती पाश्चात्य जीवन शैली

संजीव ठाकुर

अंग्रेजों के आने के पूर्व भारतीय संस्कृति धार्मिक, आध्यात्मिक, परंपरा वादी, भाग्यवादी रही है। अंग्रेजों के भारत आने के बाद और उनके संपर्क में रहने से भारतीय जीवन का स्वरूप काफी हद तक परिवर्तित एवं बदले हुए स्वरूप में आया था । धार्मिकता आध्यात्मिकता तथा त्याग व ममता को व्यापक भौतिकवादी दृष्टिकोण से काफी नुकसान पहुंचा है। पश्चात विचारधारा के संपर्क में आने से परंपराओं के प्रति मोह धीरे-धीरे कम होने लगा एवं नई वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली सोच के कारण भाग्य वाद के प्रति आस्था उत्पन्न होने लगी। इसके अतिरिक्त भारतीय दर्शन के आंतरिक गुणों आदर्श नैतिकता,बुद्धि आदि में भी आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। और इन घटकों पर नवीन शिक्षा पद्धति का व्यापक प्रभाव पड़ा है। अंग्रेज भारत को ऐसा वर्ग विशेष बनाना चाहते थे, जो जन्म और रंग से तो पूर्वी हों, पर अन्य सभी दृष्टिकोण से सब अंग्रेज बने रहें। भारत का उच्च वर्ग या अमीर तबका, राजा, महाराजा,नवाब धीरे-धीरे अंग्रेजी शिक्षा के गुलाम होते चले गए,और पाश्चात्य संस्कृति की ओर झुकते गए। भारतीय संस्कृति को विस्मृत करने में यही उच्च वर्ग या अमीर लोग काफी हद तक जिम्मेदार है। यह लोग अंग्रेजियत की नकल करने लगे,तथा भारतीय समाज धर्म दर्शन में इनकी कोई रूचि अविश्वास नहीं रहने लगा था। और इनकी नकल में इनके मातहत, सिपहसालार भी उसी रंग में डूबने लगे थे। धीरे धीरे पश्चिमी सभ्यता ने भारतीय संस्कृति पर अपना व्यापक प्रभाव डालना शुरू कर दिया था पश्चिमी संस्कृति का वृहद अध्ययन करने वाले भारतीय विद्वानों ने पश्चिम की ओर इस अंधे आकर्षण का खुलकर विरोध भी किया था। इन्हीं विद्वानों ने भारतीय जनमानस को अपनी शक्ति और धर्म में विश्वास करने की प्रेरणा देकर उनका मार्गदर्शन किया था। तत्पश्चात भारतीय शोधकर्ताओं ने पश्चिम सभ्यता तथा उसकी शिक्षा का व्यापक परीक्षण शुरू कर दिया था। और इन्हीं शोधकर्ताओं और विद्वानों की अथक मेहनत से प्राचीन परंपराओं में सर्वश्रेष्ठ का चयन कर एवं पाश्चात्य दर्शन की श्रेष्ठ धारणाओं को मिलाकर एक नए दर्शन को समाज के सामने प्रस्तुत किया था। भारतीय विद्वानों, शोधकर्ताओं एवं विचारकों ने प्राचीन भारतीय कुप्रथा जैसे छुआछूत, पर्दा प्रथा,बहु विवाह, बाल विवाह, देवदासी प्रथा एवं महिला शिक्षा, तथा निरक्षरता के विरोध में अभियान चलाकर सामाजिक चेतना का आह्वान किया था। पर पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर भारतीय समाज में नैतिक विचारों में परिवर्तन की शुरुआत हुई। इस परिवर्तन के साथ भारतीय जनमानस के रहन-सहन खानपान, वेशभूषा,विवाह समारोह, आचार विचार, शिष्टाचार तथा व्यवहार में पाश्चात्य शिक्षा की झलक दिखाई देने लगी। जाति प्रथा के कठोर नियम ढीले पड़ने लगे। बाल विवाह प्रथा में बेहद कमी आने लगी। पश्चात दर्शन ने भारतीय संस्कृति में जीवंत एवं चरित्र को एक नया बदलाव दिया था। पाश्चात्य संस्कृति में धीरे-धीरे भारतीय रहन-सहन रीति-रिवाज प्रथाओं को प्रभावित किया। ड्रेसिंग सेंस, खान पान,बोलने चालने तथा अभिवादन के तरीकों में बड़े परिवर्तन हुए। वेस्टर्न पद्धति से संस्कृति शिक्षा विचारधाराओं ने भारत को दुनिया के राष्ट्रीय जीवन के संपर्क में ला खड़ा किया था। देश के अंदर विभिन्न अलग-अलग विचारधाराओं के समूहों को एक सांस्कृतिक समानता के मंच पर लाकर खड़ा किया। और इसी सांस्कृतिक समानता ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एकता और राष्ट्रीयता की नई मिसाल स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए प्रदान की थी।

प्याज की परतें

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक बार की बात है। नाटकगंज के सब्जी मंडी में पियाजीलाल नाम एक विनम्र प्याज रहता था। पियाजीलाल नाम का यह प्याज कोई साधारण प्याज नहीं था। उसे पूरे राज्य में सबसे भावुक और नाटकीय प्याज के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त थी। एक दिन, पियाजीलाल ने भोजन तैयार कर रहे एक रसोइये को खुद को छीलते हुए पाया। जैसे ही उसकी त्वचा की प्रत्येक परत छिल गई, पियाजीलाल रोने और कराहने के अलावा कुछ नहीं कर पाया। वह रोते हुए कहने लगा - ओह, बहुत दर्द हो रहा है! दुनिया के सामने मेरी सच्चाई उजागर होने की पीड़ा! मेरे काले चिट्ठे पर चढ़ीं सुरक्षा की परतें चली गईं! रसोइये ने नौटंकी कर रहे पियाजीलाल पर से अपनी आँखें घुमाईं और छीलना जारी रखा। हर परत के साथ पियाजीलाल की चीखें तेज़ होती गईं। पियाजीलाल विद्रोही स्वर में कहने लगा, अफसोस, मेरे बाहरी आवरण, मेरे दोस्तों! मैं तुम्हें अलविदा कहता हूँ! मेरा काला चिट्ठा प्रकट हो रहा है, और यह मेरी सहमी हुई आत्मा के लिए सहन करने योग्य नहीं है।पियाजीलाल के नाटकीय प्रदर्शन की बात पूरी रसोई में फैल गई और जल्द ही सभी सब्जियाँ इस तमाशे को देखने के लिए इकट्ठा हो गईं। जब पियाजीलाल अपनी छिली हुई स्थिति पर शोक व्यक्त कर रहा था तब गाजर, आलू और यहां तक कि कटे हुए सलाद के टुकड़े भी उसे विस्मय से देख रहे थे। किंतु, अराजकता के बीच, लल्लू नाम का एक बहादुर छोटा लहसुन हस्तक्षेप करने के अलावा कुछ नहीं कर सका। व्यंग्यपूर्ण लहजे में लल्लू ने कहा, बहुत हुई नौटंकी, कृपया अपना रोना-धोना बंद करो, पियाजीलाल! हम सभी जानते हैं कि छीलना हमारी सब्जियों के जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा है। तुम छीलने वाले न तो पहले प्याज हो और न ही आखिरी। पियाजीलाल ने और भी जोर से सिसकते हुए कहा, लेकिन लल्लू, तुम नहीं समझते! मेरी परतें ही मेरे लिए सब कुछ थीं! अब हर कोई मेरी कमजोरी जैसे कोर को देख सकता है। सोचो अगर क्या होगा कि वे मुझे आंकने लगे? अब हर कोई मेरे बारे में अपने-अपने हिसाब से कुछ न कुछ कहेगा। क्या होगा अगर मैं स्वादिष्ट न निकला तो? मैं अपने को लेकर बहुत संवेदनशील हूँ। लल्लू ने अपनी आँखें फेरीं और उत्तर दिया, ओह, अब बस भी करो! तुम्हारी परतें केवल बाहरी दुनिया से सुरक्षा करती थीं, लेकिन तुम्हारा असली स्वाद और मज़ा उस रसदार, आंसू-प्रेरक परतों में निहित है। अपने स्वभाव को गले लगाओ, पियाजीलाल! यही है गुण तुम्हें सामान्य से अलग करता है। पियाजीलाल ने जैसे तैसे अपने आंसू पोंछे। उसकी नौटंकी धीरे-धीरे थमने लगी।

पुणे के पास सबसे प्रसिद्ध महादेव मंदिर

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग

पुणे से निकटतम महादेव मंदिर भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग पुणे के पास प्राचीन गांव भोजगिरि में स्थित है। यह पुणे शहर से महज साढ़े तीन घंटे की दूरी पर है। यह हिंदू धर्म के 12 प्राथमिक ज्योतिर्लिंगों में से एक है और भौगोलिक रूप से सह्याद्रि पर्वत के घाट क्षेत्र में स्थित है। इस मंदिर का स्थान इसे पुणे के पास घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाता है। भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के बारे में और पढ़ें : पुणे के पास एक भक्ति प्रतीक ।
घूमने का सबसे अच्छा समय: अगस्त से फरवरी
पुणे से दूरी: 106 किमी

कैलासा मंदिर

अब तक बनाई गई एक उत्कृष्ट कृति विश्व प्रसिद्ध कैलाश मंदिर महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित है। यह एलोरा गुफाओं से बहुत अधिक दूर स्थित नहीं है। इतिहासकारों और पुरातत्वविदों के अनुसार, इसे एक ही चट्टान से काटकर बनाया गया था। यहां तक कि आधुनिक तकनीक भी इस तरह के चमत्कार का निर्माण करने में लगभग असमर्थ है। परिसर में कुल 34 मंदिर हैं।

घूमने का सबसे अच्छा समय: दिसंबर से फरवरी
पुणे से दूरी: 260 किमी

त्र्यंबकेश्वर मंदिर, पहाड़ों की गोद में एक मंदिर

यदि आप अपनी यात्रा के दौरान किसी हिल स्टेशन की सुंदरता का आनंद लेते हुए शिव मंदिर के दर्शन करना चाहते हैं तो नासिक के त्र्यंबकेश्वर मंदिर आपके यात्रा कार्यक्रम में अवश्य होना चाहिए। यह मंदिर एक पहाड़ पर स्थित है जो गोदावरी नदी के उद्गम के बहुत करीब है। इस मंदिर का स्थान बहुत सुंदर और मनमोहक है और इस शिवरात्रि पर पुणे से आने के लिए यह सबसे अच्छा है।
घूमने का सबसे अच्छा समय: नवंबर से फरवरी
पुणे से दूरी: 242 किमी

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, एक अत्यंत पूजनीय ज्योतिर्लिंग इस शिवरात्रि पर पुणे के पास देखने के लिए नागेश्वर ज्योतिर्लिंग सबसे अच्छे शिव मंदिरों में से एक है। 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक होने के नाते, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग हिंदू धर्म में अत्यधिक पूजनीय है। नागेश्वर ज्योतिर्लिंग में एक ड्रेस कोड भी है जो आम तौर पर सभी लिंग के लोगों के लिए घुटने की लंबाई से नीचे के कपड़े पहनने के लिए कहता है।

घूमने का सबसे अच्छा समय: अक्टूबर से फरवरी
पुणे से दूरी: 432 किमी
आप इसे भी पसंद कर सकते हैं

इस महा शिवरात्रि 2023 में घूमने के लिए शीर्ष 18 स्थान (अद्यतन)

केदारनाथ यात्रा लागत: केदारनाथ यात्रा के लिए एक संपूर्ण मार्गदर्शिका

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग, एक ऐतिहासिक गौरव

अगर आप पुणे के पास किसी ऐतिहासिक स्थल के पास शिव मंदिर जाने की योजना बना रहे हैं तो घृष्णेश्वर मंदिर आपके लिए सबसे अच्छा है। यह महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित है और बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह अजंता और एलोरा की गुफाओं से केवल 1 किमी दूर है और पुणे के पास आपकी छोटी यात्रा के लिए एक अद्भुत स्थान है। घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग भी महाराष्ट्र राज्य के सबसे प्रतिष्ठित और पवित्र मंदिरों में से एक है। आप महाराष्ट्र के इन 10 सबसे प्रतिष्ठित शिव मंदिरों के माध्यम से आध्यात्मिकता की पूरी नई दुनिया की खोज करना चाह सकते हैं ।

घूमने का सबसे अच्छा समय: जून से अगस्त, नवंबर से फरवरी
पुणे से दूरी: 260 किमी

ओंकारेश्वर मंदिर एवं प्राचीन भील जनजातियाँ

यदि आप अपनी रोजमर्रा की दिनचर्या से ऊब चुके हैं और इस शिवरात्रि पर विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं का पता लगाने की लालसा रखते हैं तो ओंकारेश्वर मंदिर आपकी पहली पसंद होना चाहिए। यह मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में स्थित है जिसे मंधाता के नाम से जाना जाता है। यह सदियों से यहां रहने वाली प्राचीन भील जनजातियों का घर है । यह नर्मदा नदी के किनारे स्थित है।
घूमने का सबसे अच्छा समय: अक्टूबर से मार्च
पुणे से दूरी: 603 किमी

मुरुदेश्वर मंदिर, दूसरी सबसे ऊंची शिव प्रतिमा

अपनी प्राचीन प्राकृतिक सुंदरता और भौगोलिक महत्व के कारण, मुरुदेश्वर मंदिर पुणे के पास घूमने के लिए सबसे अच्छे महादेव मंदिरों में से एक है। विश्व की दूसरी सबसे ऊंची शिव प्रतिमा मुरुदेश्वर मंदिर कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में स्थित है। यह 123 फुट ऊंची प्रतिमा है। 20 मंजिलों वाला, गोपुरा या राजा गोपुरा मंदिर 237 फीट ऊंचा है। शीर्ष तक पहुँचने के लिए सीढ़ियाँ और लिफ्ट उपलब्ध हैं, जिससे भव्य शिव संरचना का अद्भुत दृश्य दिखाई देता है।
घूमने का सबसे अच्छा समय: अक्टूबर से फरवरी पुणे से दूरी: 604 किमी

मृत्यु के देवता, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग

शिप्रा नदी के तट पर, मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग स्थित है। यह 12 सबसे महत्वपूर्ण ज्योतिर्लिंगों में से एक होने के साथ-साथ शक्तिपीठ भी है। अन्य शिवलिंगों के विपरीत, इस मंदिर में शिवलिंग दक्षिण की ओर है जो यमराज (मृत्यु के देवता) की दिशा है।
घूमने का सर्वोत्तम समय: अक्टूबर से मार्च
पुणे से दूरी: 666 किमी

आदियोगी शिव मंदिर, आज तक मौजूद सबसे बड़ी प्रतिमा

यह उत्कृष्ट कृति कोयंबटूर में शिव की एक प्रतिमा है, जिसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में सबसे बड़ी प्रतिमा के रूप में खिताब मिला है। हर साल हजारों पर्यटक कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में आदियोगी शिव मंदिर देखने आते हैं। और पढ़ें!
घूमने का सबसे अच्छा समय: दिसंबर से फरवरी
पुणे से दूरी: 1093 किमी

आने वाली मूवी में बोल्ड हुई भूमि पेडणेकर

शानदार अभिनय से दर्शकों को कायल करने वाली भूमि पेडणेकर आज किसी पहचान की मोहताज नहीं। अपनी पहली फिल्म 'दम लगा के हईशा' में साड़ी पहनी सीधी-सादी मोटी नजर आने वाली भूमि दिन-ब-दिन बोल्ड एंड सैक्सी होती जा रही है।

यकीन न हो तो उसकी आने वाली फिल्म 'थैंक्यू फॉर कमिंग' का नया पोस्टर देख लीजिए, जिसमें वह बैड पर टॉपलैस नजर आ रही है। इसमें भूमि ने केवल सफेद चादर से अपने बदन को ढंका हुआ है। पोस्टर की रिलीज के साथ ही फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है। इस फिल्म का नया बोल्ड पोस्टर और ट्रेलर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इसके साथ ही भूमि के चेहरे के भाव भी काफी शानदार हैं जो उसके फैन्स को अट्रैक्ट कर रहे हैं।

इस पोस्ट को भूमि ने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, ₹जब अंत आरंभ से पहले हो! 'थैंक्यू फॉर कमिंग' को देखना बिल्कुल न भूलें।

बता दें कि फिल्म 'वीरे दी वैडिंग' के बाद रिया कपूर ने एकता कपूर के साथ मिलकर एक और गर्ल गैंग फिल्म' थैंक यू फॉर कमिंग' का निर्माण किया है। इन दोनों फिल्मों की खास बात यह है कि इनमें सैक्सुएलिटी जैसे मुद्दे को उठाया गया है। फिल्म को लेकर एकता कपूर ने कहा कि ऐसी फिल्मों को देखने के लिए दर्शकों का एक खास वर्ग है। फिल्म की कहानी प्यार, दोस्ती और यौन संबंधों के विषयों को आगे बढ़ाने के तरीके पेश करती है। कहानी भूमि के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है। भूमि कहती है, फिल्म में मेरा किरदार एक ऐसी 30 साल की महिला का है, जो अराजकता से भरी जिंदगी से जूझ रही है। इस फिल्म में प्यार, दोस्ती और आनंद को एक अलग नजरिए से पेश किया गया है।

केजीएफ स्टार यश की अगली फिल्म ड्रग्स सिंडिकेट पर बेस्ड

60 के दशक की कहानी होगी; रशियन माफिया से निपटेंगे एक्टर

कन्नड़ फिल्मों से भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को केजीएफ फेम यश के रूप में पैन इंडियन स्टार मिला है। इस फिल्म के दूसरे पार्ट की भी ताबड़तोड़ सफलता के बाद उनके चाहने वालों से लेकर ट्रेड गलियारा तक बेसब्र इंतजार रहा है कि यश की अगली फिल्म कौन सी होगी। इसके मद्देनजर दैनिक भास्कर को खास जानकारी हासिल हुई है।

वो ये कि यश का अगला प्रोजेक्ट गोवा के बैकग्राउंड पर बेस्ड होगा। केजीएफ की तरह ही वो भी पीरियड क्राइम ड्रामा होगी। 60 के दशक में गोवा में जो रशियन और ड्रग्स माफिया की घुसपैठ थी, वो दिखाया जाएगा। वहां यश का किरदार किस तरह रशियन आधिपत्य को चुनौती प्रदान करता है, कहानी इसी बारे में होगी।

यश को पसंद आया फिल्म का प्लॉट

यश के करीबी सूत्रों ने बताया, 'इस फिल्म के डायरेक्टर केजीएफ की तरह प्रशांत नील नहीं होंगे। उनके बजाय मलयाली फिल्मों से डायरेक्टर को फाइनल किया गया है। उनका नाम लता मेनन है। वे नामचीन फिल्मकार और सिनेमैटोग्राफर राजीव मेनन की पत्नी हैं। गोवा के ड्रग्स माफिया को साउथ में भी कम एक्सप्लोर किया गया है। साथ ही वहां के रशियन माफिया की वहां के राजनीतिक रिश्तों को भी कम उजागर किया जाता रहा है। ऐसे में सब्जेक्ट के तौर पर वो प्लॉट यश को बेहद पसंद आया। उसे वे बड़ी गंभीरता से शुरू करने पर विचार कर रहें हैं।'

100 करोड़ रहेगा फिल्म का बजट

केजीएफ सीरीज की तरह यह भी फिल्म एक्शन थ्रिलर होगी। सोर्सेज ने कहा- इस फिल्म में यश खुद भी एक प्रोड्यूसर के तौर पर हैं। उसे भी 100 करोड़ से ऊपर के बजट पर माउंट किया जा रहा है। यश को फिल्म का प्लॉट इतना पसंद आया है कि वो बाकी प्रोजेक्ट्स को साइडलाइन कर फिलहाल अपना पूरा ध्यान इसी पर लगा रहें हैं। ड्रग्स और रशियन माफिया के साथ साथ वहां जो तब हिप्पी कल्चर की आबोहवा थी, वह सब यहां दिखाया जाएगा।'

इस बीच जानकारी है कि केजीएफ-3 भी जल्द शुरू होने वाले प्रोजेक्ट्स की कतार में है। यह खबर प्रभास की 'सालार' की रिलीज डेट आगे खिसकने के चलते आई है। उसकी वजह से डायरेक्टर प्रशांत नील नवंबर तक तो उसके पोस्ट प्रोडक्शन संबंधी चीजों में बिजी रहने वाले हैं। वहां उनके करीबी खेमे से जो जानकारियां मिली हैं, उसके तहत फिल्म के वीएफएक्स का काम अधूरा रहने के चलते फिल्म आगे पुश हुई है।

कई कंपनियों में बंटा हुआ है सालार का वीएफएक्स

प्रशांत नील के करीबी सूत्रों ने कहा, 'दरअसल सालार के कुछ शॉट वीएफएक्स वाले थे, जो एंड मोमेंट पर आ नहीं पाए थे। इस लॉट में दरअसल 600 में से आधे वीएफएक्सशॉट्स चार दिन पहले आने वाले थे। असल में फिल्म के वीएफएक्सका काम कई कंपनियों में बंटा हुआ है। तकरीबन 10 से ज्यादा कंपनियां मिलकर वीएफएक्सका काम कर रहीं हैं। उनमें से एक कंपनी पर लोड ज्यादा था। जाहिर तौर पर वह तयशुदा डेडलाइन पर वीएफएक्सशॉट्स डिलीवर नहीं कर पाई।'

वीएफएक्सशॉट्स मिल भी जाए फिर भी होगा लेट

ऐसी सूरत में डायरेक्टर प्रशांत नील ने साफ स्टैंड लिया कि संबंधित कंपनी वो वीएफएक्सशॉट्स इस पड़ाव में भी दे, तो भी फाइनल टच देने में वक्त जाएगा, क्योंकि वो कंपनी भले वीएफएक्सशॉट्स अपने एंड से भेजें, फिर भी वह हरेक शॉट को क्रॉसचेक करने पर ही उन्हें हरी झंडी दिखाएंगे। लिहाजा डायरेक्टर ने रिलीज डेट को आगे ही खिसकाना मुनासिब समझा। अब सालार दिवाली पर आती है या कब, यह मेकर्स बाद में अनाउंस करेंगे। उससे पहले अब सभी ने तय किया है रिलीज की एग्जैक्ट डेट न जारी की जाए। हालांकि ट्रेड पंडितों का मानना है कि सालार को दिवाली पर लाया जा सकता है।

डायरेक्टर की साफ दलील थी कि जब फिल्म बनाने में 250 करोड़ से ज्यादा का खर्च किया गया है तो फिर वैसी वैल्यू ऑडियंस को मिलनी चाहिए। भले जरा देरी क्यों न हो?

रेड आउटफिट मे अनन्या पांडे ने करवाया फोटोशूट

एक्ट्रेस अनन्या पांडे इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' की सक्सेस को एंजॉय कर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने फिल्म की सफलता का जश्न मनाया। इस पार्टी में उन्होंने रेड लुक से सबको इम्प्रेस किया। इसके बाद इस गैटअप में अनन्या ने फोटोशूट भी करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं।

कई साल लग गए खुद को 'साबित' करने में : एल्नाज नोरौंजी

पिछले दिनों वेब सीरीज 'मेड इन हैवन' के दूसरे सीजन में नजर आई एल्नाज नोरौंजी का कहना है कि आजकल फिल्म निर्माता चाहते हैं कि कलाकार 'रोबोट' की तरह काम करें।

जब पूछा गया कि वह फिल्म उद्योग के बारे में क्या बदलना चाहेगी, तो उसने कहा, निर्माताओं और निर्देशकों को कलाकारों के प्रति अभी भी बहुत अधिक सम्मान दिखाने की जरूरत है। कलाकारों के लिए एक ढंग की यूनियन की जरूरत है। यहां, अभिनेताओं से दिन में 19 से 20 घंटे तक काम करवाया जाता है और उम्मीद करते हैं कि उसके बाद भी वे 4 घंटे सैट पर रहेंगे। न नींद, न कसरत, न रिकवरी। एक कलाकार के रूप में आप अपने दिमाग, शरीर और हर चीज का इस्तेमाल करते हैं और आपको कार्यालय जाने वाले किसी व्यक्ति की तुलना में अधिक रिकवरी को आवश्यकता होती है। मैं ऑफिस में काम करने वालों को बिल्कुल भी कमतर नहीं मानती, मैं तो बस यह कह रही हूं कि एक कलाकार के काम में बहुत कुछ होता है और हमें वास्तव में अधिक आराम की जरूरत होती है। मुझे लगता है कि निर्देशक और निर्माता आपको वह नहीं देते, वे बस यही चाहते हैं कि आप एक रोबोट की तरह काम करें। यह ऐसी चीज है, जिसे मैं वास्तव में बदलना पसंद करूंगी।

आसान नहीं थे शुरुआती दिन

मनोरंजन उद्योग में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए ईरानी मूल की इस अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उसके लिए भूमिकाएं हासिल करना 'बहुत कठिन' था। उसने कहा, पहले मुझे एक एक विदेशी मॉडल के रूप में देखा जाता था और लोग मुझ पर हंसते थे। मुझे सबके सामने यह साबित करना था कि मैं हिन्दी बोल ही नहीं सकती, पढ़ और लिख भी सकती हूं। मुझे यह साबित करने में कई साल लग गए कि मैं केवल एक लंबी और बसूरत मॉडल ही नहीं हूं, मैं अभिनय भी कर सकती हूं।

निर्माता और निर्देशक मुझसे नहीं मिलते थे। वे सोचते थे मैं इस लड़की को अपना समय क्यों दूँ ? मुझसे अपना नाम बदलने और इसे अधिक भारतीय जैसा बनाने के लिए भी कहा गया। और मैं बस अपने आप से कहती रही 'नहीं, तुम्हें अपने प्रति सच्चा रहना होगा। एक दिन आएगा जब लोगों को पता चलेगा कि एल्नाज नौरोजी कौन है। हालात कठिन से कठिन होते जाते हैं लेकिन आपको अपने विश्वास पर कायम और अपने प्रति सच्चे रह कर ही सफलता मिल सकती है।

बदल गई है इंडस्ट्री

हालांकि, उसका मानना है कि पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री में काफी बदलाव रा है। उसने कहा, पूरे आया 'मी टू' आंदोलन के बाद, चीजें बहुत आसान हो गई हैं। निर्देशक और निर्माता सभी के लिए अच्छे हो गए हैं। हर कोई देख रहा है कि वे क्या कर रहे हैं।

डांस और हिन्दी सीखना थी सबसे बड़ी चुनौती

अपने सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात करते हुए, एल्नाज ने खुलासा किया, मैंने अब तक चुनौतियों का ही सामना किया है। मैंने जो कुछ भी किया है, केवल वही चुनौती नहीं थी, बल्कि नृत्य सीखना मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती रही है। बॉलीवुड की फिल्में देखते हुए बचपन से ही आप नृत्य को देखने व समझने लगते हो लेकिन मेरे साथ ऐसा नहीं था। मैं यहां आई और उसके बाद डांस सीखना शुरू करना पड़ा। नृत्य सीखना बहुत आसान नहीं है। मुझे भाषा भी सीखनी पड़ी। देवनागरी में लिखना और पढ़ना भी मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक था। मैंने जर्मनी में थिएटर किया, यहां वर्कशॉप की और न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी में एक कोर्स किया, लेकिन जब आप दूसरी भाषा में अभिनय करना शुरू करते हैं तो यह बहुत कठिन हो जाता है और हिन्दी तो मेरी पहली चार भाषाओं में से एक भी नहीं थी।

'49' में भी बरकरार मलायका की खूबसूरती

मलायका अरोड़ा 49 साल की हो गई है, इसके बावजूद खूबसूरती और फिटनैस में वह नई अभिनेत्रियों को भी टक्कर देती है। वह जिस भी महफिल में पहुंचती है, समां बाध देती है। हाल ही में वह एक इवेंट में नजर आई, जहां मौजूद लोगों की नजरें उस पर टिक गईं। दरअसल, उसने काफी बोल्ड ड्रेस पहनी हुई। थी और इतना ही नहीं, उसने फोटोग्राफरों के लिए जमकर बोल्डपोज भी दिए। जाहिर है कि ऐसे में मलायका के कर्वी फिगर ने फैन्स का ध्यान उसकी ओर आकर्षित किया।

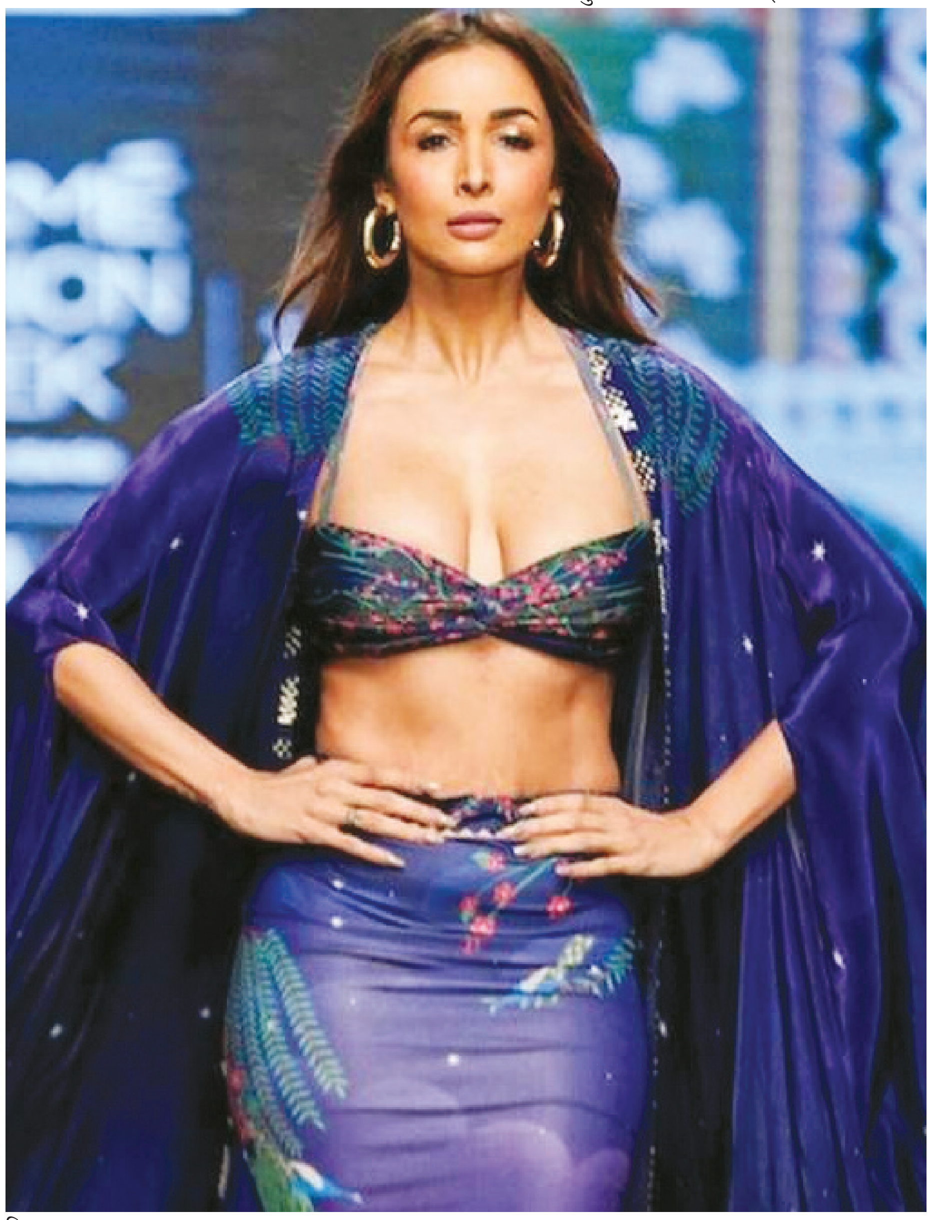

उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई हैं। वह ब्रांड विजन समिट 2023 के इवेंट में पहुंची थी, जहां उसकी यूनीक ड्रैस पर भी लोगों की निगाहें टिकी थीं। उसके हुस्न के साथ उसकी ड्रेस ने भी ध्यान खींचा। ब्रेकअप की अटकलें बॉलीवुड की लोकप्रिय जोड़ी मलायका अरोड़ा और अर्जुन कपूर को दोनों के फैन्स काफी पसंद करते हैं। कई लोगों ने उन्हें ट्रोल भी किया है, हालांकि वे ट्रोलर्स को करारा जवाब देते हुए नजर आते ते रहे हैं लेकिन इन दिनों उनके ब्रेकअप की खबरें जोरों पर हैं। मलायका ने भी एक बार फिर से एक अजीब सी पोस्ट शेयर की है और इसी के साथ बॉलीवुड के गलियारों में इनके ब्रेकअप की अफवाहें फिर से तेज हो गई हैं।

मलायका ने सोशल मीडिया पर जो पोस्ट शेयर की उसने उसमें लिखा, ₹एक महिला इस बात का रिफ्लैक्शन बन जाती है कि आप उसके साथ कैसा बिहेव करते हैं। अगर आपको उसका बिहेवियर पसंद नहीं आ रहा, तो यह देखें कि आप उसके साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो मलायका ने अर्जुन की फैमिली को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है।

बिहार के 11 जिलों में झमाझम बारिश को लेकर आईएमडी का अलर्ट

पटना, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मानसून की सक्रियता के चलते पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में कई स्थानों पर मूसलाधार बारिश हुई है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार कटिहार में सबसे अधिक 88 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गयी। वहीं, जमुई में 71 मिलीमीटर और अररिया के नरपतगंज में 63।2 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज जिले में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान वज्रपात की भी चेतावनी जारी की गई है।

चार जिलों में भारी बारिश की संभावना

मौसम विभाग की ओर से राज्य के चार जिलों में अगले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश की संभावना जताई गई है। जिन चार जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है, उनमें मधुबनी, सुपौल, अरियया और किशनगंज शामिल है। इस दौरान उत्तर बिहार के अधिकांश हिस्सों में बारिश की संभावना को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

11 जिलों में बारिश को लेकर येलो अलर्ट

मौसम पूर्वानुमान में राज्य के 11 जिलों में अगले 48 घंटों के बारिश और वज्रपात की आशंका जताई गई है। जिन जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है, उनमें पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सारण, बक्सर, भोजपुर, अरवल, औरंगाबाद, रोहतास और कैमूर समेत अन्य जिले शामिल है। जबकि 12 से लेकर 14 सितंबर तक के लिए फिलहाल मौसम विभाग की ओर से किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। लेकिन इस दौरान राज्य के कई हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश संभव है।

बिहार में सामान्य से कम बारिश

बिहार में 1 जून से 9 सितंबर तक सामान्य से करीब 25 प्रतिशत कम बारिश हुई है। वहीं अगले पांच जिलों तक राज्य में अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस बक्सर में रिकॉर्ड किया गया। पटना का अधिकतम तापमान 35.3 रिकॉर्ड किया गया। वहीं वाल्मीकिनगर में 32.2, मोतिहारी में 32, मुजफ्फरपुर में 28.8, दरभंगा में 30, अररिया में 31.4, सुपौल में 29.2 और बेगूसराय में 33.2 डिग्री सेल्सियस रहा। गया का अधिकतम तापमान 32, औरंगाबाद का 34.3, आरा का 33.4, नालंदा का 33.6, नवादा का 29.4, जमुई का 32.5, भागलपुर का 33.4, कटिहार का 31.1 और खगड़ियां का 31 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

घोसी सीट क्यों हारी भाजपा ?

पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा ने बताई ये वजह; बोले- अखिलेश करें अपनी समीक्षा

आगरा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। घोसी उपचुनाव में सपा की जीत के बाद उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा बिलकुल भी निराश नजर नहीं आए। उन्होंने उपचुनाव में भाजपा की हार की वजह बताते हुआ कहा कि 'सपा की सीट थी घोसी, चली गई... हमने उनकी दो जीतीं। लखनऊ के मेयर व पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे और अब के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा ने नगर निगम के पार्षदों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में आए।

पार्षदों को दिया जीत का मंत्र

आगरा नगर निगम के पार्षदों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार को हुई। इस कार्यक्रम में आए पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने पार्षदों को जीत का मंत्र दिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने हाल में ही आए घोसी उपचुनाव परिणाम को लेकर भी चर्चा की।

बताई हार की वजह

बातचीत में दिनेश शर्मा ने घोसी सीट पर भाजपा की हार की वजह बताते हुआ कहा कि यह सीट सपा की थी, चली गई, लेकिन भाजपा ने सपा की रामपुर और आजमगढ़ जैसी सीटों को छीना है। अखिलेश यादव अपनी समीक्षा करें। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी सीटों पर कमल खिलेगा।

उदयनिधि को जनता 2024 में अस्त कर देगी

राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने उदयनिधि के सनातन धर्म पर दिए बयान पर कहा कि यह कांग्रेस की सोच है। उदय के बाबा करुणानिधि और परिजन यही सोच रखते थे। उदयनिधि को जनता 2024 में अस्त कर देगी। उन्होंने अखिलेश यादव के बयानों पर कहा कि एक सीट से जीत पर खुश होने की जरूरत नहीं। प्रधानमंत्री मोदी और योगी के काम से वर्ष 2024 में वह खाता भी न खोल पाएंगे।

टाइगर अभी जिंदा है

घोसी में जीत के बाद शिवपाल के समर्थन में लगे होर्डिंग

मऊ, 10 सितंबर (एजेंसियां)। घोसी उपचुनाव में सपा ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। इस चुनाव में सपा के सुधाकर सिंह ने बीजेपी के दारा सिंह चौहान को करारी शिकस्त दी। और करीब 40 हजार से अधिक वोटों से हराया। वहीं, इस जीत के बाद एक बार फिर चाचा शिवपाल की चर्चा होने लगी। सपा दफ्तर के बाहर उनके समर्थकों ने "टाइगर अभी जिंदा है" का होर्डिंग लगा दिया। इस होर्डिंग में लिखा है, 'भतीजे को हराने से पहले चाचा को हराना होगा और यह मुमकिन नहीं नामुमकिन है।'बता दें कि घोसी उपचुनाव में जीत का पूरा क्रेडिट लोग शिवपाल यादव को दे रहे हैं। उन्होंने ही घोसी में सपा की तरफ से मोर्चा संभाल रखा था। घोसी उपचुनाव में बंपर जीत के बाद शिवपाल सिंह यादव ने ट्वीट कर कहा था, 'समाजवादी पार्टी जिंदाबाद, अखिलेश यादव जिंदाबाद।'

घोसी में लगातार प्रचार प्रसार कर रहे थे शिवपाल शिवपाल यादव घोसी में लगातार प्रचार प्रसार कर रहे थे। उन्होंने घोसी के मतदाताओं से लोकतंत्र के महापर्व में निर्भय होकर बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि आपका एक-एक मत लोकतंत्र की ताकत है, इसलिए इसमें बढ़चढ़ कर हिस्सा लें।

बता दें कि घोसी उपचुनाव में सपा उम्मीदवार सुधाकर सिंह ने बीजेपी के दारा सिंह चौहान को 42,759 वोटों से हरा दिया।

जी20 में जी का मतलब घोसी है क्या?

वहीं, घोसी में जीत के बाद सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने जी20 समिट को लेकर बीजेपी पर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, कोई पूछ रहा है जी20 में जी का मतलब घोसी (घोसी) है क्या? बता दें कि दिल्ली में जी20 समिट का आज दूसरा दिन है। पहले दिन भारत ने कई उपलब्धियां हासिल कीं।

मैनपुरी आए पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद

बोले- इंडिया नाम से घबराई भाजपा, कर रही दुष्प्रचार

मैनपुरी, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी में पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने कहा कि इंडिया नाम से घबराई भाजपा दुष्प्रचार कर रही है। 2024 में भाजपा का सत्ता से जाना तय है। कांग्रेस विकास की राजनीति करती है जबकि भाजपा नफरत की राजनीति करती है। देश में भाजपा का ग्राफ तेजी से गिर रहा है। पूर्व विदेश मंत्री देर शाम आगरा रोड स्थित एक मैरिज होम में स्वागत समारोह में बोल रहे थे।

कांग्रेस की दिलाई सदस्यता

मैरिज होम में शनिवार की देर शाम एक कार्यक्रम में अल्पसंख्यक समाज के लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता पूर्व विदेश मंत्री के सामने ली। पूर्व विदेश मंत्री ने कहा कि प्रदेश में कई दशक से विकास रुका हुआ है। गैर कांग्रेसी सरकारें केवल अपना विकास करने में

लगी रही हैं। प्रदेश के विकास की किसी को चिंता नहीं है। भाजपा केवल अफवाहों के बल पर चुनाव जीतती रही है। भाजपा का विकास से कोई लेनादेना नहीं है।

भाजपा पर साधा निशाना

उन्होंने कहा कि भाजपा का लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। भाजपा नाम बदलने की राजनीति करती है। अब देश का नाम बदलने का प्रयास किया जा रहा है। जनता बहकावे में आने वाली नहीं है। 2024 में भाजपा को सरकार से हटाने का मन बना चुकी है। जनता नफरत नहीं विकास चाहती है। प्रदेश महासचिव प्रकाश प्रधान, रीता नैयर, गोपाल कुलश्रेष्ठ, पूरनचंद्र चतुर्वेदी, अजय दुबे, अरविंद तिवारी, औकाफ अली ने भी संबोधित किया।

मथुरा से नेपाल जा रहे एलपीजी गैस टैंकर में लगी आग, डीज़ल टैंक फटने से तेजी से फैली लपटें

अयोध्या, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-27 पर रविवार की सुबह एक भीषण हादसा हो गया। हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मथुरा से नेपाल जा रहा टैंकर एमएच 46-एच 5057 रविवार की सुबह करीब 4 बजे अयोध्या जिले की सीमा में प्रवेश करते हुए रौजागांव ओवरब्रिज के समीप पहुंचा। टैंकर के इंजन में अचानक आग लग गई जिसकी भनक ड्राइवर को लगते ही उसने टैंकर को ओवरब्रिज पर रोककर आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन पानी के अभाव में आग नहीं बुझ सकी और लपटें तेज हो गई। ड्राइवर ने मामले की सूचना पुलिस व फायर कंट्रोल रूम को दी। जब तक पुलिस व फायर ब्रिग्रेडकर्मी मौके पर पहुंचते उससे पहले टैंकर का डीजल टैंक फट गया जिससे आग और भड़क गई। पूरा टैंकर आग की गिरफ्त में आकर धू धू कर जलने लगा। इतने में सीओ सत्येंद्र भूषण तिवारी मय चौकी प्रभारी दृवेश त्रिवेदी एसएसआई कोतवाल के साथ मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड के जवानों की मदद से आग पर काबू पाया।

आकाशीय बिजली का क़हर टूटा, एक ही गांव के 8 लोगों की जान बची

ललितपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते जगह-जगह जलभराव हो गया है। वहीं शाम आकाशीय बिजली गिरने से 5 महिलाओं समेत 8 लोग झुलस गए। यह हादसा रेलवे की तीसरी लाइन पर काम करते हुए मजदूरों के साथ हुआ। उनके निकट आकाशीय बिजली गिरने से वो बुरी तरह से झुलस गए। घायलों का इलाज निजी अस्पताल में कराया गया। ललितपुर जिले के ग्राम पंचायत धौर्रा के निकट रेलवे लाईन के किनारे कुछ मजदूर काम कर रहे थे तभी अचानक बारिश होने लगी। बारिश से बचने के लिए मजदूर एक पॉलीथिन ओढ़कर बैठ गए, उसी दौरान उनके पास आकाशीय बिजली गिर पड़ी। आकाशीय बिजली की चपेट में आए लोगों को धौर्रा स्थित निजी चिकित्सालय में ले गए। इलाज के बाद सभी को घर भेज दिया गया। आकाशीय बिजली की चपेट में केनवारा जिला टीकमगढ़ के अलावा ललितपुर के तालबेहट कोतवाली अंतर्गत ग्राम बुढ़ावनी निवासी आए हैं।

दहेज लोभियों ने जहर देकर कर दी नवविवाहिता की हत्या

हिलसा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के पटना जिले में चिकसौरा थाना क्षेत्र के दल्लू विगहा गांव में दहेज की खातिर ससुराल वालों ने जहर देकर एक विवाहिता की हत्या कर दी। मरने वाली महिला करण कुमार की पत्नी शिवानी कुमारी है पटना जिला के दुल्हिन बाजार निवासी गौरी शंकर विंद की पत्नी ने बताया कि एक साल पहले उनकी बेटी की शादी दल्लू विगहा गांव निवासी दिनेश विंद के पुत्र करण विंद से हुई थी। शादी के वक्त लाखों रुपयों का उपहार दिया गया था। कुछ दिन पहले ही पति विदाई कराकर पत्नी को घर ले गया था। उन्होंने आगे बताया कि इसके बाद ही आरोपित पति व उसके घर वाले बाइक और एक लाख रुपये की मांग करने लगे। बेटी ने जब असमर्थता जताई तो उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। दो दिनों तक उनकी बेटी को ससुराल वालों ने भूखा रखा। बेटी ने फोन पर बताया कि उसके साथ पति व ससुराल वाले काफी दुर्व्यवहार कर रहे हैं। इसके बाद उन्होंने दामाद को काफी समझाया भी था । लेकिन शुक्रवार की देर शाम आरोपित पति व ससुराल वालों ने उनकी बेटी को जहर देकर मार डाला और घर से फरार हो गए। किसी तरह इसकी सूचना पड़ोसियों ने उन लोगों को दी। उन्होंने यह भी बताया कि जब वे लोग बेटी के ससुराल पहुंचे तो घर में ताला लगा हुआ था। इसके बाद इस बात की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई।

पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम पर टिप्पणी कर बुरे फंसे महंत

यति नरसिंहानन्द के खिलाफ केस दर्ज

लखनऊ, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भड़काऊ बयानों के लिए कुख्यात महंत यति नरसिंहानन्द सरस्वती एक बार फिर मुश्किल में पड़ गए हैं। पुलिस ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम पर कथित टिप्पणी मामले में डासना देवी मंदिर के महंत यति नरसिंहानन्द सरस्वती के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्रा ने पीटीआई-भाषा को बताया कि रात सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक वीडियो क्लिप सुनने के बाद पुलिस उप निरीक्षक प्रशांत कुमार गौतम ने वेव सिटी पुलिस थाना में शिकायत दी थी। मिश्रा ने कहा कि यति 16 सेकंड के वीडियो में पूर्व राष्ट्रपति पर अभद्र टिप्पणी और मुसलमानों के खिलाफ भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल करते हुए सुनाई दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि भड़काऊ भाषा से नफरत भड़क सकती है और सांप्रदायिक सद्भाव में बाधा आ सकती है।

मुश्किल में यति नरसिंहानन्द सरस्वती

वेव पुलिस ने यति के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज किया है। संपर्क करने पर महंत यति नरसिंहानन्द सरस्वती ने पीटीआई-भाषा को बताया कि वीडियो पुराना है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस बार-बार इस मामले में शामिल करने के लिए प्राथमिकी दर्ज कर रही है। यति नरसिंहानंद सरस्वती आपत्तिजनक टिप्पणी कर कई बार विवादों में फंस चुके हैं। पिछले साल सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते हुए यति का वीडियो हुआ था।

एक बार फिर इस मामले में मुकदमा दर्ज

हरकत में आई पुलिस ने यति के खिलाफ पुलिस ने आईपीसी की धारा 153 ए (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 295 ए (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर काम करना) में मामला दर्ज किया था। यति अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी और मदरसों को बम से उड़ाने तक की बात कह चुके हैं। भारत जोड़ो यात्रा का मजाक उड़ाते हुए यति ने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी जिहादियों के साथ हैं।

योगीजी यह गाजियाबाद की सड़क है, गड्ढे गिनना भी मुश्किल

गाजियाबाद, 10 सितंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली इस समय जी-20 बैठक की चकाचौंध से दमक रही है। भारत को एक बड़े स्तर पर पेश किया जा रहा है। इसी दिल्ली से कुछ दूरी पर गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार कॉलोनी की स्थिति दयनीय है। सड़क का अभाव लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। एक्सप्रेसवे प्रदेश के रूप में यूपी को विकसित करने की बात कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस सड़क की स्थिति को भी देखने की अपील की जा रही है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में अयोध्या आ सकते हैं 5 करोड़ लोग

आरएसएस- वीएचपी बना रही ये रणनीति

अयोध्या, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में बनने जा रहे राम मंदिर पर इस समय पूरे देश की नजर है। राम मंदिर का कार्य अब अपने अंतिम चरणों में हैं। माना जा रहा है कि 22 जनवरी के दिन राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हो सकती है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद रह सकते हैं। इसी बीच अब इस कार्यक्रम को लेकर भी तैयारियां शुरू हो गई हैं।

बता दें कि जनवरी 2024 में मकर संक्रांति के बाद होने वाले रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की पूरी व्यवस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद ने अपने हाथों में ले ली है। इसके लिए विश्व हिंदू परिषद के शीर्ष पदाधिकारी की दो दिवसीय बैठक अयोध्या में आज यानी रविवार से शुरू होगी। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय की माने तो इस बैठक में देश भर में राममय माहौल बनाने पर रणनीति बनाने को लेकर चर्चा होगी।

5 करोड़ लोग आ सकते हैं अयोध्या

बता दें कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के समय करीब 5 करोड़ लोग अयोध्या आ सकते हैं। इस योजना पर भी वीएचपी और आरएसएस काम कर रहे हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का कहना है कि एक मंदिर से करीब 100 परिवार जुड़े होंगे। हमारी रणनीति देशभर के 5 लाख मंदिरों तक पहुंचने की है। माना जा रहा है कि दो दिन चलने वाली इस बैठक में कुछ बड़े और अहम फैसले हो सकते हैं।

2 लाख गांव तक पहुंचा जाएगा

चंपत राय ने बताया कि हमारा लक्ष्य देश के 2 लाख गांवों तक भी पहुंचना है। उस दिन अयोध्या की व्यवस्था कैसे रहेगी, क्या रणनीति अपनाई जाएगी? ये सब बैठक में तय किया जाएगा। आपको बता दें कि आरएसएस और वीएचपी की योजना है कि राम लला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को दिव्य और

बिहार: बीजेपी विधायक के देवर शराब के साथ गिरफ्तार, कार की बोनट में शराब छिपाकर कर रहे थे तस्करी, देखें वीडियो

पटना, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी के बावजूद लोग शराब तस्करी से बाज नहीं आ रहे हैं। चिंता की बात यह है कि शराबबंदी में वीआईपी लोग जुड़े हुए हैं। पुलिस ने शराब तस्करी में जुटे हाई प्रोफाइल मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने गोलपालगंज के नगर थाना क्षेत्र के कररिया गांव के पास उत्पाद विभाग की टीम ने बीजेपी विधायक कुसुम देवी के देवर अशोक सिंह और उनके साथी हरिकेश साह को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान इनकी कार की बोनट से 4 कार्टन में रखी देसी शराब बरामद किया गया। पुलिस को शराब तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी। पुलिस ने सूचना के आधार पर नगर थाना क्षेत्र के कररिया गांव के पास एक कार को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान शराब पकड़ी गई। कार के बोनट में छिपाकर देसी शराब ले जाया जा रहा था। शराब की खेप उत्तर प्रदेश से गोपालगंज लाई जा रही थी। शराब के साथ गिरफ्तार बीजेपी विधायक के देवर अशोक सिंह ख्वाजेपुर पंचायत की मुखिया के पति भी हैं।

पटना में तेजी से फैल रहा डेंगू, 1 दिन में मिले 70 नए मरीज

पटना, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी पटना में डेंगू का संक्रमण लगातार फैलता जा रहा है। अगर की बात कर लें तो राजधानी में 9 सितंबर को कुल 70 डेंगू संक्रमित मरीज मिले हैं। जिला संक्रामक रोग नियंत्रण पदाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार पटना में अब तक कुल डेंगू में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 254 हो गई है।

पटना में 18 जुलाई को डेंगू का पहला मामला सामने आया था।

मिली जानकारी के अनुसार पटना में 1 से 9 सितंबर के बीच डेंगू के 167 नए संक्रमित मरीज मिले हैं। 9 सितंबर को जहां 70 मरीज मिले हैं। वहीं 8 सितंबर को 13 मरीज मिले थे। 7 सितंबर को 33 मरीज मिले थे जबकि 6 सितंबर को 12 मरीज मिले थे।5 सितंबर को 11, 4 सितंबर को 7, 3 सितंबर को 6, 2 सितंबर को 8 और 1 सितंबर को 7 मरीज डेंगू से पीड़ित पाए गए हैं। इनमें 90 सरकारी अस्पतालों की जांच में जबकि निजी अस्पताल में लैब में 41 मरीजों की जांच हुई थी। डेंगू पर नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन स्वास्थ्य विभाग और पटना नगर निगम ने योजना तैयार कर काम करना शुरू कर दिया है। लोगों की सुविधा के लिए डेंगू नियंत्रण कक्ष की भी शुरुआत की गई है। ब्लड बैंक प्लेटलेट्स की उपलब्धता सुनिश्चित कराई गई है। सभी प्रमुख अस्पतालों में मजिस्ट्रेट की तैनाती का भी दावा किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार राजधानी पटना में बांकीपुरअंचल के बाजार समिति पाटलिपुत्र अंचल के न्यू पाटलिपुत्र और इंद्रपुरी पटेल नगर के बाद अब कंकड़बाग के साथ ही बाईपास के दक्षिणी इलाकों में डेंगू का प्रकोप तेजी से फैलने लगा है। जल जमाव और नमी से प्रभावित कंकड़बाग के पोस्टल पार्क चांदमारी रोड जोगीपुर और बाईपास के दक्षिण में जक्कनपुर से बड़ी संख्या में डेंगू के मरीज मिले हैं। डीएम के निर्देश पर सिविल सर्जन ने डेंगू नियंत्रण कक्ष की स्थापना की है। डेंगू नियंत्रण कक्ष का नंबर 0612–2951964 है। यह नियंत्रण का 24 घंटे काम करेगा। आम जनता किसी भी सहायता के लिए संपर्क कर सकती है। इसमें अस्पताल में भर्ती करने से लेकर बेड ब्लड प्लेटलेट्स की उपलब्धता की जानकारी दी जाएगी। पटना के डीडीसी तनेय सुल्तानिया ने कहा है कि डेंगू के मरीजों के उपचार के लिए अस्पतालों में पर्याप्त बेड उपलब्ध है। शहर के दो बड़े सरकारी अस्पतालों में 64 बेड डेंगू मरीजों के लिए सुरक्षित रखा गया है। पीएमसीएच में 14 मरीज भर्ती है तथा यहां 34 बेड है इसी तरह एनएमसीएच में 7 मरीज भर्ती किए गए हैं जबकि यहां 30 बेड है।

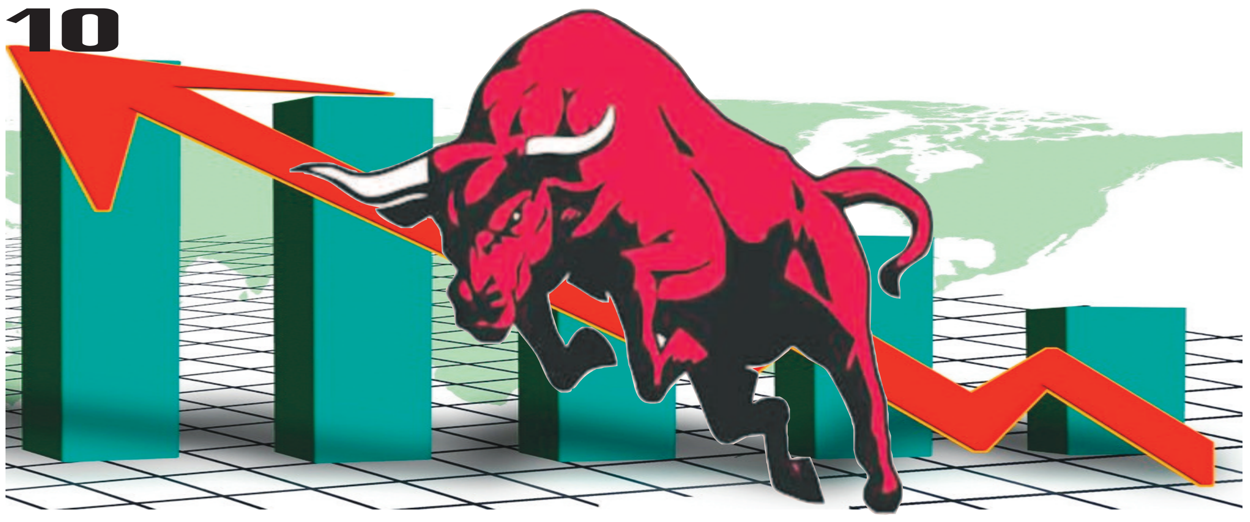

जी20: डिजिटल होते भारत की मुरीद हुईं यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष,दुनिया के भविष्य को लेकर कही बड़ी बात

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। जी20 सम्मेलन के दूसरे दिन आज तीसरे सत्र का आयोजन हुआ। इस सत्र की थीम वन फ्यूचर, यानी एक भविष्य थी। इस सत्र के दौरान यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भारत में हो रहे डिजिटल विकास की तारीफ की। साथ ही उन्होंने एआई को लेकर भी बात की और कहा कि आने वाला भविष्य एआई का ही है। हालांकि उन्होंने एआई के खतरों के प्रति भी दुनिया को आगाह किया।

एआई में अपार संभावनाएं

यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष ने अपने बयान में कहा कि एक बात साफ है कि भविष्य डिजिटल होगा। इसलिए उनका फोकस एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर है। उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि एआई के खतरे भी हैं लेकिन साथ ही इसमें अपार संभावनाएं भी छिपी हुई हैं। ऐसे में अहम सवाल ये है कि तेजी से बदलती तकनीक को किस तरह से उपयोग किया जाए। गौर करने वाली बात ये है कि एआई के अविष्कारक भी राजनेताओं से इसके नियमन की मांग कर चुके हैं।

'एआई के खतरों को देखते हुए दुनिया को साथ आने की जरूरत'

यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष ने कहा कि 'दुनिया अब जो करेगी, उससे ही हमारा भविष्य तय होगा। यूरोप और इसके सहयोगी देशों को एआई के खतरों को देखते हुए इसके लिए ग्लोबल फ्रेमवर्क बनाने की जरूरत है, जो हमें एआई के सामाजिक खतरों से बचाए और निवेशकों को सुरक्षित और जिम्मेदार एआई तकनीक के विकास के लिए प्रेरित करे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से जलवायु के लिए आईपीसीसी है, उसी तरह का हमें एक निकाय एआई के लिए बनाने की जरूरत है। जिसमें वैज्ञानिकों, निवेशकों और एंटरप्रेन्योर्स को शामिल कर यह पता लगाया जाए कि एआई के संभावित खतरे क्या हो सकते हैं और इससे मानवता को क्या फायदा हो सकता है।'

भारत के डिजिटलीकरण की तारीफ की

यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष ने कहा कि 'भविष्य के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर भी बेहद अहम होगा। इससे उभर रहीं अर्थव्यवस्थाओं को काफी फायदा मिल सकता है। उन्होंने भारत की तारीफ करते हुए कहा कि भारत ने इस क्षेत्र में कमाल की सफलता हासिल की है। हम इस मामले में पीएम मोदी का समर्थन करते हैं।'

क्या है नॉमिनी और उत्तराधिकारी में अंतर

मालिक की मौत के बाद कौन होगा प्रॉपर्टी का असली हकदार, ये रहा जवाब?

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में बैंकों से कहा था कि वह खातों में नॉमिनी का नाम जरुर दर्ज करें। नॉमिनी ना होने की वजह से बैंकों के पास करोड़ों रुपये लावारिस पड़े हुए हैं। दरअसल, जिन खाताधारक की मौत हो जाती है उनका पैसा नॉमिनी को ट्रांसफर कर दिया जाता है।

ऐसे में एक सवाल उठता है कि क्या केवल नॉमिनी ही खाताधारक के जाने के बाद उनकी संपत्ति का अधिकारी होता है। अगर ऐसा है तो फिर उत्तराधिकारी या वारिस कौन होते हैं।आज हम नॉमिनी और उत्तराधिकारी के अंतर पर ही बात करेंगे। नॉमिनी किसी एक खास उद्देश्य के लिए बनाया जाता है। यह किसी को भी बनाया जा सकता है। उत्तराधिकारी वैसे तो वंश या परिवार के सदस्य ही होते हैं लेकिन अगर कोई शख्स चाहें तो वह अपना उत्तराधिकारी अपनी मर्जी से परिवार के बाहर भी किसी शख्स को बना सकता है। इन दोनों में बातों में एक मुख्य अंतर ये है कि नॉमिनी का नाम दर्ज नहीं होने पर बैंक खुद-ब-खुद किसी को नॉमिनी नहीं घोषित कर सकता है। हालांकि, अगर किसी शख्स ने अपना उत्तराधिकारी तय नहीं किया है तब भी उसके बच्चे, पत्नी या मां उसकी संपत्ति की उत्तराधिकारी हो सकती है।जैसा कि हमने बताया कि नॉमिनी किसी खास उद्देश्य के लिए बनाए जाते हैं और उन्हें उस चीज के अलावा किसी शख्स की किसी और संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं मिलता है। अगर कोई शख्स किसी को अपने बैंक खाते का नॉमिनी बनाता है तो उसकी मौत के बाद केवल बैंक खाते के लेनदेन या उस पैसे पर उस नॉमिनी का हक होगा। बाकी किसी संपत्ति पर नॉमिनी का कोई हक नहीं होगा।

हर महीने 5000 के निवेश पर मिलेगा 55,000 का ब्याज

एसबीआई की है ये स्कीम, 100 रुपये से भी कर सकते हैं शुरुआत

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अगर आप अपना पैसा कहीं सुरक्षित रखना चाहते हैं और साथ में उसे बढ़ते हुए भी देखना चाहते हैं तो एसबीआई की रिकरिंग डिपॉजिट स्कीम आपके काम आ सकती है। इस स्कीम में आपको 6.80 फीसदी की दर से ब्याज मिल सकता है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए अधिकतम ब्याज 7.50 फीसदी का है। रिकरिंग डिपॉजिट या आरडी अधिकतम 10 साल तक के लिए खुलवाई जा सकती है। एसबीआई सरकारी बैंक है और भारत के सबसे सुरक्षित बैंकों की लिस्ट में सबसे ऊपर है। इसलिए यहां पैसा डूबने का कोई डर नहीं है। इतनी सुरक्षा के साथ आपको बैंक से अच्छा रिटर्न भी मिल रहा है। अलग-अलग टेन्योर के लिए बैंक ब्याज दर भी अलग-अलग है। इसमें आम लोगों के अधिकतम ब्याज दर 6.80 फीसदी है और वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह 7.50 फीसदी है। इसमें आप 100 रुपये से भी निवेश की शुरुआत कर सकते हैं। रिकरिंग डिपॉजिट में आपको हर महीने पैसा जमा करना होता है। आप 1 से 10 साल के बीच का टेन्योर अपनी आरडी के लिए चुन सकते हैं।

किस पर कितना है ब्याज

अगर आप 1 से लेकर 2 साल से कम की आरडी का चयन करते हैं तो सामान्य नागरिक को 6.80 फीसदी का ब्याज मिलेगा। इसी टेन्योर के लिए वरिष्ठ नागरिक को 7.30 फीसदी का ब्याज मिलेगा। 2 साल से अधिक और 3 साल से कम की आरडी के लिए सामान्य नागरिक को 7 फीसदी और वरिष्ठ नागरिक को 7.50 फीसदी का ब्याज मिलेगा। 3 साल से अधिक और 5 साल से कम की आरडी पर सामान्य नागरिक को 6.50 फीसदी और वरिष्ठ नागरिक को 7 फीसदी का ब्याज मिलेगा। 5 साल से लेकर 10 साल तक की आरडी पर सामान्य नागरिक को 6.50 फीसदी और वरिष्ठ नागरिक को 7.50 फीसदी ब्याज मिलेगा।

कैसे मिलेंगे एक्स्ट्रा 55,000

हर महीने जो आप राशि जमा करेंगे उस पर आपको ब्याज एकमुश्त ब्याज का भुगतान भी किया जाएगा। इस लिहाज से अगर आप हर महीने 5,000 रुपये का निवेश करते हैं और आप इस निवेश के लिए 5 साल वाले टेन्योर का चयन करते हैं तो आपको इस पर 6.50 फीसदी के लिहाज से ब्याज मिलेगा।

लगातार दूसरे सप्ताह सुधरा बाजार

अब निफ्टी करेगा 20 हजार को पार?, ऐसा है आने वाले दिनों का इशारा

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। लगातार आ रही गिरावट के बाद बाजार के हालात सुधार की राह पर लौट आए हैं। शुक्रवार 8 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान घरेलू बाजार ने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बढ़िया प्रदर्शन किया। पिछले सप्ताह के दौरान विदेशी बाजार दबाव में बने रहे और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली जारी रही, फिर भी घरेलू बाजार ने तेजी दिखाई। अब ऐसी उम्मीद बनी है कि नए सप्ताह के दौरान निफ्टी 20 हजार अंक के स्तर को पार कर सकता है।

ऐसा रहा था पिछला सप्ताह

पिछले सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 878.4 अंक यानी 1.34 फीसदी के फायदे में रहा था, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 384.65 अंक यानी 1.97 फीसदी मजबूत हुआ था। शुक्रवार को बाजार में लगातार छठे दिन तेजी आई थी। सप्ताह के अंतिम दिन सेंसेक्स 66,600 अंक के पास बंद हुआ था,जबकि निफ्टी 19,820 अंक के पास पहुंच गया था। यह घरेलू शेयर बाजार की लगातार दूसरी साप्ताहिक तेजी भी थी। उससे पहले घरेलू बाजार लगातार 5 सप्ताह नुकसान में रहे थे।

नए शिखर पर मिडकैप और स्मॉलकैप

पिछले सप्ताह के दौरान घरेलू बाजार ने ऐसे समय में तेजी दिखाई, जब अमेरिका बाजार गिरावट में रहे। दूसरी ओर घरेलू मोर्चे पर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली जारी रही। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने इस महीने में आठ सितंबर तक घरेलू बजार से 4,203 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। एफपीआई अगस्त से ही बिकवाली करने में लगे हुए हैं। बीते सप्ताह के दौरान बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप शुक्रवार को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए।

ये आंकड़े चाल को करेंगे प्रभावित

आने वाले सप्ताह की बात करें तो आर्थिक आंकड़े काफी अहम साबित होंगे। 12 सितंबर मंगलवार को औद्योगिक उत्पादन सूचकांक यानी आईआईपी और खुदरा महंगाई के आंकड़े आने वाले हैं। सप्ताह के दौरान थोक महंगाई और मैन्यूफैक्चरिंग के आंकड़े भी जारी होंगे। बाहरी मोर्चे पर यूरोपीय सेंट्रल बैंक की बैठक, ब्रिटेन की जीडीपी के आंकड़े, अमेरिका में महंगाई व बेरोजगारी के आंकड़े, कच्चे तेल की घट-बढ़ और डॉलर की चाल भी बाजार पर असर दिखा सकती हैं।

एक्सपर्ट को बाजार से ये उम्मीद

स्वस्तिका इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के हेड ऑफ रिसर्च संतोष मीणा का कहना है कि इस सप्ताह बाजार में रैली बरकरार रह सकती है। घरेलू बाजार ने नरम वैश्विक संकेतों को दरकिनार कर पिछले सप्ताह अच्छी तेजी दिखाई। निफ्टी, बैंक निफ्टी और सेंसेक्स भी अब तेजी की राह पर लौट आए हैं, जबकि विदेशी बाजारों में नकारात्मक संकेतों की कमी नहीं थी। ऐसे में उम्मीद है कि आने वाले सप्ताह में भी बाजार की चाल बरकरार रहेगी और निफ्टी 20 हजार अंक के स्तर को पार कर सकता है।

अश्नीर ग्रोवर ने आईटी डिपार्टमेंट से लिया 'पंगा',आयकर विभाग ने भी दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारतपे के पूर्व सीईओ और बिजनेस रियल्टी टीवी शो शार्क टैंक इंडिया के पूर्व जज अश्नीर ग्रोवर ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं, जिसके तहत स्टार्टअप्स के निवेशकों के आईटीआर की डिटेल मांगी गई थी। अब इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने भी ग्रोवर को करारा जवाब दिया है। डिपार्टमेंट ने कहा है कि आयकर अधिकारी स्टार्टअप निवेशकों द्वारा दाखिल किए गए आईटीआर के बारे में विवरण मांग सकते हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि निवेश की गई राशि उनके व्यक्तिगत आईटीआर में दिखाई गई आय के अनुरूप है या नहीं। सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म एक्स पर शुक्रवार को अश्नीर ग्रोवर की एक पोस्ट का जवाब देते हुए आयकर विभाग ने कहा कि फाइनेंस एक्ट 2012 में कहा गया है कि किसी निवेशक को स्टार्टअप में निवासी शेयरधारक से धन के सोर्स के बारे में भी बताना होगा। ग्रोवर ने यह मुद्दा उठाया था कि 'पिछले एक महीने में कई स्टार्टअप को टैक्स नोटिस मिले हैं, जिसमें उनके शेयरधारकों के बारे में जानकारी देने को कहा गया है।'इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने कहा, "इस मामले में, प्रतीत होता है कि डिपार्टमेंट ने शेयरधारक-निवेशक द्वारा लेनदेन की वास्तविकता और निवेश के स्रोत की जांच करने की मांग की है, ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि निवेश की गई राशि निवेशकों के आईटीआर में दिखाई गई आय के अनुरूप है या नहीं।"डिपार्टमेंट ने कहा, "वैकल्पिक रूप से, यदि कंपनी द्वारा निवेशकों के 'पैन' निर्धारण अधिकारी (एओ) के साथ शेयर किए जाते हैं, तो वह निवेशकों के आईटीआर को वैरिफाई कर सकता है।"

तीन महीने में 25% चढ़ चुका है क्रूड ऑयल, अपने शहर में चेक करें पेट्रोल-डीजल का दाम?

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले सप्ताह रूस और सउदी अरब ने कच्चे तेल के प्रोडक्शन में कमी का अहम फैसला लिया। इससे क्रूड ऑयल के दाम में एक बार फिर से उबाल है। बीते सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन भी यह 0.73 डॉलर या 0.81 फीसदी चढ़ कर 90.65 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। हालांकि, भारतीय पेट्रोल-डीजल के बाजार में आज भी दाम में कोई फेरबदल नहीं हुआ। आज 522वां दिन है जबकि पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने आज यानी रविवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई फेरबदल नहीं किया। इन कंपनियों ने अंतिम बार छह अप्रैल 2022 को पेट्रोल और डीजल के दाम में 80-80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी।यूं तो पिछले साल की शुरुआत में पेट्रोल की कीमतें बढ़ी ही थीं। लेकिन 2022 के सात अप्रैल से इसके दाम में कोई घट-बढ़ नहीं हुई है। मतलब आज 522वां दिन है, जबकि इसका दाम स्थिर है। हालांकि, 22 मई 2022 को केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कमी का फैसला किया। इससे दिल्ली में पेट्रोल का दाम घट कर 96.72 रुपये पर आ गया था। डीजल का दाम भी बीते 522 दिनों से स्थिर है। साल 2021 में सितंबर के बाद पेट्रोल के मुकाबले डीजल का बाजार ज्यादा तेज हुआ था।

वंदे भारत ने दी इस शेयर को भी रफ्तार

6 महीने में 150 परसेंट ऊपर भागा, अब भी है कमाई का मौका?

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। शेयर मार्केट से जल्दी पैसा कमाने के लिए जरुरी है सही स्टॉक का चयन करना। अगर आपको कोई ऐसा स्टॉक मिल जाए जिसके तेजी से बढ़ने की संभावना है तो उस पर आप दांव लगा सकते हैं। कौन सा स्टॉक तेजी से ऊपर जा सकता है इसे पहचानना का एक तरीका यह है देखना है कि क्या उस कंपनी के पास कोई नया बिजनेस आ रहा है। यह संभावित मल्टीबैगर स्टॉक पहचानने का कोई फुल प्रूफ तरीका तो नहीं है लेकिन कुछ अच्छे तरीकों में से एक जरुर है। इसी का एक उदाहरण हैं इस कंपनी को हाल ही में रेलवे की ओर से ऑर्डर मिले है। इसमें से 1 ऑर्डर वंदे भारत ट्रेन से जुड़ा है। वहीं, दूसरा ऑर्डर गरीब रथ ट्रेन को लेकर मिला है। कंपनी का मार्केट कैप भी बढ़कर 8043 करोड़ रुपये का हो गया है, शुक्रवार को यह स्टॉक 299.80 के स्तर पर बंद हुआ था। 2 बड़े ऑर्डर्स के कारण इस कंपनी के शेयरों में अभी और तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

कंपनी से जुड़ी जानकारी

खबरों की मानें तो रिस्पॉन्सिव इंडस्ट्रीज लगातार इनोवेशन पर काम कर रहा है। कंपनी के रेलवे से 2 बड़े प्रोजेक्ट के लिए ऑर्डर मिलना यह दिखाता है रेलवे इसके काम को लेकर काफी संतुष्ट है और इस भरोसे की ही बदौलत कंपनी को आगे भी और ऑर्डर मिल सकते हैं। कंपनी की स्थापना 1982 में हुई थी। यह कंपनी पीवीसी आधारित प्रोडक्ट्स का निर्माण करती है। ये इस क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में से एक है। कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन की बात की जाए तो वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही के मुकाबले वित्त वर्ष 24 की समान अवधि में इसकी सेल 15.85 फीसदी बढ़कर 263 करोड़ रुपये हो गई। इसके इतना ही नहीं कंपनी के मुनाफे में 433 फीसदी का उछाल आया है। तेज उछाल के बाद कंपनी का शुद्ध मुनाफा 30 करोड़ रुपये हो गया है।

शेयरों का प्रदर्शन

रिस्पॉन्सिव इंडस्ट्रीज के शेयरों ने पिछले 1 महीने में 35 फीसदी का रिटर्न दिया था।

पिछले 6 महीने में कंपनी अपने निवेशकों को 150 फीसदी के करीब का धमाकेदार रिटर्न दे चुकी है। इस साल कंपनी के शेयरों ने कुल 152 फीसदी रिटर्न दिया है। पिछले 2 साल में ये शेयर 202 फीसदी ऊपर गया है। हालांकि, 1 साल की अवधि में ये शेयर केवल 116 फीसदी ही चढ़ पाया है।

बिकवाली के मूड में आए विदेशी निवेशक

सितंबर में निकाल लिए 4200 करोड़, क्या खुलते ही गिरेगा बाजार?

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजारों में लगातार छह माह तक शुद्ध खरीदार रहने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) अब बिकवाल बन गए हैं। उन्होंने सितंबर में अबतक शेयर बाजारों से 4,200 करोड़ रुपये निकाले हैं। यस सिक्योरिटीज (इंडिया) लिमिटेड की मुख्य निवेश सलाहकार निताशा शंकर ने कहा कि आने वाले एक या दो सप्ताह में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी का सिलसिला जारी रह सकता है।उन्होंने कहा, ''इसके अलावा हमें रुपये के तेज उतार-चढ़ाव पर भी नजर रखने की जरूरत है, जो आगे चलकर एफपीआई प्रवाह को प्रभावित कर सकता है।'' डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने इस महीने में आठ सितंबर तक शेयरों से शुद्ध रूप से 4,203 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले एफपीआई का भारतीय शेयरों में निवेश अगस्त में चार माह के निचले स्तर 12,262 करोड़ रुपये पर आ गया था।

क्यों हो रही बिकवाली?

इससे पहले एफपीआई पिछले छह माह मार्च से अगस्त तक लगातार भारतीय शेयरों में लिवाल रहे थे। इस दौरान उन्होंने 1.74 लाख करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने सितंबर में रुझान में बदलाव के लिए अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने को प्रमुख वजह बताया। उन्होंने कहा कि इसके अलावा डॉलर सूचकांक की मजबूती की वजह से भी एफपीआई के रुख में बदलाव आया है।

वैश्विक परिस्थितियों भी कारक

मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी की मुख्य वजह वैश्विक ब्याज दर परिदृश्य, विशेष रूप से अमेरिका में अनिश्चितता और वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंता रही है।'' उन्होंने कहा कि ये चिंताएं व्यापक वैश्विक आर्थिक कारकों से उपजी हैं। इनमें कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और मुद्रास्फीति जोखिमों का फिर उभरना शामिल है।समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा डेट या बॉन्ड बाजार में 643 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसके साथ ही इस साल अबतक शेयरों में एफपीआई का कुल निवेश 1.31 लाख करोड़ रुपये और बॉन्ड बाजार में 28,825 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय- 06-07
सूर्य अस्त- 18-18
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल --पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - 23 -52 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष , सोमवार 11 September
नक्षत्र - पुष्य - 20-00 -तक उपरान्त आश्लेषा
योग - परिघ - 00 - 12 - तक उप शिव
करण- कौलव - 10 -39 - तक उप- तैतिल
विशेष:- बछ बारस
व्रत -त्योहार - गो वत्स पूजा

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	04-26 बजे
चंद्र-	कर्क में	कन्या..	06-32 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	08-37 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक.	10-46 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	13-02 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	15-07 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	16-58 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-35 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-12 बजे
		वृष--	21-56 बजे
		मिथुन..	23-58 बजे
		कर्क...	02-09 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:37 से 09:09 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:07 - 07:37	शुभ	चंचल.	18:17 - 19:49	शुभ
काल	07:37 - 09:09	अशुभ	रोग.	19:49 - 21:17	अशुभ
शुभ	09:09 - 10:41	शुभ	काल.	21:17 - 22:45	अशुभ
रोग	10:41 - 12:13	अशुभ	लाभ	22:45 - 00:13	शुभ
उत्पात	12:13 - 13:45	अशुभ	उत्पात	00:13 - 01:41	अशुभ
चंचल	13:45 - 15:17	शुभ	शुभ	01:41 - 03:09	शुभ
लाभ	15:17 - 16:49	शुभ	अमृत	03:09 - 04:37	शुभ
अमृत	16:49 - 18:18	शुभ	चंचल	04:37 - 06:07	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,) आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने की संभावना है जिससे आपको सफलता मिलेगी। लेकिन आपको ऐसी किसी भी चीज़ से बचना चाहिए जो आपकी ताकत को नष्ट करे। प्राचीन वस्तुओं और गहनों में निवेश लाभ और समृद्धि लाएगा। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताना सुखद रहेगा।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) आपका झगड़ालू स्वभाव आपके शत्रुओं की सूची में शामिल हो सकता है। किसी को भी आपको इतना गुस्सा न करने दें कि आप बाद में पछताएं। बिना उचित सलाह के निवेश करने से हानि होने की संभावना है। यदि आप सभी की मांगों का ध्यान रखने की कोशिश करेंगे तो आप कई अलग-अलग दिशाओं में बिखर जाएंगे।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) आप पार्टी में हीन भावना से ग्रसित हो सकते हैं। इसके बिना सकारात्मक सोच से खुद को इससे उबरने के लिए प्रोत्साहित करें- आप आत्मविश्वास नहीं रख पाएंगे। दिनभर के लिए जीने और मनोरंजन पर जरूरत से ज्यादा खर्च करने की अपनी प्रवृत्ति पर ध्यान दें। अगर आप उनके साथ समय नहीं बिताएंगे तो प्रियजन नाराज़ हो सकते हैं।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों के बीच ख़ुशियाँ तलाशने की ज़रूरत है। आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन-देन या किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते समय आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) आपकी कम जीवन शक्ति सिस्टम में पुराने ज़हर की तरह काम करेगी। बेहतर होगा कि आप खुद को किसी रचनात्मक काम में लगाएं और बीमारी से लड़ने के लिए प्रेरित करते रहें। अपने अतिरिक्त पैसे को एक सुरक्षित स्थान पर रखें जो आने वाले समय में आपको रिटर्न देने का वादा करेगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,) भागदौड़ भरे दिन के बावजूद सेहत उत्तम रहेगी। संपत्ति के सौदे फलीभूत होंगे और शानदार लाभ देंगे। कोई ऐसा व्यक्ति जिसके साथ आप रहते हैं, आपके आकस्मिक और अप्रत्याशित व्यवहार से निराश और परेशान हो सकता है। सिर्फ खुद को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने पार्टनर से झगड़ सकते हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) अपनी लंबी बीमारी को ठीक करने के लिए स्माइल थेरेपी का प्रयोग करें क्योंकि यह सभी समस्याओं के लिए सबसे अच्छा एंटीडोट है। निवेश करने और सट्टा लगाने के लिए दिन अच्छा नहीं है। आपके लुक्स में किए गए कुछ बदलाव परिवार के सदस्यों को नाराज़ कर सकते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) काम का दबाव और घर में अनबन कुछ तनाव दे सकती है। लंबित मुद्दे अस्पष्ट हो जाते हैं और ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाते हैं। दोस्त निजी जीवन को लेकर आपको अच्छी सलाह देंगे। अपने प्रिय की वफादारी पर शक न करें। ऐसा लगता है कि कार्यस्थल पर आपके वरिष्ठ आज फरिश्तों की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) आप अपने परिवार की खातिर अपनी खुशियों का त्याग करेंगे। लेकिन यह किसी भी रुचि और अपेक्षाओं से रहित होना चाहिए। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था उन्हें आज आर्थिक नुकसान हो सकता है। आज आपके पास सीमित धैर्य होगा- लेकिन सावधान रहें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) आपका उदार रवैया भेष में एक आशीर्वाद होगा क्योंकि आप संदेह, बेवफाई, अवसाद, विश्वास की कमी, लालच, मोह, अहंकार और ईर्ष्या जैसे कई दोषों से मुक्त होने की संभावना रखते हैं। जमीन-जायदाद और आर्थिक लेन-देन के लिए दिन शुभ है। परिवार के सदस्यों का हँसमुख स्वभाव घर के वातावरण को हल्का करेगा।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) गर्भवती माताओं के लिए विशेष देखभाल का दिन। दिन के उत्तरार्ध में आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज कोई ऐसा व्यक्ति जिसके मन में आपके प्रति दुर्भावना थी, वह मामले को सुलझाने की कोशिश करेगा और इसे आप तक पहुचायेगा। आपके प्रेमी या प्रेमिका आज पारिवारिक परिस्थितियों के कारण नाराज़ रह सकते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) मानसिक भय आपको परेशान कर सकता है। सकारात्मक सोच और उज्जवल पक्ष को देखने से यह दूर रहेगा। अचानक आए अप्रत्याशित ख़र्चों से आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। दोस्त आपको एक सुखद शाम के लिए अपने घर आमंत्रित करेंगे। पूरे ब्रह्मांड का परमानंद उन दोनों के बीच होता है जो प्यार में हैं।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

शिवाजी का बाघ नख लौटाएगा ब्रिटेन

इसी से धोखेबाज अफजल खान का सीना चीरा था, अंग्रेजों तक कैसे पहुंचा

मुंबई, 10 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। तारीख 10 नवंबर 1659। जगह महाराष्ट्र के सतारा का प्रतापगढ़ किला। छत्रपति शिवाजी महाराज सैनिकों के साथ किले में बैठकर अफजल खान का इंतजार कर रहे थे। अफजल खान बीजापुर की आदिल शाही हुकूमत का बेहतरीन योद्धा था। किले में दाखिल होते ही उसने शिवाजी को गले लगा लिया। शिवाजी कुछ समझते तभी अफजल खान ने कटार से उनपर हमला कर दिया।

शिवाजी ने अफजल खान की कमर को जकड़ा और पेट में 'बाघ नख' घुसा दिया। वहीं दाहिने हाथ से अफजल पर बिछुवे से हमला किया। शिवाजी का प्रहार इतना तेज था की अफजल खान की मौत हो गई। बाद में इस बाघ नख को अंग्रेज अफसर भारत से इंग्लैंड लेकर चले गए।

अब महाराष्ट्र के मंत्री सुधीर मुंगंतीवार ने इसी बाघ नख की वापसी का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि हम छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की 350वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। ऐसे में इस बाघ नख को देश के शिवभक्तों को देखने का मौका मिलना चाहिए। हम 3 अक्टूबर को ब्रिटेन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करेंगे और 'बाघ नख' वापस लाएंगे।

17वीं सदी की बात है। छत्रपति शिवाजी राजे भोसले के पिता शाहजी भोंसले एक महान राजा व रणनीतिकार थे। बीजापुर दरबार के एक बड़े सिपहसालार अफजल खान के साथ शिवाजी की कई कड़वी यादें जुड़ी हुई थीं। अफजल खान ने 1648 में शिवाजी के पिता शाहजी को बेड़ियों में जकड़ कर बीजापुर लाया था और 1654 में उनके बड़े भाई सांभाजी की मौत में भी उसका हाथ था।

यह वो दौर था जब उत्तर से लेकर दक्षिण तक भारत में अहम बदलाव हो रहे थे। भारत के पश्चिमी भाग में तीन इस्लामी सल्तनतें थीं- अहमदनगर की निजामी शाही, बीजापुर की आदिलशाही और गोलकुंडा की कुतुबशाही। ये तीनों भी आपस में लड़ते रहते थे। वहीं उत्तर से मुगल इन सल्तनतों को अपने राज्य में मिलाने के लिए लगातार दबाव डाल रहे थे ताकि दक्षिणी भारत में उनका वर्चस्व हो।

1657 में दुनिया का सबसे अमीर बादशाह शाहजहां गंभीर रूप से बीमार पड़ता है। उस समय दक्कन में मौजूद औरंगजेब अपने पिता की खबर पाते ही उत्तर की ओर सेना के साथ रवाना हो गया। अगले साल औरंगजेब मुगल बदशाह बनता है।

औरंगजेब ने जाते-जाते बीजापुर के सुल्तान को शिवाजी से सावधान रहने को कहा था। औरंगजेब ने शिवाजी को खतरनाक मराठा योद्धा बताया। दरअसल, उस वक्त अपनी गुरिल्ला युद्ध शैली के दम पर शिवाजी एक के बाद एक किले जीतते जा रहे थे। यह बात न तो ताकतवर मुगलों को हजम हो रही थी और न ही दक्कन की बड़ी सल्तनत बीजापुर को। उस वक्त बीजापुर का सुल्तान था अली आदिल शाह द्वितीय।

सुल्तान अली आदिल शाह तब कम उम्र का था। इस कारण राजकाज एक तरह से उसकी सौतेली मां बड़ी बेगम साहिबा ही चला रही थी। उसे शिवाजी से चिढ़ थी। वो हमेशा शिवाजी को अपना दुश्मन मानती थी। उसने एक दिन दरबार में खास लोगों को बुलावा भेजा। सामने एक तश्तरी रखी, जिसमें पान का बीड़ा था।

दरबार में आए लोगों से कहा गया कि जिसमें शिवाजी को खत्म करने की हिम्मत हो, वह बीड़ा उठाए। दरबार में खामोशी छा गई। बीजापुर की बड़ी सेना के बावजूद शिवाजी से टकराना बच्चों का खेल नहीं था। सभी को डर लग रहा था। तभी एक बड़ी कद काठी का शख्स सामने आया और उसने बीड़ा उठा लिया।

यह शख्स बीजापुर सल्तनत का सिपहसालार अफजल खान था। उसी दिन से अफजल खान ने छत्रपति शिवाजी को अपना दुश्मन मान लिया। अब अफजल किसी भी तरह शिवाजी से मुलाकात कर उनको मारने का प्लान बनाने लगा।

इतिहासकार जदुनाथ सरकार अपनी किताब 'शिवाजी एंड हिज टाइम्स' में लिखते हैं कि अफजल

खान ने बीजापुर के दरबार में डींग हाकी थी, शिवाजी कौन है? मैं उसको यहां जंजीरों में बांध कर लाऊंगा और इसके लिए मुझे अपने घोड़े से उतरना भी नहीं पड़ेगा।

इस के बाद दोनों के बीच कई संदेशों का आदान-प्रदान हुआ। आखिरकार तय हुआ कि 10 नवंबर 1659 को दोनों की मुलाकात होगी। अफजल खान एक पालकी में दो से तीन सैनिकों के साथ आएगा, उसे अपने हथियार लाने की अनुमति होगी। शिवाजी को भी अपने साथ उतने ही सैनिक और हथियार लाने की परमिशन होगी।

कवीद्र परमानंद अपनी किताब 'श्री शिवभारत' में लिखते हैं उस दिन शिवाजी ने सफेद रंग का जामा पहन रखा था। मुकुट के नीचे एक लोहे की टोपी छिपी हुई थी। उनके पास एक तेज कटार बिछवा थी, जो दाहिनी आस्तीन में छिपा रखी थी। बाएं हाथ में बाघ नख पहन रखा था। साथ में दो विश्वास पात्र सैनिक जीवा महाला और संभाजी कावजी थे। हालांकि अफजल खान शिवाजी के महल में तो सिर्फ दो सैनिकों के साथ पहुंचा, लेकिन बाहर कुछ दूर बड़ी संख्या में अपने सैनिकों को हमले के लिए तैयार रहने को कहा था।

महल में पहुंचते ही अफजल खान ने शिवाजी को गले लगाने के लिए अपनी बांहें फैला दीं। जैसे ही दोनों गले मिले शिवाजी अचानक परेशान हो गए, क्योंकि अफजल खान ने अचानक उनके गले को अपनी बाहों में जकड़ लिया और कटार से उन पर हमला किया। ये सब अचानक हुआ, लेकिन शिवाजी ने बहुत तेजी से प्रतिक्रिया दी।

अफजल खान की कमर को पकड़ लिया और उसके पेट में अपना बाघ-नख घुसा दिया। अपने दाहिने हाथ से उन्होंने अफजल पर बिछुवे से हमला किया। हमला होते ही अफजल खान चिल्ला पड़ा। सैनिकों को शिवाजी को मारने का आदेश दिया।

सबसे पहले अफजल की मदद के लिए उसका साथी कुलकर्णी आया। अगले ही मिनट अफजल के साथ आए दो सैनिकों में से एक सईद बंदा ने शिवाजी पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन शिवाजी के सैनिक जीवा महाला ने उसे मार गिराया। घायल अफजल को उनके सैनिक पालकी में बिठाकर भागने लगे। शिवाजी और उनके सैनिकों ने उनका पीछा किया। पहले उन्होंने पालकी उठाने वालों के पैर काटे और फिर उसमें सवार अफजल खान को मार डाला। इस हमले में अफजल का भतीजा रहीम खान भी मारा गया। उसी समय शिवाजी के साथियों ने बिगुल बजा दिया। जंगलों में छिपे शिवाजी के सैनिक बाहर निकल आए। बीजापुर के आदिलशाही सैनिकों ने भागने की कोशिश की, कुछ ने लड़ाई भी लड़ी, लेकिन उन्हें चारों ओर से घेर लिया गया था। इस हमले में कुल 3000 सैनिक मारे गए।

10 नवंबर को ही बाघ नख भारत लाने की कहानी

महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री सुधीर मुनगंटीवार के अनुसार हम हिंदू कैलेंडर के आधार पर उस ऐतिहासिक घटना की सालगिरह के साथ इसे वापस लाने की संभावना तलाश रहे हैं जब शिवाजी ने अफजल खान को मारा था। अफजल खान की हत्या की सालगिरह ग्रेगोरियन कैलेंडर में 10 नवंबर को पड़ती है। इसलिए हम सावधानी पूर्वक हिंदू तिथि कैलेंडर के आधार पर तारीखों का समन्वय कर रहे हैं।

सफल स्थानांतरण सुनिश्चित करने के लिए सुधीर मुनगंटीवार, प्रमुख सचिव संस्कृति डॉ. विकास खड़गे और राज्य के पुरातत्व और संग्रहालय निदेशालय के निदेशक डॉ. तेजस गर्गे का एक प्रतिनिधिमंडल विक्टोरिया और अल्बर्ट संग्रहालय और अन्य के दौरे पर जाएगा।

लंदन में प्रासंगिक संग्रहालय। यह सहयोगात्मक प्रयास अपनी समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के लिए महाराष्ट्र की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। राज्य 29 सितंबर से 4 अक्टूबर तक निर्धारित छह दिवसीय यात्रा के लिए लगभग 50 लाख रुपये आवंटित कर रहा है।

बाघ नख को लाने की क्या है प्रकिया ?

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत से बाहर ले जाई गईं कलाकृतियों को वापस लाने की दो प्रक्रियाएं हैं-

कानूनी प्रकिया - इसमें से कानूनी प्रक्रिया के जरिये वापसी न केवल जटिल है बल्कि इसमें समय भी ज्यादा लगने का अंदेशा है। कानूनी प्रक्रिया को पूरा करना और अपनी कलाकृतियों को वापस लाने में किसी भी देश को सालों तक इंतजार करना पड़ता है।

कूटनीतिक प्रक्रिया- जब भारत का प्रभुत्व दुनियाभर में बढ़ रहा है, तो कूटनीतिक प्रक्रिया यानी आपसी बातचीत के जरिए इन कलाकृतियों को वापस लाया जा सकता है। भारत सरकार कूटनीतिक प्रक्रिया से कई कलाकृतियों को भारत वापस ला चुकी है।

कांग्रेस एमआईसी सदस्य ने बीजेपी नेता को मारी लात

दुर्ग विधायक के सामने ही छाया पार्षद को जमीन पर पटका, गालियां दीं

दुर्ग, 10 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में पार्षदों की दबंगई और गुंडई की घटनाएं बार-बार सामने आ रही हैं। भिलाई के बाद अब दुर्ग निगम में कांग्रेसी पार्षद हमीद खोखर का वीडियो सामने आया है। पार्षद हमीद खोखर ने भाजपा नेता मतीन शेख को धक्का दिया। फिर लात से मारा और गाली गलौज की। खास बात यह है कि ये सब दुर्ग विधायक अरुण वोरा के सामने ही हुआ।

41 केलाबाड़ी के छाया पार्षद और बीजेपी नेता मो. मतीन शेख ने बताया कि राज्य सरकार मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज पर हमर क्लीनिक योजना चला रही है। इसके तहत हर वार्ड में एक क्लीनिक बनाया जाना है। दो दिन पहले विधायक वोरा वार्ड 40 में क्लीनिक का भूमि पूजन करने पहुंचे थे। इस पर लोगों ने विरोध शुरू कर दिया।

छाया पार्षद मतीन शेख ने विधायक वोरा को ज्ञापन देकर कहा कि ये योजना वार्ड 41 की है तो उसे वहीं बनाया जाए। उन्होंने वार्ड 40 के स्कूल परिसर में क्लीनिक बनाए जाने का विरोध किया। आरोप है कि यह देख पार्षद हमीद खोखर भड़क गए। उन्होंने गाली गलौज करते हुए छाया पार्षद मतीन शेख की लात-घूंसों से पिटाई कर दी। किसी तरह लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया।

विधायक के समझाने पर नहीं माना कांग्रेसी पार्षद

विवाद शांत करने के लिए विधायक अरुण वोरा ने बीच बचाव किया, लेकिन उसके बाद भी पार्षद हमीद नहीं माना। दुर्ग नगर निगम के स्वास्थ्य प्रभारी और एमआईसी सदस्य हमीद खोखर विधायक के सामने ही छाया पार्षद वहां से हटाया और खुद कुर्सी पर बैठ गया। इसके बाद विधायक छाया पार्षद को लेकर दूसरे कमरे में गए। इस पर कांग्रेसी पार्षद वहां भी पहुंच गया और मो. मतीन से झगड़ा करने लगा।

बिना एनओसी बनाया जा रहा हमर क्लीनिक

मोहल्ले के निवासी राजेश वर्मा का कहना है कि जिस जमीन में हमर क्लीनिक बनाया जा रहा है वो दान की है। त्रिलोचन कुर्रे ने इस जमीन को बालवाड़ी और गार्डन के लिए दिया था। इसके बाद नगर निगम यहां स्कूल बना दिया। अब वार्ड 41 का पार्षद हमीद खोखर यहां अस्पताल बना रहा है। नियम के मुताबिक इसके लिए उन्हें शिक्षा विभाग से एनओसी लेना था, लेकिन यह भी नहीं लिया गया।

अरुण साव के कार्यक्रम में नहीं पहुंचे कई बड़े चेहरे

प्रदेश अध्यक्ष की दो टूक- नहीं बदलेंगे प्रत्याशी, नाराज लोगों को मना लिया जाएगा

गरियाबंद, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बीजेपी प्रत्याशी रोहित साहू को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में नाराजगी के बीच बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव गरियाबंद पहुंचे। राजिम में केंद्रीय चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करने पहुंचे अरुण साव ने कहा कि हर परिवार में नाराजगी होती है, लेकिन उन्हें मना लिया जाता है।

राजिम में बीजेपी ने प्रदेश के पहले चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया है। इसके उद्घाटन के लिए भी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव का यहां आना नेताओं को मनाने के अभियान का ही एक हिस्सा बताया जा रहा है।

इधर 6 सितंबर को छुरा में आयोजित बैठक में हुए बवाल के बाद अब प्रतिद्वंद्वी दावेदारों ने घोषित प्रत्याशी रोहित साहू के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान भी चलाना शुरू कर दिया है। प्रदेश के बड़े नेताओं ने हल्ला बोलने वालों को दो टूक में कहा था कि घोषित प्रत्याशी का नाम बदलने की परिपाटी भाजपा में नहीं है, जिसके बाद प्रतिद्वंद्वियों ने हस्ताक्षर अभियान चलाने की ठान ली।

भाजपाई क्यों नही पचा पा रहे रोहित साहू को

साल 2000 में पहले सीएम

बने अजीत जोगी, तो रोहित साहू उनके करीबी थे। उस वक्त रोहित सेमरतरा के सरपंच थे। अजीत जोगी से राजिम के भाजपाई प्रताड़ित थे। रोहित को जोगी कांग्रेस ने 2018 का राजिम प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा था। वे 23,776 वोट लेकर भाजपा के बाद तीसरे स्थान पर रहे। इस चुनाव में भी रोहित भाजपा का वोट काटू साबित हुए थे। जिसकी वजह से भाजपाई उन्हें नापसंद करने लगे। रोहित ने नवंबर 2021 में भाजपा प्रवेश किया, लेकिन आज भी पार्टी के स्थानीय नेता उन्हें भाजपाई नहीं मानते।

केंद्रीय चुनाव कार्यालय के उद्घाटन में भी नहीं पहुंचे कई बड़े चेहरे

राजिम विधानसभा में प्रत्याशी एलान के बाद भाजपा नेताओं में फैली नाराजगी अब सार्वजनिक हो चुकी है। 6 सितंबर को छुरा रेस्ट हाउस में धरम लाल कौशिक के सामने भड़ास निकालने के दिन भाजपा के सभी चेहरे नजर आ रहे थे, लेकिन आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के कार्यक्रम में ये चेहरे फिर से एक बार नदारद दिखे।

पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्वेता शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा जैसे कई दिग्गज आज के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। अब तक प्रत्याशी चयनित हो चुके विधानसभा क्षेत्रों में आज पहले चुनावी केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन था। इधर जहां ज्यादा विवाद वहीं पहला कार्यालय खोलकर आलाकमान ने यह संकेत भी दे दिया है कि निर्णय बदलेगा नहीं।

मीडिया के सवाल के जवाब में अरुण साव ने भी तो टूक कहा कि प्रत्याशी बदलेगा नहीं। भाजपा एक परिवार है, परिवार के सदस्य नाराज हों, तो उन्हें मना लिया जाता है। हम सब मिलकर रोहित साहू को जिताएंगे।

पहले के बैठकों में दिखी थी नाराजगी

प्रत्याशी एलान के बाद उपजी नारजागी को दूर करने लगातार किसी न किसी बहाने राजिम में बड़े नेताओं का दौरा हो रहा है। 4 अगस्त को राष्ट्रीय कैडर के नेता रायपुर संभाग के चुनाव प्रभारी दिलीप जायसवाल राजिम में बैठक लेने पहुंचे थे, लेकिन बड़े नेताओं ने उनका बायकॉट कर दिया। 27 अगस्त को मध्य भारत क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल की बैठक से भी दूरी बनाई गई।जो मौजूद रहे, उन्होंने भी नाराजगी जाहिर की।

30 अगस्त को विधान सभा प्रभारी दीपक महस्के ने बैठक बुलाई। कोर कमेटी और जिला पदाधिकारी मिलाकर राजिम के 35 चेहरे अपेक्षित थे, लेकिन 10 चेहरे भी बैठक में शामिल नहीं हुए।

ईडी के डर से गायब हो रहे जमीन घोटालों के रिकार्ड

अफसर अज्ञात पर करा रहे केस

रांची, 10 सितंबर (एजेंसियां)। प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई से बचने के लिए जमीन घोटाले में फंसे अफसर और जमीन दलाल बचाने के लिए पूरा जोर लगाए हुए हैं। ईडी के डर से रांची, हजारीबाग, रामगढ़, देवघर, सिमडेगा, खूंटी सहित राज्य के कई जिलों में फर्जी तरीके से किए गए म्यूटेशन, व जमाबंदी खोलने के आदेश से संबंधित फाइलें अपर समाहर्ता (एसी), भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) सहित विभिन्न अंचलों से गायब हो रही हैं। संबंधित कार्यालय के अफसर अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज करा अपनी गर्दन बचा रहे हैं।

रांची में एकबार फिर बेशकीमती जमीन का दस्तावेज गायब कर दिया गया है। हिनू मौजा के खाता संख्या 328 के प्लॉट संख्या 514 की 1.55 एकड़ जमीन का लगान निर्धारण गलत तरीके से 1989-90 में बिल्टु अली और करना भुईया के नाम से कर दिया गया था।

2013 में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। तत्कालीन एसडीओ रामानंद प्रसाद सिंह, डीसीएलआर सुबोध कुमार गुप्ता, सीओ नरेश कुमार, अंचल निरीक्षक राजदेव दुबे और हल्का कर्मचारी अवधेश शर्मा सहित 27 लोग अभियुक्त बनाए गए थे। जांच आगे बढ़ी तो दस्तावेज गायब हो गए। सदर सीओ अमित भगत ने 8 सितंबर को कोतवाली थाना में अज्ञात पर केस दर्ज कराया है।

सेवन डे एडवेंटिस्ट सीनियर सेकेंड्री स्कूल खूंटी से संबंधित रेकर्ड गायब। हेहल अंचल के 12 एकड़ जमीन के दस्तावेज एलआरडीसी के कार्यालय से गायब हो गए। तुरूप-बुकी मौजा में दर्जनों लोगों के नाम पर गलत तरीके से दाखिल-खारिज करने के मामले में जून 2015 में अनगड़ा अंचल की लिपिक मेरी प्रिस्का होरो ने तत्कालीन सीओ व राजस्व कर्मचारी पर केस दर्ज।

सीओ ने माना सोची-समझी साजिश कर गायब किए दस्तावेजः सीओ अमित भगत ने प्राथमिकी में कहा है कि 2 सितंबर 2022 को अपर समाहर्ता ने अनुसंधानकर्ता को सूचना दी थी कि उक्त रेकर्ड की खोज के लिए टीम बनाई गई थी, लेकिन नहीं मिली। कस्टोडियन को चिन्हित नहीं किया जा सका है। सदर एसडीओ ने 3 सितंबर 2022 को सूचना दी गई कि 9 सितंबर 1996 में तत्कालीन एसडीओ द्वारा रेकर्ड की खोजबीन के लिए आठ सदस्यीय टीम का गठन किया गया था।

खोजबीन में सिर्फ फोटो कॉपी मिली। फोटो कॉपी को तत्कालीन डीसी एसएस वर्मा ने तत्कालीन एसडीओ एमपी यादव को भेजी गई थी। पर यह दस्तावेज एसी, डीसीएलआर और सीओ कार्यालय में नहीं मिला। इससे साफ है कि किसी ने सोची समझी साजिश के तहत उक्त रेकर्ड को गायब कर दिया है, इसलिए उचित कार्रवाई करें।

नामकुम अंचलः चाय बागान की 100 एकड़ जमीन के रेकर्ड भी नहींः नामकुम अंचल के बरगांवा मौजा की चाय बागान की 100 एकड़ से अधिक जमीन से जुड़े रेकर्ड अपर समाहर्त्ता भू-हदबंदी के कार्यालय से गायब हो गई थी। भू-हदबंदी वाद संख्या 144/73-74 का रेकर्ड कार्यालय से गायब होने के मामले में अपर समाहर्ता भू-हदबंदी ने अज्ञात पर कोतवाली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

इसमें कहा है कि नामकुम अंचल के मौजा बरगांवा के खाता नंबर 221 के प्लॉट नंबर 128, खाता संख्या 125 के प्लॉट संख्या 09, खाता संख्या 124 के प्लॉट संख्या 10, खाता संख्या- 215 के प्लॉट संख्या 121, 123, 125 से संबंधित रेकर्ड गायब हो गया है, इसलिए अज्ञात पर केस दर्ज किया जाए। पर, कोतवाली पुलिस इस मामले में एक कदम आगे नहीं बढ़ी।

अपार्टमेंट के 10वें तल्ले से गिरी महिला..मौत

हरिहर सिंह रोड के स्काई डेल अपार्टमेंट की घटना, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

रांची, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची के मोरहाबादी स्थित हरिहर सिंह रोड में एक महिला की अपार्टमेंट के 10वें तल्ले से गिरकर मौत हो गई है। यह वारदात हरिहर सिंह रोड के स्काई डेल अपार्टमेंट की है। मरने वाली महिला का नाम मधुबाला है। उसकी उम्र लगभग 45 साल बतायी जा रही है। पुलिस ने पति के बायन पर यूडी केस दर्ज किया है। वहीं बरियातू पुलिस जांच में जुटी हुई है। वहीं शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अपार्टमेंट के 10वें तल्ले से गिर कर मरने वाली महिला दरअसल अपार्टमेंट के चौथे तल्ले में रहती थी। उसके पति का नाम चंद्रेश्वर प्रसाद है। वह शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं। उन्होंने पुलिस को जो जानकारी दी है, उसके मुताबिक मधुबाला उनकी दूसरी पत्नी थी। परिवार में उनके अलावा पत्नी और 10 साल का बेटा रहता है। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी की अपार्टमेंट से कूदकर जान देने की बात पड़ोसियों ने बतायी। जानकारी मिलते ही वह आनन-फानन में नीचे आए तो देखा कि पत्नी लहूलुहान होकर गिरी पड़ी है। महिला के पति चंद्रेश्वर प्रसाद के मुताबिक रात में सोते वक्त तक सब ठीक था। ऐसी भी कोई बात नहीं थी कि आपस में कोई विवाद हुआ हो, इसके बाद उसने ऐसा कदम उठाया, इसका एहसास नहीं था। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी अपने 10 साल के बेटे के साथ सोती थी। वहीं वे दूसरे कमरे में सोते थे। हर दिन की तरह दोनों खाना खाने के बाद सोने चले गए। रविवार की सुबह वह कब घर से निकल गयी पता ही नहीं चला। उन्होंने बताया कि मधुबाला उनकी दूसरी पत्नी थी।

आपसी विवाद के बाद एक छात्रा ने खाया जहर

8वीं में पढ़ने वाली लड़कियां आपस में भिड़ीं; अस्पताल में कराया गया भर्ती

जगदलपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सुकमा जिले में 8वीं क्लास में पढ़ने वाली एक छात्रा ने जहर खा लिया है। तबीयत बिगड़ी तो उसे रात में ही आनन-फानन में अस्पताल लाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि पोटाकेबिन में छात्राओं के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद छात्रा ने सुसाइड करने का प्रयास किया। मामला एर्राबोर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, छात्रा एर्राबोर के पोटाकेबिन में रहकर पढ़ाई करती है। खाना खाने के बाद सारी छात्राएं अपने कमरे में ही बैठी हुई थीं। इसी बीच कुछ छात्राओं के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। फिर इनमें से एक छात्रा ने छिपते-छिपाते किसी नशीली पदार्थ का सेवन कर लिया। कुछ देर बाद

उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। इसके बाद वहां मौजूद अन्य छात्राओं ने अधीक्षिका को इसकी जानकारी दी।

फिर उसे कोंटा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टर ने छात्रा का प्रारंभिक उपचार किया और बेहतर इलाज के लिए सुकमा जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल में छात्रा का इलाज अभी जारी है। फिलहाल उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। उधर, प्रशासन की टीम भी पोटाकेबिन की अन्य छात्राओं से बातचीत कर रही है।

भारत में जी20 की सफलता से तिलमिलाया चीन

अमेरिका-पश्चिम देशों पर लगाया अपने एजेंडे को बढ़ावा देने का आरोप

बीजिंग, 10 सितंबर (एजेंसियां)। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने पहले दिन ही दिल्ली डिक्लेरेशन के लिए सभी देशों को मनाकर झंडे गाड़ दिए। रूस-युक्रेन जंग के बीच पश्चिमी देशों और रूस-चीन के दो अलग-अलग धड़ों को किसी बात पर राजी कर पाना आसान नहीं था, लेकिन भारत ने यह करके दिखा दिया। वहीं, ब्रिटेन ने ग्रीन क्लाइमेट फंड को दो अरब डॉलर देने का एलान किया। इस बीच चीन के दैनिक अखबार का एक संपादकीय सामने आया है, जिससे स्पष्ट है कि भारत में जी-20 की सफलता से चीन भड़क उठा है। उसने अमेरिका-पश्चिम देशों पर अपने एजेंडे को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है।

भारत से अलग अमेरिका की चाहत

दरअसल, चीन के एक अखबार ने अपने संपादकीय में कहा कि भारत इस वर्ष के जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान आर्थिक सुधार और बहुपक्षीय कूटनीति पर चर्चा कर ध्यान केंद्रित करना चाहता है। हालांकि, यह अमेरिका और पश्चिम देशों के चाहत से अलग है। संपादकीय में उम्मीद जताई कि इस साल नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन व्यवधानों को दूर करेगा और एक सफलता की कहानी बनाएगा। चीन ने अमेरिका और पश्चिम देशों पर अपने स्वयं के एजेंडे को बढ़ावा देने और वैश्विक उत्तर और दक्षिण को विभाजित करने के साथ-साथ पश्चिम और पूर्व के बीच टकराव को भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उसने निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिका और पश्चिम, जो अक्सर दावा करते हैं कि वे भारत के साथ खड़े हैं, ने जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले देशों के बीच मतभेदों को प्रचारित करने के लिए बहुत प्रयास किए हैं। वे आर्थिक सहयोग के लिए एक प्रमुख विश्व मंच पर अपने एजेंडे को बढ़ावा देना चाहते हैं।

भारत के लिए ये मुद्दे महत्वपूर्ण

अखबार ने अपने संपादकीय में लिखा कि भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए छह मुद्दों को प्राथमिकता दी है। इनमें हरित विकास और जलवायु वित्त, समावेशी विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था, सार्वजनिक बुनियादी ढांचा, प्रौद्योगिकी परिवर्तन और सामाजिक-आर्थिक प्रगति के लिए महिला सशक्तिकरण में सुधार शामिल हैं। चीन के संपादकीय में कहा गया कि इस मुद्दों से साफ है कि भारत आर्थिक सुधार और बहुपक्षीय कूटनीति पर चर्चा पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है, जो हमेशा से जी-20 मंच का मुख्य विषय रहा है। नई दिल्ली ने बार-बार कहा है कि यह मंच भूराजनीतिक प्रतिस्पर्धा का स्थान नहीं है। चीन ने कहा कि उदाहरण के लिए भारत-चीन संघर्ष ले सकते हैं, जिसे अमेरिका और पश्चिम देश बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं। जबकि, हाल ही में भारतीय विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने मीडिया में साफ कहा था कि मैं इसे उस तरह से बिल्कुल नहीं देखूंगा जैसा दूसरे लोग सुझाएंगे।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर ध्यान

चीन ने कहा कि जहां तक उस मुद्दे का सवाल है जिस पर पश्चिम सबसे अधिक ध्यान दे रहा है, वह है रूस-यूक्रेन युद्ध। जबकि भारत ने इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए यूक्रेनी नेता को आमंत्रित नहीं किया। संपादकीय में आगे कहा गया कि हालांकि यह भी वह परिणाम नहीं है, जो अमेरिका और पश्चिम चाहते हैं।

जी-20 को तोड़ना लक्ष्य

यह लोग जी-20 को तोड़ना चाहते हैं। इन्होंने पिछले साल इंडोनेशिया के बाली में हुए शिखर सम्मेलन के बाद जी-20 को तोड़ने की इच्छा दिखाई है। इस वर्ष, उन्होंने इसे लेकर अपने प्रयास भी तेज कर दिए हैं। अमेरिका की मीडिया में हाल ही में एक भड़काऊ सवाल पूछा गया कि क्या दुनिया को अभी भी जी-20 की जरूरत है?

अमेरिका पर सवालों की बौछार

चीन ने कहा कि फिलहाल इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि जी-20, जो साल 2008 के वित्तीय संकट के समय बनाया गया था उसे बरकरार रखा जाए। उसने कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन से न केवल विकासशील देशों को, बल्कि अमेरिका और पश्चिम को भी भारी लाभ हुआ है। हालांकि, अब कौन सा देश बार-बार विभिन्न वैश्विक सहयोग तंत्रों से पीछे हट रहा है? ऊंची बाड़ कौन बना रहा है? अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में गुट टकराव को कौन बढ़ावा दे रहा है? कौन दुनिया भर में समस्याएँ फैला रहा है और सामान्य सहयोग को कमजोर कर रहा है? उन्होंने कहा कि इन कारणों की वजह से जी-20 सहित वैश्विक सहयोग तंत्र प्रभावित हुआ है।

ड्रैगन और हाथी के बीच मतभेद कराना उद्देश्य

ड्रैगन ने आरोप लगाया कि शिखर सम्मेलन से पहले अमेरिका ने बेवजह चीन को एक चेतावनी जारी की और उससे जी-20 शिखर सम्मेलन में स्थिति बिगाड़ने वाली भूमिका न निभाने का आग्रह किया। इस संबंध में हम यह कहना चाहेंगे कि अगर हम चीन की अदला-बदली अमेरिका से करें तो ये शब्द बिल्कुल सटीक हैं। अगर अमेरिका दो देशों में लड़ाई बढ़वाना बंद कर दे, तो सही रहेगा। चीन के संपादकीय में कहा गया है कि पिछले साल, इंडोनेशिया की जी20 अध्यक्षता के तहत कड़ी मेहनत से प्राप्त परिणाम प्राप्त किए गए थे। हमें उम्मीद है कि इस साल नई दिल्ली में होने वाला जी-20 शिखर सम्मेलन व्यवधानों को दूर करेगा और एक सफलता की कहानी बन जाएगा।

ताइवान जलडमरूमध्य में फिर बढ़ा तनाव

अमेरिका और कनाडा के युद्धपोत भेजने से भड़का चीन

ताइपे, 10 सितंबर (एजेंसियां)। ताइवान जलडमरूमध्य में तनाव फिर बढ़ गया है। यह तनाव अमेरिका और कनाडा के द्वारा दो युद्धपोतों को जलडमरूमध्य से रवाना करने के बाद हुआ है। दोनों देशों ने इस क्षेत्र में चीन के दावे को चुनौती दी है।

ताइवान पर चीन का दावा

चीन दावा करता आ रहा है कि ताइवान उसके क्षेत्र का हिस्सा है। यदि जरूरी हुआ तो उसे बलपूर्वक फिर से चीन का हिस्सा बनाया जाएगा। चीन ने अमेरिकी नौसेना और उसके सहयोगियों की कार्रवाई को उत्तेजक बताया। अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के मुताबिक, यूएसएस राल्फ जॉनसन और रॉयल कैनेडियन नेवी हैलिफ़ैक्स-क्लास फ्रिगेट एचएमसीएस ओटावा ताइवान जलडमरूमध्य में एक गलियारे से होकर गुजरे। इसे अमेरिका ने 'नेविगेशन की स्वतंत्रता' अभियान बताया।

चीन ने ताइवान के पास बढ़ाई सैन्य गतिविधि

दूसरी तरफ, चीन ने भी ताइवान के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ा दी हैं। उसने युद्धपोत और युद्धक विमानों को भेजना शुरू कर दिया है। अमेरिका ने जून में एक वीडियो जारी किया था, जिसमें चीनी नौसेना के एक जहाज ने अमेरिकी जहाज को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी। चीन का कहना है कि उसने अमेरिका और कनाडा के जहाजों पर नजर रखी थी। उसकी सेनाएं कानून के मुताबिक इन स्थितियों से निपटी थीं।

तिब्बत में भूकंप से कांपी धरती, जान-माल का नुकसान नहीं

जिजांग, 10 सितंबर (एजेंसियां)। तिब्बत में रविवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह भूकंप जिजांग में आया। हालांकि, जान-माल के नुकसान की अभी तक कोई खबर नहीं आई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप सुबह पांच बजकर 40 मिनट पर आया। भूकंप की तीव्रता 4.0 रही।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बस दुर्घटना; छह की मौत, 50 घायल

लाहौर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रविवार को तेज रफ्तार बस पलट गई। हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। बस एक धार्मिक सभा के लिए ईसाई तीर्थयात्रियों को ले जा रही थी। हादसा लाहौर से करीब 50 किलोमीटर दूर शेखूपुरा में हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, बस ईसाई तीर्थयात्रियों को मरियमाबाद में राष्ट्रीय मैरियन श्राइन में धार्मिक सभा के लिए ले जा रही थी। खानका डोगरान, शेखुपुरा में एक मोड़ पर बस पलट गई। पुलिस और बचाव अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया कि छह यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। बस में क्षमता से ज्यादा 60 यात्री सवार थे। मोड़ लेते समय चालक ने तेज रफ्तार वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और स्वास्थ्य अधिकारियों को घायलों को सर्वोत्तम उपचार प्रदान करने का निर्देश दिया। मरियमाबाद में राष्ट्रीय मैरियन श्राइन 1949 से मैरी के जन्मोत्सव के लिए वार्षिक तीर्थयात्रा का स्थल रहा है।

चुनावी तैयारी के लिए भाजपा की लोकसभा स्तर पर होगी बैठकें

मैदान में उतरेंगे पर्यवेक्षक

देहरादून, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बागेश्वर उपचुनाव जीतने के बाद भाजपा अब लोकसभा और निकायों के चुनाव की तैयारी में जुट गई है। पहले चरण में पार्टी 11 सितंबर से 15 सितंबर तक लोकसभा स्तर पर बैठकें करेगी, जिनमें लोकसभा क्षेत्र के तहत सभी विधायक और मंडल अध्यक्ष व महामंत्री भाग लेंगे। उधर, निकाय चुनाव में जिताऊ उम्मीदवारों की तलाश के लिए पार्टी पर्यवेक्षकों को अगले सप्ताह फील्ड में उतारेगी। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के मुताबिक, इन बैठकों में बूथ प्रबंधन की रणनीति बनेगी। जनहित में संचालित केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं, कल्याणकारी कार्यक्रमों पर चर्चा होगी। साथ ही मंडल अध्यक्षों व महामंत्रियों से सुझाव भी लिए जाएंगे। भट्ट के मुताबिक, पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं से भी सुझाव लिए जाएंगे। इन बैठकों में पार्टी लोकसभा चुनाव के लिए हर बूथ पर 51 प्रतिशत वोट हासिल करने की योजना बनाएगी। इसमें निकाय चुनाव की रणनीति पर भी मंथन होगा। निकाय चुनाव की तैयारी के मद्देनजर पार्टी ने पर्यवेक्षकों को अगले सप्ताह से सभी क्षेत्रों में प्रवास करने के निर्देश दे दिए हैं। पार्टी अध्यक्ष के मुताबिक, प्रवास के दौरान पर्यवेक्षक, एससी, एसटी व महिला आरक्षण और सामान्य वर्ग की सभी संभावनाओं पर विचार करते हुए संभावित जिताऊ उम्मीदवारों की सूची तैयार करेंगे।

सुबह-सुबह रूस के कीव पर हवाई हमला, 2 घंटे तक गूंजती रही विस्फोटक आवाज

कीव, 10 सितंबर (एजेंसियां)। रूस ने सुबह-सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर हवाई हमले किए। अधिकारियों ने कहा कि कीव और उसके क्षेत्र में लगभग दो घंटे तक विस्फोट हुए और शहर के कई केंद्रीय जिलों पर ड्रोन का मलबा गिरा। हमले के पैमाने का तत्काल पता नहीं चल पाया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, कीव में कम से कम पांच विस्फोट सुनाई दिए गए और यूक्रेनी मीडिया फुटेज में कई कारें क्षतिग्रस्त दिखाई दीं। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि ऐतिहासिक पोडिल पड़ोस में एक व्यक्ति घायल हुआ है और शहर के एक पार्क के पास आग लग गई है। क्लिट्स्को और शहर के सैन्य प्रशासन ने कहा कि ड्रोन का मलबा डार्नित्स्की, सोलोमियांस्की, शेवचेनकिव्स्की, स्वियातोशिन्स्की और पोडिल जिलों पर गिरा है। शेवचेनकिव्स्की जिले में, ड्रोन के मलबे से एक अपार्टमेंट में आग लग गई, जिस पर तुरंत काबू पा लिया गया। कीव के सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेरही पोपको ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर कहा, किसी के घायल होने की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। हमलों के बारे में रूस की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। मॉस्को, यूक्रेन के क्षेत्र पर लगभग रात-रात हमले कर रहा है। बुधवार को पूर्वी शहर कोस्टियानटिनिव्का में रूसी हमले में 17 लोगों की मौत हो गई थी।

'ताइवान पर चीन कभी भी कर सकता है हमला', पूर्व यूएस एनएसए के दावे से मची खलबली

ताइपे, 10 सितंबर (एजेंसियां)। चीन ने असीम ताकत हासिल कर ली है और अब वह किसी भी पल ताइवान पर हमला कर सकता है। ये कहना है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन का। उनके इस दावे की वजह से टेंशन बढ़ गई है। चीन और ताइवान के बीच पिछले कुछ महीनों में काफी तनाव बढ़ा है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। बीजिंग पहले ही कह चुका है कि वह ताइवान को अपने साथ करके रहेगा, फिर इसके लिए बलप्रयोग क्यों न करना पड़े। डेली एक्सप्रेस यूएस की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व एनएसए बोल्टन ने चेतावनी दी है कि चीन की आर्थिक मंदी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और कम्युनिस्ट पार्टी को आश्वस्त कर सकती है कि अब ताइवान पर कब्जा करने का वक्त आ गया है। बोल्टन डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रह चुके हैं। वह रिपब्लिकन पार्टी के राज में कई प्रमुख पदों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। ऐसे में उनके जरिए चीन-ताइवान को लेकर कही गई इस बात में दम भी नजर आ रहा है।

क्यों ताइवान पर हमले का अब ज्यादा डर?

जॉन बोल्टन ने कहा कि एक ऐसा सिद्धांत है, जिसे लेकर मुझे लगता है कि इसमें बहुत दम है। आप ये मानकर चलें कि सैन्य बल तभी होता है, जब कोई देश आर्थिक शक्ति के तौर पर अच्छे से काम करे। वह कहते हैं कि अगर चीन को लगता है कि आने वाले समय में उसकी आर्थिक विकास और आर्थिक जीवन शक्ति में गिरावट होगी। इसका सीधा मतलब है कि उसे ये बात भली-भांति मालूम है कि आने वाले वक्त में उसकी सैन्य ताकत भी पहले के मुकाबले कम हो जाएगी।

अमेरिका के पूर्व एनएसए ने कहा कि इस तरह से चीन अभी अपनी शक्ति के चरम पर है। उसे अपनी आर्थिक शक्ति के कम होने का खतरा भी है। इसका मतलब हुआ कि अगर उसे कुछ करना है, तो ये सबसे बेहतरीन समय है। उन्होंने इस बात की ओर इशारा किया कि चीन की नजर कहीं न कहीं ताइवान पर पड़ चुकी है। ऐसे में अब वह बस मौके की तलाश में है, जैसे ही उसे ये मिलेगा, वैसे ही वह ताइवान पर हमले को अंजाम दे सकता है।

बोल्टन ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर चीन हमले की तैयारी कर लेता है, तो अमेरिका अभी इससे निपटने क लिए तैयार नहीं है। चीन इसे एक मौके के तौर पर देखेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अपना रक्षा बजट कम होने दिया है और अब हम इसके परिणाम देख रहे हैं। बोल्टन का कहना है कि चीन के लिए एक बेहतरीन मौका है। मुझे लगता है कि यही एक वजह है, जिसे लेकर अब ताइवान को चिंतित होने की जरूरत है।

चीन में आर्थिक मंदी

जिनपिंग के इशारे पर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने देश की मंद होती अर्थव्यवस्था को अपने कंट्रोल में कर लिया है। चीन में आर्थिक मंदी का असर दिखना शुरू हो गया है। कई सारी कंपनियों के बंद होने की खबरें भी हैं। देश के एक्सपोर्ट में गिरावट हो रही है। रियल एस्टेट की कई दिग्गज कंपनियां दिवालिया हो रही हैं। इस वजह से ऐसा लगने लगा है कि चीन की शक्ति आने वाले दिनों में और भी ज्यादा कम होने वाली है।

फर्जी पुलिसकर्मी बन एक लाख ठगे

दुकानदार को पीटा, गाड़ी में हो गए फरार

सोलन, 10 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल के अर्की में एक कारोबारी के साथ फर्जी पुलिस बनकर आए शातिरों ने एक लाख रुपये की ठगी की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज करने के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उनका चौथा साथी नाबालिग भी इस मामले में संलिप्त है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद उन्हें पांच दिन की पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस के अनुसार सुरेंद्र कुमार निवासी अर्की ने शिकायत दी कि उसकी दुकान पर कुछ लोग आए। इसकी जानकारी दुकान में कार्यरत मस्त राम ने दी।

उसने बताया कि दुकान में खुफिया पुलिस विभाग में कार्यरत लोग आए हैं और दुकान में पड़े कैश को कब्जे में ले लिया है। उसके बाद मस्त राम से फोन करवाया और जल्दी दुकान में आने को कहा। जब वह दुकान पर पहुंचा तो उन तीन लोगों ने उसे पकड़ लिया और मारपीट की। उसके बाद एक काले रंग की गाड़ी लेकर वहां पर युवक आया, वह भी उनका साथी था। इन चार व्यक्तियों ने इन दोनों को जबरन गाड़ी में बिठा लिया और कांगरी धार ले गए। वहां जाकर और पैसे की मांग की। कहा कि पैसा नहीं दिया तो जान से मार देंगे। पीड़ित व्यक्ति ने सात सितंबर उनको उनकी मांग के अनुसार एक लाख रुपये दिए। आरोपियों ने धमकी दी कि अगर इस बारे में उसने किसी को भी बताया तो झूठे केस में फंसा देंगे। इसके बाद थाना अर्की में केस दर्ज किया गया। आरोपियों की पहचान अशोक निवासी पेवठा, शालाघाट, हेमचंद और मोहित निवासी फलोदन दाड़लाघाट के तौर पर हुई है। मामले की पुष्टि एसपी सोलन गौरव सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मालदीव चुनाव में भारत के दोस्त इब्राहिम सोलेह को बड़ा झटका, चीन समर्थक माले के मेयर निकले आगे

माले, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मालदीव के चुनाव में विपक्ष ने बढ़त बना ली है। भारत के दोस्त राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलेह पिछड़ गए हैं। इस चुनाव पर चीन और भारत दोनों की ही नजर है। दोनों देश हिंद महासागर में अपना वर्चस्व बढ़ाने के लिए मालदीव को अपने पक्ष में रखना चाहते हैं। लगभग सभी मतपत्रों की गिनती पूरी हो गई है। शुरुआती परिणामों से पता चला कि राजधानी माले के मेयर मोहम्मद मुइज्जू को 46 फीसदी वोट मिले। वहीं सोलेह को 39 फीसदी मत प्राप्त हुए। इब्राहिम सोलेह जहां भारत समर्थक हैं तो वहीं मोहम्मद मुइज्जू चीन के करीब हैं। 45 साल के मुइज्जू ने मालदीव में भारत की उपस्थिति सीमित करने का वादा करते हुए चुनाव लड़ा। इसमें मालदीव में तैनात भारतीय सैनिकों की एक छोटी टुकड़ी को बाहर करना भी शामिल है। मुइज्जू की पार्टी का नाम प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) है। उनकी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 2013-18 तक सत्ता में रहते हुए चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव पर हस्ताक्षर किया। इसके जरिए उन्हें चीन से लाखों डॉलर का कर्ज मिला। इसके बाद मालदीव और चीन करीब हो गए। इब्राहिम सोलेह (61) ने पीपीएम के शासन में भ्रष्टाचार और अधिकारों के हनन पर आक्रोश के बाद 2018 का चुनाव जीता था। सोलेह की जीत ने एक बार फिर भारत का दबदबा मालदीव में बढ़ा दिया था। उन्होंने भारत प्रथम नीति का समर्थन किया। माले में आवास और पुलों के निर्माण समेत बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए उन्हें भारत से धन मिला। शनिवार को हुए मतदान से पहले के सर्वे में दिख रहा था कि सोलेह आठ उम्मीदवारों में सबसे आगे चल रहे हैं। लेकिन अब सोलेह पिछड़ गए हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक इसके पीछे उनकी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के अंदरूनी कलह, उम्मीद से कम मतदान और भ्रष्टाचार से न निपट पाने की निराशा को जिम्मेदार माना जा रहा है। किसी को भी 50 फीसदी वोट नहीं मिला है, जिसके बाद मुइज्जू और सोलेह के बीच 30 सितंबर को फिर मुकाबला होने की उम्मीद है। मुइज्जू ने अपनी बढ़त के बाद कहा, 'हम आज बहुत खुश हैं। मालदीव के लोग राष्ट्रवाद की भावना के साथ सामने आए हैं।' वहीं सोलेह ने कहा कि वह अगले राउंड की तैयारी कर रहे हैं।

क्या हो अगर सूरज पर कभी हो जाए परमाणु हमला? अटैक से क्या होगा सूर्य पर असर

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। धरती को जीवित रखने में सूरज का एक बड़ा रोल है। सूर्य की रोशनी की वजह से पेड़-पौधे फल-फूल पाते हैं। सूर्य से हमें असीमित ऊर्जा का स्रोत मिलता है, जिसे सोलर एनर्जी के तौर पर जाना जाता है। पृथ्वी जिस सूर्य का चक्कर लगा रही है, वो मुख्य तौर पर हाइड्रोजन और हीलियम से बना है। इसका तापमान इतना अधिक है इंसान की बनाई कोई भी चीज सूर्य के पास टिक भी नहीं सकती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि लगभग पांच अरब साल बाद सूर्य की मौत हो जाएगी। हालांकि, ऐसे में एक सवाल ये भी उठता है कि आखिर क्या हो, अगर हम उससे पहले ही सूर्य को तबाह करने की कोशिश करें। ऐसा करने के लिए हमें इंसान के बनाए अब तक के सबसे ताकतवर हथियार की जरूरत पड़ेगी। ये शक्तिशाली हथियार है परमाणु बम। अब यहां सवाल ये उठता है कि जब हम सूर्य पर परमाणु हमला करेंगे, तो उसके बाद क्या होगा, हमें इस मिशन को पूरा करने में कितना खर्च पड़ेगा? आइए आज इन्हीं दिलचस्प सवालों का जवाब जानते हैं। सूरज पर परमाणु हमला करने के लिए हमें अपने सभी न्यूक्लियर बमों को इकट्ठा करना होगा। वर्तमान में सभी परमाणु हथियार संपन्न देशों के पास कुल मिलाकर 13 हजार परमाणु बम हैं। हर बम 100 किलोटन डाइनाइट के बराबर की शक्ति रखता है। जब परमाणु बम इकट्ठा कर लिए जाएंगे, तो इन्हें बेहद ध्यान से रखना होगा। अगर धरती पर एक भी बम फटा, तो ऐसी तबाही मचेगी, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं होगी। ऐसे में बमों के साथ सावधानी बहुत ज्यादा जरूरी होगी। एक परमाणु बम को स्पेस में भेजने का खर्च 170 अरब डॉलर है। इसका मतलब है कि 13 हजार बमों को अंतरिक्ष में भेजने पर लाखों करोड़ रुपये खर्च करने पड़ेंगे।

भाजपा नेता अरुण चतुर्वेदी ने दिया विवादित बयान

कहा- कांग्रेस की क्या औकात जो सनातन धर्म को खत्म कर दे?

दौसा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। दौसा में पूर्व मंत्री और भाजपा नेता अरुण चतुर्वेदी ने कांग्रेस के लिए विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की क्या औकात है, जो सनातन धर्म को मिटा सको, तुम से पहले तुम्हारे बाप, दादा, परदादा और मुगल आकर चले गए। वो लोग भी कुछ नहीं कर पाए। राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर कुछ ही महीनों का समय बचा है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। दौसा में भाजपा नेता ने कांग्रेस की कड़े शब्दों में आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की क्या औकात है ? जो सनातन धर्म के खत्म होने की बात करती है। उनसे पहले भी कई लोग आकर चले गए, वो लोगों से भी सनातन का कुछ नहीं कर पाए, तो तुम क्या कर लोगे?

दौसा में अरुण चतुर्वेदी ने यह दिया है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के बाद धीरे-धीरे भाजपा के अन्य नेता भी इस तरह के विवादित बयान देने लगे हैं। अरुण चतुर्वेदी ने कांग्रेस पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा है कि सनातन धर्म को समाप्त करने के लिए कांग्रेस के दादा, परदादा, मुगल आये और उनसे भी कई पीढ़ियां आई, वो लोग ही सनातन धर्म को जब समाप्त नहीं कर पाए तो तुम्हारी क्या औकात है कि तुम सनातन धर्म को समाप्त कर दोगे। पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि यह सनातन वह है जो जरासंध है, यह सनातन वह है जो भारत की संस्कृति को, संस्कार को, वेद से संस्कारित बनाने का काम करता है और आज उसी सनातन के माध्यम से नरेंद्र मोदी के द्वारा वसुधैव कुटुंबकम का संदेश पूरे विश्व में जा रहा है। वहीं, प्रभु लाल सैनी ने गहलोत सरकार की कामधेनु योजना पर कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन फड़के के समाने राजस्थान सरकार ने कामधेनु योजना को लागू कर मात्र एक लाख किसानों को पैसा दिया, यदि सरकार को गोवंश की चिंता होती, तो और बचे हुए गोपालकों के खाते में सरकार पैसे डालती। प्रभु लाल सैनी यही नहीं रुके, सैनी ने आगे कहा कि गहलोत सरकार के महंगाई राहत कैंप से लोग राहत नहीं, आहत महसूस कर रहे है ।

हिंडोली विधायक और वर्तमान में गहलोत सरकार में राज्य मंत्री अशोक चांदना को लेकर भी प्रभु लाल सैनी ने राजस्थान की गहलोत सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि जब सरकार का मंत्री अगर अपनी ही सरकार के खिलाफ धरने पर बैठ जाये फिर तो भ्रष्टाचार का मामला स्पष्ट संकेत देता है। पूर्व मंत्री प्रभु सैनी ने आगे कहा- गहलोत के मंत्रियों का लोकतंत्र में विश्वास नहीं रहा। एक मंत्री ने जब विधानसभा पटल पर लाल डायरी का जिक्र करते हुए सरकार के भ्रष्टाचार का खुलासा करने की बात कही, तो गहलोत सरकार ने उसको मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया।

प्रदेश में 14 से अधिक बोर्डो का गठन किया है। जिसका भी जनता को कोई लाभ नहीं मिला। आज राजस्थान में कर्ज का बोझ चढ़ा हुआ है। सात लाख करोड रुपए का कर्ज राजस्थान का है।

गोलमा बोलीं- बीजेपी जीतेगी-कांग्रेस लुढकेगी

प्रभूलाल सैनी ने अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना देने पर मंत्री चांदना को घेरा, बोले- यह धरने की सरकार

दौसा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा महुवा विधानसभा क्षेत्र के ढंड गांव से दौसा जिले में पहुंची। यात्रा की पहली जनसभा महुवा के हिंडौन तिराहे पर हुई, जहां राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका सिंह गुर्जर, सांसद जसकौर मीणा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी व गोलमा देवी ने सभा को सम्बोधित करते हुए राज्य सरकार पर निशाना साधा।

पूर्व मंत्री गोलमा देवी ने अपने भाषण के दौरान देहाती लहजे में कहा, बीजेपी बढ़ेगी, जीतेगी और कांग्रेस लुढ़केगी।

पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी ने कहा कांग्रेस सरकार धरने की सरकार है, इन्होंने इतने झूठे वादे किए कि अब यह सरकार कसमसा रही है। कोई मंत्री किसानों को ट्रांसफार्मर दिलाने के लिए धरने पर बैठ जाए, इससे यह पता लगाया जा सकता है कि कांग्रेस सरकार की क्या हालत होगी।

सरकार के मंत्रिमंडल के सदस्य भी कभी तो लाल डायरी लेकर आते हैं तो कभी रीट में भ्रष्टाचार की बात करते हैं।

उन्होंने कहा मंत्रिमंडल का प्रत्येक मंत्री कलेक्टिव रिस्पांसिबिलिटी का जिम्मेदार होता है, ऐसे में मुख्यमंत्री को नैतिकता के नाते इस्तीफा दे देना चाहिए। सरकार के मंत्री किसानों को राहत दिलाने के नाम पर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं।

धरने पर बैठकर लोकतंत्र की बेइज्जती की है, मुख्यमंत्री के सचिव पर भी सुनवाई नहीं करने के आरोप लगाए थे। यह सरकार पूरी तरह विफल रही है।

लूट व भ्रष्टाचार में डूबे दौसा के तीनों मंत्री

सांसद जसकोर मीणा ने दौसा जिले के तीनों मंत्रियों पर केंद्र सरकार की योजनाओं के बजट में हजम करने का आरोप लगाते हुए कहा भाजपा की परिवर्तन यात्रा कांग्रेस का नामोनिशान मिटाने को तैयार है। यहीं नहीं कांग्रेस को मिटाने के लिए सरकार के मंत्री ही धरने पर बैठ रहे हैं।

दौसा जिले के तीनों मंत्री लूट व भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं। उन्हें दबाव में तरह-तरह के स्टेटमेंट देने पड़ रहे हैं क्योंकि वे अपनी अंतिम सांसों में यही बात बोलेंगे।

पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी ने पेपर लीक, भ्रष्टाचार व महिला उत्पीड़न समेत कई मुद्दों पर राज्य सरकार को घेरा। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र गोठवाल, भाजपा नेता राजेंद्र मीणा, प्रदेश मंत्री नीलम गुर्जर, जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ रतन तिवाड़ी, जिला परिषद सदस्य पप्पू झूथाहेड़ा, यात्रा के जिला संयोजक अभयशंकर शर्मा, पूर्व चेयरमैन सुरेश घोषी, सिकंदर पंजाबी, ब्रजकिशोर उपाध्याय समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे।

प्रियंका बोलीं-मोदी विदेश में उद्योगपतियों के लिए डील करते हैं

पीएम खुद को भूमि पुत्र कहते थे, आज करोड़ों के काफिले में चल रहे हैं

जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। टोंक के निवाई में प्रियंका गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सियासी हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो प्रधानमंत्री अपने आप को भूमि पुत्र कहते थे वो करोड़ों के काफिले में चल रहे हैं। प्रियंका ने महंगाई के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार को घेरा।

उन्होंने कहा कि लोग सत्ता में आते ही भूल जाते हैं, उन्हें सत्ता में कौन लाया है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि महंगाई से आमजन को राहत दिलाने के लिए राजस्थान सरकार कैंप लगा रही है। यहां महिलाओं को मोबाइल मिल रहा है। सरकार जो दे रही है, वह उनका हक है। इससे पहले प्रियंका ने राजस्थानी में भाषण की शुरुआत करते हुए डिग्गी कल्याणजी और धन्ना भगत के जयकारे लगवाए।

प्रियंका ने कहा- देश में आज महंगाई चरम पर है। गैस सिलेंडर 1000 रुपए का है, इसे गरीब आदमी कैसे खरीदेगा। केंद्र से पूछना चाहिए इतनी महंगाई क्यों है?

राजस्थान सरकार जो जनता को दे रही है, वह उनका हक है। आज मैं एक लड़की से मिली, जिसके हाथ में मोबाइल था। उसने कहा कि मुझे गहलोत सरकार ने दिया है। राजस्थान सरकार मोबाइल दे रही है और भी कई चीजें दे रही है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि केंद्र सरकार में धनवान का जय जयकार है और आपकी जरूरत और समस्याओं को हल करने का कोई जरिया नहीं है। इसलिए प्रदेश सरकारों पर बोझ पड़ रहा है। गहलोत सरकार ने सामाजिक सुरक्षा की बेहतरीन योजनाएं दी हैं। पीएम ने हर चीज के लिए अपने उद्योगपति कि मत्रों को आगे रखा और जनता को पीछे रखा।

जब असली मुद्दों की बात आती है तो जाति और धर्म को ले आते हैं। यह चुनाव राजनीतिक दलरों के बीच का चुनाव नहीं है, यह चुनाव आपके भविष्य का चुनाव है। जैसे ही भाजपा की सरकार राजस्थान में वापस आएगी, आपकी सारी स्कीम बंद कर देगी। सारे जनहित के काम बंद हो जांगे। फिर भी अगर आप वोट नहीं देंगे तो खुद का ही नुकसान करेंगे।

प्रियंका ने जी-20 की मीटिंग को लेकर कहा कि वहां आज बारिश हुई है। लगता है जो देशवासी नहीं कह पाए वो भगवान ने कह दिया कि इतना घमंड ठीक नहीं है। देश की जनता को आगे रखें। प्रियंका ने पीएम पर आरोप लगाते हुए कि वे विदेश में जाकर अपने उद्योगपति मित्रों के लिए डील करते हैं। भाजपा की नीतियां केवल अमीरों को आगे बढ़ाने में है, उनके पास गरीब और मिडल क्लास के लिए कुछ नहीं है। जबकि गहलोत सरकार का ध्यान केवल आपके विकास और आपको आगे बढ़ाने पर गया है।

मोदी सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाकर 32 लाख करोड़ खर्च किए हैं। बड़ी-बड़ी महफिलों में पैसा खर्च करते हैं तो जनता के लिए पैसा कहां से बचेगा। प्रियंका ने कहा- जैसे ही भाजपा की सरकार राजस्थान में आएगी, आपकी सारी स्कीम बंद कर देगी। सारे जनहित के काम बंद हो जाएंगे। फिर भी अगर आप वोट नहीं देंगे तो खुद का ही नुकसान करेंगे। उन्होंने कहा- दो तरह के नेता होते हैं। एक नेता होता है, जो सेवा को ही परम धर्म समझता है और दूसरा अहंकार और घमंड रखता है।

आप ऐसे नेता चुनिए, जिनमें जनता के प्रति श्रद्धा हो। ऐसे नेता चुनिए जो आपकी मुश्किलें नहीं बढ़ाए, जो आपकी मुश्किलें कम करें। आप कांग्रेस की सरकार को फिर चुनिए। उम्मीद है आप चुनाव के वक्त ये बातें याद रखेंगे। गहलोत ने कहा कि राजस्थान सरकार ने हर क्षेत्र में फेसले लेने में कमी नहीं छोड़ी है। हमने बजट में जो घोषणाएं की सबको लागू कर दिया है। इस बार माहौल ऐसा बन गया है कि लगता है सरकार रिपीट होगी।नरेगा ने पीएम की बोलती बंद कर दी।

जिलाध्यक्ष की सिफारिश पर कांग्रेस विधायक की जनता को नसीहत

अमीन खान का दावा- किसी और को टिकट दी तो 40 हजार वोटों से हारेगा; काम मैंने करवाए और टिकट फतेह को!

बाड़मेर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के शिव विधायक अमीन खान ने एक बार फिर अपनी ही पार्टी के जिलाध्यक्ष फतेह खान पर हमला बोला है। उन्होंने कहा- मैंने क्षेत्र में विकास कार्य करवाए और आप (जनता) मुख्यमंत्री के पास पहुंच कर कहते हो टिकर दे दो फतेह को। उन्होंने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में आए लोगों से कहा कि मेरे सिवाय कोई मुसलमान यहां से जीत गया तो मैं 1 लाख 1 रुपए देने को तैयार हूं। उन्होंने दावा किया कि मेरे अलावा किसी और को टिकट मिला तो वो 40 हजार वोटों से हारेगा। अमीन खान ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कि मेरे कहने का मतलब है कि धैर्य रखो। मैंने किसी को नहीं कहा कि आप मुख्यमंत्री से मेरी टिकट के लिए सिफारिश करो। यह टिकट देने का जिसका काम है वह सब जानते हैं। टिकट देनी है दे देंगे। नहीं देनी होगी तो मना कर देंगे। उन्होंने मौजूद लोगों से कहा- आप 50 आदमी यहां बाड़मेर कूदकर क्यूं गए थे। आप लोग आपस में मुसलमानों को लड़ाना चाहते हो? या तो नीयत ही ऐसी है कि मुसलमानों में फितूर (विवाद) पैदा कर दो। अगर ऐसा हुआ तो कोई जाट या मेघवाल विधायक बन जाएगा। आप उनको एमएलए बनने के सपने मत दिखाओ उनसे स्पष्ट कहो कि हम तुमको हरा देंगे। विधायक अमीन खान ने कहा कि देश में गरीबों के लिए जो काम किया वो हिंदुस्तान की किसी पार्टी ने नहीं किया है। बीजेपी का राजस्थान में राज रहा, आज भी बीजेपी का केंद्र में राज है। उनकी तरफ से तुम लोगों को क्या लाभ मिला है और कांग्रेस की सरकार से क्या लाभ मिला है। दोनों के बीच तुलना करें। अगर उसमें कांग्रेस के काम कम नजर आता है तो आप कांग्रेस को वोट मत देना। बीजेपी को वोट दे देना। अगर कांग्रेस बीजेपी से काम में आगे है तो आपका फर्ज बनता है कि कांग्रेस को मजबूत करो।

बता दें कि अमीन खान कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में से एक हैं। वे शिव विधानसभा से 9 बार चुनाव लड़ चुके हैं जिसमें से 5 बार जीते हैं। इससे पहले भी उन्होंने 30 अगस्त को एक प्रेस वार्ता टिकट वितरण को लेकर जिलाध्यक्ष फतेह अमीन खान पर बेईमानी करने का आरोप लगाया था।

बेनीवाल बोले- उपराष्ट्रपति बाइक नहीं छुड़वा सकता

कहा - आजकल पॉलिटिकल पापा बहुत हो गए, पायलट ने मेरे साथ धोखा किया

सीकर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख हनुमान बेनीवाल ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि 2018 में मोदी वेंटिलेटर पर था। सीकर वाले बाबा सांसद सुमेधानंद सरस्वती वेंटिलेटर पर थे। जोधपुर, राजसमंद, बाड़मेर वाला भी वेंटिलेटर पर था। मैं भाजपा के 24 निकम्मे लोगों की फौज को वैंटिलेटर से दिल्ली उठाकर लेकर गया। उपराष्ट्रपति एक फोन करके पुलिस वालों से बाइक नहीं छुड़वा सकता। मैं जानता हूं कि जगदीप धनखड़ को क्यों उपराष्ट्रपति बनाया गया। जब मैं गठबंधन के अंदर लोकसभा में चुनकर दिल्ली चला गया तो लोग कहने लगे की हनुमान बेनीवाल तो मोदी की गोदी के बैठ गए... तो मैंने कहा कि मैं गोदी से निकलने के लिए तैयार हूं। मैं गोदी में नहीं बैठा हूँ, मैं मोदी के बराबर बैठा हूं । गठबंधन ने हमें ढाई तीन-लाख वोट दिए लेकिन आरएलपी पार्टी ने भाजपा को 30 लाख वोट दिए। यह बात हनुमान बेनीवाल ने सीकर की कृषि उपज मंडी में आयोजित छात्र अधिकार युवा हुंकार महारैली को संबोधित करते हुए कही। बेनीवाल ने भाजपा- कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और पीएम नरेंद्र मोदी, वसुंधरा राजे, जेपी नड्डा, राहुल गाँधी, सीएम अशोक गहलोत सहित उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को आड़े हाथों लिया।

हनुमान बेनीवाल ने सीएम अशोक गहलोत पर रैली की परमिशन नहीं देने का आरोप लगाते हुए कहा कि मैं जोधपुर में था और रात को करीब 12 बजे मेरे पास को कमिश्नर का फोन आया और कहा कि आपकी रैली की परमिशन कैंसिल कर दी गई है। तो मैंने कमिश्नर से कहा कि मैं रैली निकालूंगा... ऐसी परमिशन बहुत बार कैंसिल हुई है, मैंने धारा 144 तोड़ी, अनेक मुकदमे दर्ज हुए। मुझे परमिशन की आवश्यकता नहीं... मेरे डीजे रात को भी बजते रहते हैं 1 बीजेपी वाले रात को डीजे बजाकर दिखाएं 1

कोई मुझे कह रहा था कि नड्डा जी का डीजे पकड़ लिया था बाद में उन्होंने हाथा- जोड़ी कर छुड़वाया था। जेपी नड्डा अपनी यात्रा निकालने में मस्त है और अशोक गहलोत लोगों को रेवड़िया बांट रहा है 1 बेनीवाल ने कहा कि मुझे बड़ी से बड़ी चुनौती को स्वीकार करने में आनंद आता है।

बस-ट्रक की भिड़ंत में 4 यात्रियों की मौत

खेराट से नागौर जा रही थी प्राइवेट बस; घायलों को पिकअप से हॉस्पिटल पहुंचाया

नागौर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। नागौर से 4 किलोमीटर दूर अमरपुरा गांव के मुख्य मार्ग पर आज सुबह प्राइवेट बस और ट्रक की भिड़ंत हो गई। हादसे में बस में सवार 4 लोगों की मौत हो गई। जबकि 28 यात्री घायल हो गए।

हादसे की सूचना पर सदर, कोतवाली और सुरपालिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को नागौर के जेएलएन हॉस्पिटल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि प्राइवेट बस सुरपालिया थाना इलाके के गांव खेराट से नागौर जा रही थी।

हादसे में खेराट निवासी मांगीलाल (40) पुत्र मदनलाल व सहदेव पुत्र गंगाराम और डेह निवासी रमजान (22) पुत्र उमरदीन व मोहम्मद हुसैन (41) पुत्र मोहम्मद साबिर की मौत हो गई। शव जेएलएन हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाए गए हैं।

हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल यात्रियों को बस से निकालना शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। लोगों ने शव बस से निकालकर सड़क पर रखे। घायलों को पिकअप से हॉस्पिटल पहुंचाया गया। जेएलएन हॉस्पिटल में घायलों का इलाज चल रहा है।

गंभीर रूप से घायल देवेंद्र सिंह, मो. जाकिर, सलीम और इमरान को जोधपुर रेफर किया गया है।

हादसे के बाद बस और ट्रक को क्रेन की मदद से सड़क से हटाया गया।

बारिश से त्राहिमाम, दीवार गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत, करीब छह से अधिक कॉलोनियां जलमग्न

धौलपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। धौलपुर में इतनी बारिश की वजह से लोग त्राहिमान करने लगे है। ज्यादा बारिश की वजह से दीवार गिर गई, जिससे एक बुजुर्ग के नीचे आने से मौत हो गई। साथ छह से अधिक कॉलोनियां जलमग्न हो गई। वहीं, प्रशासन और नगर परिषद के इंतजाम बेअसर नजर आए।

पूर्वी राजस्थान के धौलपुर जिले में तीन दिन से हो रही बारिश ने शहर में पानी-पानी कर दिया है। करीब जिले की छह से ज्यादा कालोनियां जल भराव की चपेट में आ चुकी है। बाड़ी मार्ग पर छीतरिया ताल ओवरफ्लो होने से पानी की आवक कॉलोनी में शुरू हो गई है। कॉलोनी में पानी भरने से लोगों के घरों में भी जल भराव की स्थिति बन गई है। मौजूदा वक्त ने लोगों के लिए कई परेशानियां खड़ी कर दी है। पिछले तीन दिन से धौलपुर जिले में बरसात का दौरा देखा जा रहा है। बीती रात लगातार हुई बारिश से धौलपुर शहर समेत बाड़ी, बसेड़ी, सैपऊ, मनिया मांगरोल और बसई नवाब में जल भराव की समस्या देखी गई है। धौलपुर शहर के हालात वर्तमान समय में बेहद जटिल बन चुके हैं। छीतरिया ताल ओवरफ्लो होने की वजह से छह से अधिक कॉलोनियां जल भराव की चपेट में आ चुकी हैं। मौजूदा वक्त में अयोध्या कुंज, जगदंबा कॉलोनी, 132 केवीए, मधुबन कॉलोनी, हुंडवाल नगर, दारा सिंह नगर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी समेत अनेक कालोनियां जल भराव की चपेट में आ गई है। हालत इतने बेकाबू हो गए हैं कि लोगों के घरों में पानी घुसने लगा है। घरों के अंदर जल भराव की समस्या होने से घरेलू सामान भी बर्बाद हो रहा है।

धौलपुर- सैपऊ मुख्य सड़क मार्ग पर भारी तादात में जल भराव हो गया है। कमर तक पानी होने की वजह से आवागमन में लोगों को भारी असुविधा हो रही है। बाइक चालक और राहगीर दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। फोर व्हीलर वाहनों को भी निकलने में कठिनाई हो रही है। तीन दिन से हो रही बरसात में त्राहिमाम मचा कर रख दिया है। आमजन की दिनचर्या पूरी तरह से प्रभावित हो गई है। उधर, नगर परिषद और जिला प्रशासन के इंतजाम अभी तक नाकाफी दिखाई दे रहे हैं।

महिला नर्सिंगकर्मी की मौत पर 1.11 करोड़ का मुआवजा

ट्रक की चपेट में आने से हुई थी मौत

जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर सड़क हादसे में हुई महिला की मौत के मामले में एमएसीटी (मोटर एक्सीडेंट्स क्लेम ट्रिब्यूनल) कोर्ट ने परिवार को 1.11 करोड़ का मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। जो हादसे का कारण बने ट्रक की बीमा कंपनी को देना होगा। एमएसीटी कोर्ट ने जगतपुरा रेलवे फाटक के पास ट्रक की चपेट में आने से स्कूटी सवार महिला नर्सिंगकर्मी के मामले में फैसला सुनाया।

दरअसल, 2 जुलाई 2021 को महिला नर्सिंगकर्मी प्रेम कुमारी सुबह करीब 8 बजे घर से अपने ऑफिस भ्रमणशील चिकित्सा इकाई, सांगानेरी गेट-जयपुर स्कूटी से जा रही थी। जगतपुरा रेलवे फाटक को क्रॉस कर निकलते ही पीछे से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे एक ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी। इससे वह ट्रक के टायर के नीचे गिर गईं। ट्रक ने उनके सिर को कुचल दिया। मौके पर उसकी मौत हो गई।नर्सिंगकर्मी की मौत पर उनके पति नारायण महावर एवं अन्य आश्रितों ने 28 जुलाई 2021 को कोर्ट में क्लेम याचिका दायर की थी।

खाना खाकर घूमने निकली महिला का किडनैप और गैंगरेप

पुलिस को बताया-भागकर बचाई जान, निर्वस्त्र सड़क पर मदद मांगती रही

भीलवाड़ा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में खाना खाकर टहलने निकली महिला का एक परिचित समेत दो लोगों ने किडनैप कर गैंगरेप किया। इसके बाद महिला को निर्वस्त्र हालत में घटनास्थल से भागी। दुष्कर्म पीड़िता रास्ते पर लोगों से 30 मिनट तक मदद मांगती रही। एक बाइक सवार ने पुलिस को सूचना दी।

इसके बाद मौके पर पहुंचे पुलिसवाले उसे बैनर में लपेटकर पुलिस स्टेशन लाए। महिला से पूछताछ के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसमें से एक युवक महिला का पहले से परिचित है।

एएसपी विमलसिंह नेहरा ने बताया कि एक ग्रामीण ने सूचना दी कि गंगापुर से 6-7 किलोमीटर दूर आमली रोड पर झूमपुर चौराहे के पास एक महिला निर्वस्त्र मिली है। जिसके साथ गैंगरेप हुआ है।

इस सूचना पर गंगापुर एसएचओ जाप्ते के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। वहां कुछ लोग मौजूद थे जिन्होंने महिला को कुछ कपड़े दिए। पुलिस ने भी महिला को प्लास्टिक का बैनर उपलब्ध कराया और झूमपुर चौराहे से गंगापुर अस्पताल ले आई।

एएसपी ने बताया कि गंगापुर हॉस्पिटल में महिला का मेडिकल कराया गया और पर्चा बयान लिए गए। पहले सूचना थी कि वारदात में 3 लोग शामिल थे। जब पुलिस ने पीड़िता से बात की और डिटेल खंगाली, सीडीआर भी सामने आई, अन्य सबूत और जांच के आधार पर पता चला कि वारदात में 2 लोग ही शामिल थे।

एएसपी के मुताबिक पर्चा बयान में महिला बताया कि छोटू नाम के व्यक्ति का उसके मोबाइल पर फोन आया। छोटू ने महिला को मिलने बुलाया। पीड़िता ने छोटू को नहीं जानने की बात कहीं तो उसने महिला के परिचित गिरधारी का नाम बताया। गिरधारी से महिला परिचित थी।

महिला का कहना है कि वह शाम को टहलने निकली तो बाइक पर सवार छोटू व गिरधारी ने जबरन उसे बाइक पर बैठा लिया और 8 किलोमीटर दूर आमली रोड पर झूमपुरा के खंडहर में ले गए। वहां दोनों आरोपियों ने उसके साथ खंडहर में गैंगरेप किया।

6 साल बाद खुले जवाई बांध के गेट

3 जिलों के किसानों को होगा फायदा; 2 गेट खोलते ही लोगों ने बजाई ताली

पाली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े जवाई बांध के खोला गया, इसके बाद 10 नंबर गेट खोल दिया गया। जैसे ही बांध के गेट खोले गए वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर और उत्साहित होकर हल्ला किया। कई लोग जवाई बांध के गेटों से निकल रहे पानी के साथ फोटो, सेल्फी लेकर इस पल को यादगार बनाते नजर आए।

आखिर 6 साल बाद लोगों को जवाई बांध के गेट खोलने का नजारा जो देखने के लिए मिल रहा है। जवाई बांध के गेट खोले जाने से इसकी नहर और नदी के किनारे स्थित पाली, जालोर और सिरोही जिले के कई गांवों का फायदा पहुंचेगा।

पहले फेज में बांध के 13 गेटों में से 2 और 10 नंबर गेट को कम्प्यूराइज स्काडा सिस्टम से 1-1 इंच खोला गया। करीब 20 एमसीएफटी पानी नदी में छोड़ा जा रहा है। वर्तमान में सेई टनल के जरिए रोज 27 एमसीएफटी पानी आ रहा है। जिसमें से 7 एमसीएफटी पानी पेयजल के रूप में काम आ आता है।

अग्रोहा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक की 24वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रोहा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की 24वीं वार्षिक साधारण सभा चिराग अली लेन स्थित होटल रायलटन में संपन्न हुई। आज यहां निदेशक अजीत गुप्ता जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अग्रोहा बैंक के चेयरमैन रतन गुप्ता ने बैंक की 24वीं वार्षिक रिपोर्ट (2022-23) को प्रस्तुत की। उन्होंने बैंक ने बैंक के गत वर्ष (वर्ष 31 मार्च 2022) के आंकडों की तुलना करते हुए कहा कि बैंक की अंश पूंजी गत वर्ष के 328.22 लाख रुपये से बढ़कर 354.13 लाख रुपये तक पहुंचा कर 25.92 लाख रुपये की बढ़त हासिल की। बैंक की लोन एवं एडवांस गत वर्ष की तुलना में यह 3673.47 लाख रुपये से बढ़कर 3710.05 लाख रुपये तक पहुंचा। उन्होंने कहा कि काफी प्रयासों के बावजूद भी बैंक का सकल एनपीए गत वर्ष के 1.84 प्रतिशत से बढ़कर 2.06 प्रतिशत रहा और वर्ष 2022-23 के दौरान शुद्ध एनपीए शून्य ही रहा। उन्होंने कहा कि बैंक का कर पूर्व लाभ गत वर्ष 2022-23 के 116.44 लाख से घटकर 82.44 लाख रुपये रहा और बैंक का शुद्ध कर पश्चात लाभ वर्ष 2022-23 के 75.54 लाख रुपये से घटकर 60.93 लाख रुपये रहा। बैंक का क्रेडिट डिपॉजिट रेशियो 62.78 प्रतिशत है जो काफी संतोषजनक स्थिति में है। बैंक की जमा राशि गत वर्ष के 7.85 प्रतिशत से घटकर 6.99 प्रतिशत तक हुई। बैंक ने इस अवधि के दौरान 9619.82 लाख रुपये का सकल व्यापार किया है। बैंक ने 31 मार्च 2023 तक सरकारी प्रतिभूति में 2185.41 लाख, नॉन एसएलआर सेक्यूरिटिस में 405.04 लाख और फिक्स डिपॉजिट प्लस कॉल मनी में 431.82 लाख रुपये का निवेश किया है। बैंक ने सभी निवेश सरकारी एवं अन्य एप्रूव्ड सिक्योरिटीस में ही किये हैं। सरप्लस निधि को सही तरीके से तैनाती के चलते अन्य आय को संतोषजनक तरीके से रखरखाव किया जा सकेगा। चेयरमैन रतन गुप्ता ने कहा कि बैंक के निदेशक मंडल ने अंशधारकों को 7 प्रतिशत लाभांश देने का प्रस्ताव रखा है। बैंक ने सेवा कार्यों में जरूरतमंदों की सहायता की है जिनमें विभिन्न समाजसेवी संगठनों को दान, जरूरतमंदों व विधवा, अनाथ, समाज के कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को सहायता के कार्य किये गये हैं। बैंक के विकास के लिए समय-समय पर बैंक के स्टाफ को समय समय पर तेलंगाना सहकारी बैंक महासंघ द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठी में भेजा जाता है।

अवसर पर बैंक के सलाहकार एवं संस्थापक चेयरमैन शरद बी.पित्ती ने भी अपने विचार रखे। अवसर पर अंशधारकों द्वारा शंकाओं का समाधान सभा में चेयरमैन सहित अन्यों ने किया। अवसर पर सभा का संचालन बैंक के सीईओ नंद किशोर बाहेती ने चलाते हुए कार्यवृत्त प्रस्तुत किया। सभी का आभार वाइस चेयरमैन विजय गुप्ता ने व्यक्त किया। अवसर पर बैंक के निदेशक अजीत गुप्ता, लक्ष्मी निवास शर्मा, कैलाशचंद केडिया, उदय मोर, प्रदीप अग्रवाल, गोपाल एम.मोर, कृष्ण प्रकाश, राजेश कुमार अग्रवाल, विनय सी.अग्रवाल, श्रीमती पूजा रानासरिया सहित अंश धारक एवं उपभोक्ता उपस्थित थे।

मंत्री एर्राबेली ने ऐलम्मा को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

जनगांव, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायतीराज और ग्रामीण विकास मंत्री एर्राबेली दयाकर राव ने रविवार को पालकुर्थी में तेलबाना सशस्त्र संघर्ष सेनानी चित्याला ऐलम्मा की मृत्यु तिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर, राव ने ऐलम्मा की एक योद्धा के रूप में सराहना की, जिन्होंने निज़ाम और विष्णु देशमुख के निरंकुश शासन के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी। उन्होंने बताया कि कैसे ऐलम्मा ने कम्युनिस्टों के साथ गठबंधन करके अपने खेत पर देशमुख गिरोह के अतिक्रमण को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। राव ने इस बात पर जोर दिया कि उस ऐतिहासिक दिन पर उन्होंने जो सामूहिक कार्रवाई की, उससे तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष की शुरुआत हुई।

उन्होंने 'माली दशा उद्यम' (तेलंगाना आंदोलन का दूसरा चरण) की भी याद दिलाई, जिसने तेलंगाना आंदोलन के लिए प्रेरणा का काम किया।

अब रिजर्व-डे में खेला जाएगा भारत-पाकिस्तान मैच

बारिश के कारण 24.1 ओवर का ही खेल हो पाया इंडिया ने बनाए 2 विकेट पर 147 रन

कोलंबो, 10 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप के सुपर-4 स्टेज में भारत-पाकिस्तान मुकाबला बारिश और गीली आउटफील्ड के कारण रविवार को पूरा नहीं हो सका। अब मुकाबला रिजर्व-डे यानी सोमवार को दोपहर 3:00 बजे से खेला जाएगा। मैच दोबारा वहीं से शुरू होगा जहां आज रोका गया था। टीम इंडिया खेल रोके जाने तक 24.1 ओवर में दो विकेट खोकर 147 रन बना चुकी थी और इसी स्कोर से आगे खेलेगी।

5 घंटे तक मैदान सुखाता रहा ग्राउंड स्टाफ :

भारतीय पारी के दौरान शाम 4:52 बजे तेज बारिश शुरू हो गई। करीब डेढ़ घंटे हुई बारिश से मैदान के कुछ हिस्से ज्यादा गीले हो गए। ग्राउंड स्टाफ करीब 4 घंटे तक उन हिस्सों को सुखाने का प्रयास करता रहा। स्टाफ ने कभी डिस्पोजल का सहारा लिया, तो कभी पंखे की हवा से उन स्पॉट को सुखाने का प्रयास किया गया। इस दौरान अंपायर्स ने भी कई बार मैदान का निरीक्षण किया। वे रात 8:30 बचे चौथी बार निरीक्षण कर रहे थे, तभी बारिश लौट आई और मैच रिजर्व-डे पर कराने का फैसला हुआ।

हाफ सेंचुरी जमाकर आउट हुए रोहित और गिल :

मैच रुकने से पहले टीम इंडिया ने पहले खेलते हुए 24.1 ओवर में दो विकेट पर 147 रन बना लिए हैं। विराट कोहली 8 और केएल राहुल 17 रन पर नाबाद हैं। शुभमन गिल 58 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें शाहीन शाह अफरीदी ने शादाब खान के हाथों कैच कराया। इससे पहले, कप्तान रोहित शर्मा (56 रन) को शादाब खान ने फहीम अशरफ के हाथों कैच कराया।

श्री धर्म साईं मंदिर में रक्तदान शिविर जारी है। सिकल सेल सोसाइटी वुप्पुला वेंकैया यादगार ब्लड बैंक के सहयोग से थैलेसीमिया रोगियों के लिए श्री धर्म साईं मंदिर में सफलतापूर्वक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।

हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की मासिक कवि गोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 585 वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में संपन्न हुआ। कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि इस गोष्ठी में साहित्यकार बृहस्पति शर्मा ने शिक्षा प्रणाली और भाषा नीति तथा कर्मचारी राज्य जीवन बीमा निगम से सेवानिवृत्त वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ठाकुर दिनेश सिंह ने वरिष्ठ साहित्यकार मन्नू भंडारी के उपन्यास आपका बंटी विषय पर अपने-अपने सारगर्भित विचार प्रस्तत किये। इस सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ कवयित्री रत्नकला मिश्र ने की। दूसरे सत्र में वरिष्ठ कवि पुष्पराज जैन का 85 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो जाने पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। साहित्यकारों ने वरिष्ठ कवि पुष्पराज जैन कठिन की साहित्यिक सेवाओं का स्मरण करते हुए उनकी यादों को ताज़ा किया और अनेक संस्मरण प्रस्तुत किये। इस अवसर पर आयोजित कवि गोष्ठी की अध्यक्षता उर्दू पत्रकार सबील ने की। नगरद्वय के कवियों द्वारा कविताएँ प्रस्तुत की, जिसमें नगरद्वय के जाने-माने कवियों के साथ युवा कवियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती रत्नकला मिश्र ने सभी लेखकों, कवियों तथा हिंदी प्रेमी श्रोताओं के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

माता मंदिर गुफा में 'एक शाम गौमाता के नाम' भजन संध्या संपन्न

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला, वैंकटाद्री हिल स्थित स्वयंग भूमाता वैष्णो देवी गर्भ गुफा के प्रांगण में सर्वदलीय गौरक्षा मंच की ओर से एक शाम गौमाता के नाम भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भजन गायक सुनील छपरावल एंड पार्टी ने दिव्य भजनों की गंगा बहाकर सभी भक्तों को झूमने, नाचने पर मजबूर कर दिया। प्रेस विज्ञप्ति में सर्वदलीय गौरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जयपाल सिंह नयाल सनातनी ने बताया कि भजन संध्या में मुख्य अतिथि के रूप पधारे उद्योगपति समाजसेवी गोपाल बल्दवा ने भजनों का आनंद लिया और माता रानी के गुफा का दर्शन किया। लव फॉर काऊ के चेयरमैन गौभक्त जसमत भाई पटेल ने गौ माता के विषय में सभी पधारे गौ मार्गदर्शन किया। उनका कहना था इस तरह आपके बच्चे और परिवार जन गाय, गौशाला के साथ ही नही सनातन धर्म के मूल से जुड़ने। माता के मंदिर की मुख्य साधिका पूज्य ज्योति दीदी ने सर्वदलीय गौरक्षा मंच के सभी सदस्यों का संस्था के अध्यक्ष का सम्मान तथा धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि हर साल आपको यहां एक कार्यकर्म करना ही चाहिए, ताकि इस क्षेत्र में चेतना जागृत हो। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जयपाल सिंह नयाल सनातनी, जसमत भाई पटेल, अमित दत्ता, राजू भाई नेगी, श्याम अग्रवाल, प्रेमा नयाल, सुमन अग्रवाल, ममता चत्रुर्वेदी, रेणु नेगी आदि सैकड़ों गौभक्त प्रेमी उपस्थित थे।

आत्मशुद्धि की साधना है तप : साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञा

तेरापंथ भवन में मासखमण तप अभिनन्दन कार्यक्रम

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकन्दराबाद में प्रवासित साध्वी श्री डॉ मंगल प्रज्ञाजी की प्रेरणा से तप की पावनधारा सतत प्रवाहित है। इस क्रम में डूंगरगढ़ निवासी धनराज जी पुगलिया का तप अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित हुआ।

साध्वी श्री जी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जैन आगम साहित्य में तप का विशद वर्णन मिलता है। तपस्या के द्वारा आठ प्रकार की कर्म ग्रन्थियों को तोड़ा जा सकता है। जैन परपरा में मात्र बाह्य तप का ही महत्व नहीं है। बाह्य तप के साथ आंतरिक तप की आराधना भी महत्वपूर्ण होती है। तप के साथ ध्यान, जाप, स्वाध्याय आदि आध्यात्मिक उपक्रम तप की तेजस्विता बढ़ाते हैं। तपसाधना के साथ कषाय का अल्पीकरण होना चाहिए। अहंकार और ममकार की भावना को कम करने का प्रयत्न होना चाहिए। तपस्या आत्मोत्थान का प्रवर सोपान है।

तप का उद्देश्य मात्र कर्म निर्जरा होना चाहिए। तप से प्राप्त होने वाली शक्ति शान्ति प्रदान करती है। तप की इतिहास हमारे लिए प्रेरणा है जरूरत है अपनी शक्ति का नियोजन कर तप के मार्ग पर अग्रसर होना चाहिए।

मासाखमण तप-साधक धनराज पुगलिया की तेरापंथ सभा के अध्यक्ष बाबुलाल बैद ने शुभकामनाएं देते हुए अभिनन्दन पत्र समर्पित किया। तेरापंथ सभा के मंत्री ने सुशील संचेती में साध्वी प्रमुखाश्री जी द्वारा प्रदत्त संदेश का वाचन कर समर्पित किया तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा कविता आच्छा, टीपीएफ अध्यक्ष पंकज संचेती, तेरापंथ युवक परिषद् अध्यक्ष निर्मल जी दुगड़ ने हार्दिक अभिनन्दन स्वर प्रस्तुत किए।

साध्वी सिद्धियशा जी ने तप अनुमोदन में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा- तपस्या तैजस बढ़ाने वाली होती है। साध्वीवृन्द ने तप अनुमोदन गीत प्रस्तुत किया। श्रीमती वीणा नाहटा, प्रेम संचेती, गीतिका नाहटा एवं अंजु गोलछा ने तप के माहात्म्य को दर्शाने वाले आकर्षक लघु नाटिका प्रस्तुत कर सभा को रोमांचित किया। तेरापंथ सभा, महिला मंडल, युवक परिषद एवं टीपीएफ द्वारा तपस्वी का सम्मान किया गया।

गणेश उत्सव के मद्देनजर चंदनवाड़ी गोशामहल में गणपति प्रतिमाओं का आगमन जारी है। इस अवसर पर बजरंग सेना अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव, युवा अध्यक्ष बजरंग सेना विनीत यादव, सूर्य शुक्ला महासचिव के नेतृत्व में आगमन शोभा यात्रा धरती माता मंदिर से गोशामहल चंदनवाड़ी तक निकाली गई।

कृष्ण सखियां नाचाराम मल्लापुर शाखा द्वारा कृष्णाष्टमी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आनन्द लेती हुई अध्यक्षा राधिका अग्रवाल, कमेटी सदस्या अंतिमा अग्रवाल, मंदाकनी अग्रवाल, माया नरसरिया, निशा गुप्ता, सुमन नरसरिया, मीनाक्षी अग्रवाल, ज्योति कंदोई, श्यामलता अग्रवाल, अंजू गोयल व अन्य।

बौद्ध जयंती पर छुट्टी दी जानी चाहिए : प्रभाकर गडपाले

कुमरम भीम आसिफाबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लुबिनी दीक्षा भूमि में आयोजित जिला स्तरीय विशेष बैठक में मुख्य अतिथि ने प्रभाकर गढ़पाले ने मांग की कि राज्य सरकार को बुद्ध जयंती के दिन छुट्टी घोषित करनी चाहिए। बौद्ध जयंती और इसी तरह बौद्ध उपासकों को सम्मान राशि दें। भारतीय बौद्ध महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जो लोग बुद्ध के मार्ग पर चलेंगे उन्हें शांति और खुशी मिलेगी। पूर्व डिप्टी कलेक्टर प्रभाकर गडाबले। उन्होंने कहा कि लेवल कमेटी के बाद मंडल समिति और ग्राम समिति का गठन किया जाएगा। प्रत्येक रविवार को बौद्ध विहार में प्रार्थना की जानी चाहिए। प्रदेश महासचिव जेड रत्न प्रज्ञा कुमार, नेता अब्बाजी वाघमार, नारायण वाघमारे, बीएसआई इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अशोक माहुलकर, केंद्र समिति अध्यक्ष उपस्थित थे। बापू जेडे, लुंबिनी दीक्षा भूमि के अध्यक्ष मनोहर मुंजम उपस्थित थे।

अग्रणी विवाह बंधन की बैठक हिमायत नगर कार्यालय में हुई। बैठक में 20 से 25 रिश्ते तय किए गए। इस अवसर पर अध्यक्ष सुनयना नरसरिया, सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रूपा गुप्ता, राजेंद्र दीवान, पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

फ्री मेडिकल कैम्प और वोटर आईडी पंजीकरण संपन्न

हैदराबाद, 10 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जनसेवा संघ द्वारा बोडुप्पल में फ्री मेडिकल कैंप संजय भगत के नेतृत्व में लगाया गया, जिसमें सैकड़ो लोगों ने इसका लाभ उठाया। संघ के महासचिव सुधीर जयसवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में, प्रत्येक चुनाव के दौरान कर्मठ, सुयोग्य एवं ईमानदार प्रत्याशी को ही अमूल्य मत देने के लिए नागरिकों को प्रेरित करने की दिशा में जन सेवा संघ द्वारा उठाए गए कदम की अगली कड़ी में आज हैदराबाद के अंतर्गत सात जगहों पर मतदाता पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया।

सैकड़ों लोग खासकर जो प्रवासी हैं और प्रवासी होने के कारण उपेक्षित हैं उन्होंने भारतीय नागरिक होने का दायित्व निभाते हुए मतदाता पंजीकरण शिविर में भाग लेकर अपना पंजीकरण करवाया। जन सेवा संघ के प्रेरणा स्रोत पूर्व आईपीएस वीके सिंह के निर्देशन में सुधीर जायसवाल, डीडी तिवारी, सत्यप्रकाश सिंह, एके मिश्रा, श्रीकांत पांडेय, एसए खान एवं विनीत सिंह के संयोजन में आयोजित किया गया और इस रविवार को मल्लापुर बालापुर में एके मिश्रा, बालाजी नगर में राधेश्याम राय यादव एवं गोविंद तिवारी, नारायनगुड़ा में सुशील श्रीवास्तव, बीरमगुड़ा आरसी पुरम में बिनीत सिंह, हेमानगर बोडुप्पल में संजय कुमार भगत, सत्य प्रकाश सिंह, सुधीर जायसवाल, ए के मिश्रा, प्रवीण कुमार, राजन कुमार झा, मनोज मिश्रा, प्रिंस कुमार भगत, जयप्रकाश, उदय नारायण यादव, मियांपुर में एलएम चौधरी, जियागुड़ा में शंभु शर्मा ने बड़े उत्साह से मतदाता पंजीकरण शिविर का आयोजन किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ब्राजील को मिली ...

शिखर सम्मेलन शुरू होने से ठीक पहले ब्राजील और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को पौधे भेंट किए। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन वियतनाम दौरे के लिए रवाना हो गए।

जी-20 समिट के दूसरे और आखिरी दिन जी-20 और मेहमान देश के नेताओं ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। राजघाट पर प्रधानमंत्री मोदी ने सभी नेताओं का खादी के शॉल के साथ स्वागत किया। सभी नेताओं को राजघाट के बारे में जानकारी भी दी।

चंद्रबाबू को 14...

मुझे समझ नहीं आ रहा है कि उन्हें इस केस में गिरफ्तार क्यों किया गया।

पुलिस ने कहा, चंद्रबाबू ने पूछताछ में सहयोग नहीं किया :

चंद्रबाबू को शनिवार सुबह 6 बजे नंदयाल से गिरफ्तार किया गया था। यहां से उन्हें विजयवाड़ा ले जाया गया, जहां सीआईडी ने उनसे 10 घंटे तक पूछताछ की। इसके बाद उन्हें रविवार तड़के 3:40 बजे विजयवाड़ा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। यहां 50 मिनट तक उनका मेडिकल टेस्ट हुआ।

यहां से उन्हें कोर्ट ले जाना था, लेकिन सीआईडी उन्हें वापस स्टेट इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) के दफ्तर ले गई। सीआईडी ने बताया कि चंद्रबाबू ने पूछताछ के दौरान सहयोग नहीं किया। उन्होंने जवाब देने की बजाय कहा कि उन्हें कई बातें याद नहीं हैं।

चंद्रबाबू के वकील ने कोर्ट को बताया कि राजनीतिक फायदे के लिए चंद्रबाबू पर गलत आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के प्रावधानों की बारीकियों के बारे में बताते हुए दावा किया कि उनके खिलाफ कोई दमदार सबूत नहीं है। उन्होंने कोर्ट से अपील की कि सीआईडी की तरफ से दाखिल की गई रिमांड रिपोर्ट को रिजेक्ट कर दिया जाए। चंद्रबाबू नायुडू के वकील ने प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के सेक्शन 17ए का हवाला देते हुए कहा कि कोई पब्लिक सर्वेंट अपनी आधिकारिक ड्यूटी के निवर्हन के दौरान अगर कोई सुझाव देता है, या कोई फैसला लेता है, तो इससे जुड़े किसी अपराध की इन्क्वायरी या जांच तभी हो सकती है जब इसकी अनुमति कोई ऐसा व्यक्ति दे जो उस पब्लिक सर्वेंट को पद से बर्खास्त करने का अधिकार रखता हो।

वकील ने कहा कि चंद्रबाबू पर जो भी कथित आरोप लगाए जा रहे हैं, उनकी जांच के लिए गवर्नर से इजाजत लेनी जरूरी है। लेकिन इस मामले में गवर्नर की इजाजत के बिना ही कार्रवाई शुरू कर दी गई। ये नियमों का उल्लंघन है, इसलिए रिमांड को रिजेक्ट कर देना चाहिए।

साझा डिक्लेरेशन :...

सूत्रों के अनुसार यूक्रेन में हो रहे युद्ध को लेकर सदस्य देश दो खेमे में बंटे हुए थे। इसके एक तरफ अमेरिका और उसके सहयोगी देश थे और दूसरी तरफ रूस और चीन थे।

सूत्रों के अनुसार बात बनती न देख, पीएम मोदी और भारत के अधिकारियों ने बाकी देशों को यह समझाया की जी-20 एक इकॉनॉमिक फोरम है न की भू-राजनीतिक मुद्दों को सुलझाने का फोरम। यूक्रेन युद्ध को ही जी-20 का इकलौता मसौदा नहीं बनना चाहिए। इस बात का समर्थन ब्राजील, साउथ अफ्रीका और इंडोनेशिया ने भी किया जिसके बाद अन्य राष्ट्र एक साझा डिक्लेरेशन के लिए तैयार हुए। बाद में इस बात की पुष्टि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी की।

सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी ने शनिवार को कई बार जटिल मुद्दों को सुलझाने के लिए अन्य देशों के नेताओं से अपने व्यक्तिगत इक्केशन का इस्तेमाल किया। इसके कारण बात धीरे-धीरे आगे एक सहमति की तरफ बढ़ती रही।

शनिवार दोपहर को 1.30 बजे के बाद, मोदी ने ब्रिटेन, जापान, इटली और जर्मनी के नेताओं से अकेले में बात की। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया की यूक्रेन युद्ध के काले बादल नई दिल्ली में हो रहे जी-20 समिट पर उलटा असर डाल रहे थे।

कोको गॉफ ने जीता यूएस ओपन का खिताब

उनके करियर का पहला ग्रैंडस्लैम टाइटल; फाइनल में एरिना सबालेंका को हराया

न्यूयॉर्क, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी की युवा टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने यूएस ओपन के फाइनल में बेलारूस की एरिना सबालेंका को हराकर यूएस ओपन का खिताब जीत लिया। 19 साल की गॉफ के करियर का यह पहला ग्रैंडस्लैम खिताब है।

पहला सेट हारने के बाद गॉफ ने शानदार वापसी की और मुकाबला 2-6, 6-3, 6-2 से जीत लिया। गॉफ 2017 के बाद से पहली अमेरिकी खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने यह खिताब जीता। 2017 में आखिरी बार यह कारनामा सोलन स्टीफन ने किया था।

गॉफ का सबालेंका के खिलाफ करियर रिकॉर्ड 4-2 हो गया

गॉफ और सबालेंका के बीच यह छठा मैच था। इस जीत के बाद अब गॉफ का सबालेंका के खिलाफ करियर रिकॉर्ड 4-2 हो गया है। आर्थर ऐश स्टेडियम में 19 साल की गॉफ ने पहला सेट 6-2 से गंवाने के बाद दूसरे सेट में 6-3 की जबर्दस्त वापसी की। ऐसे में मुकाबला एक-एक ही बराबरी पर आ गया। तीसरे और निर्णायक सेट को गॉफ ने 6-2 से अपने नाम करते हुए टाइटल जीता।

गॉफ 1999 के बाद यूएस ओपन जीतने वालीं पहली अमेरिकी टीनेजर खिलाड़ी

गॉफ 1999 के बाद यूएस ओपन जीतने वालीं पहली अमेरिकी टीनेजर खिलाड़ी हैं। 1999 में सेरेना विलियम्स ने ऐसा किया था। गॉफ ने मैच के बाद अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान कहा, 'यह मेरे लिए काफी मायने रखता है। मैं अभी तक इस जीत से हैरान हूं। पिछले साल फ्रेंच ओपन के फाइनल में हारना मेरे लिए काफी निराशा वाला था। उसकी वजह से आज मैं यह जीत पाई हूं।'

गॉफ का टूर्नामेंट में सफर कैसा रहा, आप अगली ग्राफिक में देख सकते हैं...

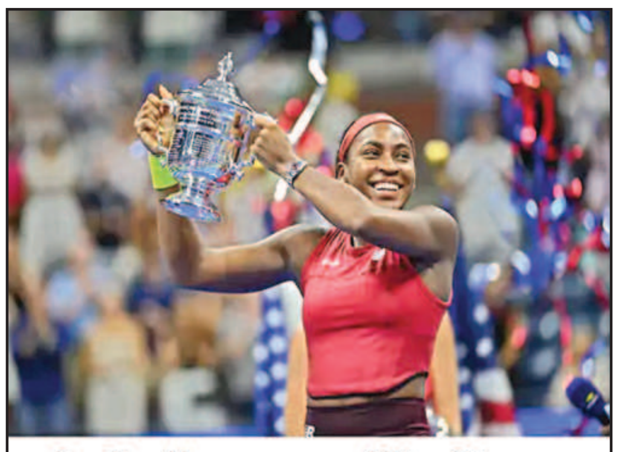

कोको गॉफ का टूर्नामेंट में सफर

स्टेज	बनाम	देश	रिजल्ट
पहला राउंड	लौरा सिगमंड	जर्मनी	2-1 से जीत
दूसरा राउंड	मिरा आंद्रिएवा	रूस	2-0 से जीत
तीसरा राउंड	एलिस मर्टेंस	बेल्जियम	2-1 से जीत
राउंड ऑफ 16	कैरोलिन वोजनियाकी	डेनमार्क	2-1 से जीत
क्वार्टर फाइनल	जेलेना ओस्टापेंको	लातविया	2-0 से जीत
सेमीफाइनल	कैरोलिना मुचोवा	चेक रिपब्लिक	2-0 से जीत
फाइनल	एरिना सबालेंका	बेलारूस	2-1 से जीत

सबालेंका के सिंगल्स करियर का दूसरा फाइनल

सबालेंका के सिंगल्स करियर का यह दूसरा ही फाइनल था। सबालेंका ने इस सीजन साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। यह विमेंन सिंगल्स कैटेगरी में सबालेंका का पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल था। वे विमेंस डबल्स कैटेगरी में 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2019 में यूएस ओपन के विमेंस डबल्स के खिताब जीत चुकी हैं।

राजीव राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी ने जीता मेंस डबल्स का खिताब

अमेरिका के राजीव राम और ब्रिटेन के जो सैलिसबरी की जोड़ी ने शुक्रवार को भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन को हराकर यूएस ओपन मेंस डबल्स का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही राजीव और सैलिसबरी की जोड़ी लगातार तीसरी बार खिताब जीतने वाली पहली जोड़ी बन गई है।

राजीव राम और ब्रिटेन के जो सैलिसबरी की जोड़ी ने फाइनल 2-6, 6-3, 6-4 से जीता। हालांकि, 43 साल 6 महीने के बोपन्ना ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

बोपन्ना 13 साल बाद इस ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचे थे। इससे पहले, साल 2010 में फाइनल खेले थे। तब बोपन्ना के पार्टनर पाकिस्तान के ऐसाम-उल-हक कुरेशी थे। यह दूसरी बार है कि बोपन्ना किसी ग्रैंडस्लैम मेंस डबल्स फाइनल में पहुंचे थे।

वर्ल्ड कप टिकट बुकिंग से ब्लैक मार्केट को बढ़ावा मिला

वेंकटेश प्रसाद बोले- बीसीसीआई को बेहतर सिस्टम देना चाहिए, ताकि स्टेडियम में असली फैंस आए

मुंबई, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद ने वनडे वर्ल्ड कप की टिकट बुकिंग प्रोसेस की आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, 'बीसीसीआई को बेहतर टिकट बुकिंग सिस्टम देना चाहिए, जिससे असली फैंस मैदान में आकर टीम को सपोर्ट करें। वर्ल्ड कप होस्ट करना नेशनल प्राइड की बात है, लेकिन हमने टिकट में ट्रांसपेरेंसी नहीं दिखाकर ब्लैक मार्केट को बढ़ावा दिया है।'

वेंकटेश प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 2 ट्वीट कर बीसीसीआई मैनेजमेंट की आलोचना की। उन्होंने शुक्रवार को एशिया कप में सिर्फ भारत-पाक मैच के लिए रिजर्व डे रखने के फैसले का भी विरोध किया था।

हमने वर्ल्ड कप का बिल्ड-अप खराब किया

वेंकटेश प्रसाद ने लिखा, 'हमने वर्ल्ड कप के बिल्ड-अप को खराब कर दिया है। बिना किसी कारण से शेड्यूल में देरी होना, उसके बाद भी 9 मैचों का शेड्यूल बदलना। इतना काफी नहीं था कि अब टिकट बुकिंग में ट्रांसपेरेंसी की कमी और बेहद धीमे सिस्टम ने पूरी तरह से ब्लैक मार्केट को बढ़ावा दे दिया।

वर्ल्ड कप होस्ट करना देश के लिए प्राइड मोमेंट है और फैंस के लिए भी टिकट बुकिंग प्रोसेस उतनी ही स्मूद होनी चाहिए थी,

लेकिन फैंस को जितनी परेशानी हुई, यह सोची-समझी प्लानिंग लग रही है। हमें बोर्ड की इस अयोग्यता के खिलाफ आवाज उठानी ही होगी।'

हमें स्टेडियम में असली फैंस चाहिए

प्रसाद ने आगे लिखा, 'हमारे पास एक अच्छी टीम है और टीम वर्ल्ड कप की दावेदार भी है, लेकिन स्टेडियम के अंदर सपोर्ट करने के लिए हमें असली फैंस चाहिए। उनके लिए सुविधा (टिकट बुकिंग) बहुत आसान और सरल होनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। बीसीसीआई को फैंस के लिए बेहतर सुविधाएं देनी चाहिए। वर्ल्ड कप के रूप में हमारे देश का प्रतिनिधित्व हो रहा है और देश के रूप में हम किसी भी लेवल पर कमजोर नहीं दिख सकते।'

बीसीसीआई को 4 लाख एक्स्ट्रा टिकट निकालने पड़े

वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज मैचों के सभी टिकट बिक चुके हैं। कई फैंस ने कहा था कि टिकट बुकिंग वेबसाइट पर बहुत कम टिकट बिक्री के लिए रखे थे। जिस कारण वह टिकट बुक नहीं कर पाए। टिकट बिक्री का शुरुआती फेज 3 सितंबर को खत्म होने के बाद बीसीसीआई ने 8 सितंबर को 4 लाख एक्स्ट्रा टिकट रिलीज किए, लेकिन इसमें भी फैंस स्मूद तरीके से टिकट नहीं खरीद सके।

भारत-पाक मैच के टिकट ब्लैक मार्केट में 57 लाख के बिक रहे

भारत के सभी 9 ग्रुप स्टेज मैचों की टिकट बिक्री शुरू होने के कुछ देर बाद ही बिक गए। जिसके बाद खबरें आने लगीं कि ब्लैक मार्केट में भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट 19 से 57 लाख रुपए तक की कीमत में बिक रहे हैं। भारत के बाकी मैचों के टिकट भी बहुत महंगी कीमतों में बिकने लगे।

प्रसाद ने एशिया कप में रिजर्व डे की आलोचना भी की

वेंकटेश प्रसाद ने टिकट के मुद्दों से पहले शुक्रवार को एशिया कप में सिर्फ भारत-पाक मैच के लिए रिजर्व डे रखने के फैसले का भी विरोध किया। उन्होंने कहा, 'किसी मल्टीनेशन टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच के लिए रिजर्व डे नहीं रखा जाना चाहिए। बाकी 2 टीमों को इस बात का विरोध करते हुए टूर्नामेंट का बॉयकॉट कर देना चाहिए।'

दरअसल, श्रीलंका और पाकिस्तान में खेले जा रहे एशिया कप के सुपर-4 स्टेज मैचों पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है। ग्रुप स्टेज में भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला बारिश के कारण ही रद्द हो गया था। जिसे देखते हुए ब्रॉडकास्टर्स के दबाव में एसीसी ने सिर्फ भारत-पाक के बीच मैच के लिए रिजर्व डे रख दिया। दोनों के बीच 10 सितंबर को मुकाबला खेला जाना है, अगर बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हुआ तो 11 सितंबर को मुकाबला वहीं से शुरू होगा, जहां 10 को बंद होगा। हालांकि रिजर्व डे बाकी मैचों के लिए नहीं रखे जाएंगे।

भारत-पाक मैच की टीवी व्यूअरशिप बहुत ज्यादा रहती है। इसलिए ब्रॉडकास्टर्स ने मैच के लिए रिजर्व डे रखने का दबाव बनाया।

सविता पूनिया : आलोचनाओं से परेशान नहीं भारतीय टीम

पेरिस ओलंपिक के टिकट पर नजर

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। सविता पूनिया की निगाह एशियाई खेलों में इतिहास रचने पर होगी। महिला टीम 1982 के बाद से स्वर्ण नहीं जीती है। उसके बाद दो रजत (1998 और 2018) और तीन कांस्य (1986, 2006 और 2014) अपने नाम किए हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने पिछले कुछ वर्षों में नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। टीम 2020 टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही थी। उसके बाद 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता और फिर 2022 नेशंस कप को जीतने में सफल रही। अब टीम की नजर आगामी एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करने पर है। टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम अगर स्वर्ण पदक जीतती है तो अगले साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर जाएगी।

भारतीय महिला हॉकी हाल के दिनों में बदलाव के दौर से गुजरी है। टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान तक पहुंचाने वाली कप्तान रानी रामपाल अब टीम में नहीं हैं। इस अनुभवी खिलाड़ी की जगह गोलकीपर सविता पूनिया कप्तानी कर रही हैं। उनकी कप्तानी में टीम पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों

में कांस्य पदक जीती थी। सविता की निगाह एशियाई खेलों में इतिहास रचने पर होगी। महिला टीम 1982 के बाद से स्वर्ण नहीं जीती है। उसके बाद दो रजत (1998 और 2018) और तीन कांस्य (1986, 2006 और 2014) अपने नाम किए हैं।

सविता पूनिया की कप्तानी वाली टीम 41 साल से चले रहे स्वर्ण पदक के इंतजार को खत्म करना चाहेगी। एशियाई खेलों के लिए तैयार भारतीय टीम को हाल ही में आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने कहा था कि टीम में अनफिट खिलाड़ियों की संख्या काफी ज्यादा है। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने कहा एशियाई खेलों के लिए तैयारी हमारी काफी अच्छी है। ओलंपिक के बाद हमने एक टीम के रूप में काफी काम किया है। मुझे अपनी टीम पर काफी भरोसा है। हम एशियाड में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। हमारे भारत का नाम रोशन करेंगे।

एक कप्तान और सीनियर खिलाड़ी के रूप में मैं इतना ही कह सकती हूं हमारी टीम ने फिटनेस पर बहुत ज्यादा काम किया है। टोक्यो ओलंपिक के बाद टीम और ज्यादा फिट हुई है। हाल ही में हमारे कई टेस्ट हुए थे। इसमें पहले से ज्यादा बेहतर रिकॉर्ड दर्ज हुआ है।

हमारा ध्यान एक बार में एक मैच पर होगा। पूरी टीम का यही लक्ष्य है। दल में काफी युवा खिलाड़ी हैं। अगर उन्हें हम कह देंगे कि हमें स्वर्ण पदक जीतना है तो सभी दबाव में आ जाएंगी। अनुराग सर (केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर) ने भी यह बताया है कि ये चीजें खिलाड़ियों को कितना दबाव में लाती है। मैं अपनी टीम को एक सीनियर खिलाड़ी के नाते इतना ही कहती हूं कि 60 मिनट (एक मैच) और फिर अगला स्टेप। भारतीय हॉकी ने हाल के दिनों में काफी विकास किया है। हमारा लक्ष्य अगले साल पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है।

हमने अपनी पुरानी गलतियों से सीख ली है। हम किसी भी टीम को हल्के में नहीं लेना चाहते। हम अच्छी टीमों के खिलाफ मजबूती से उतरते हैं, लेकिन कभी-कभी कमजोर टीमों को हल्के में ले लेते हैं। ऐसी गलतियां अब नहीं करना चाहते हैं। एशियाई खेलों में चीन की टीम काफी टक्कर देगी।

हमारी टीम ने हर चीज की तैयारी की है। पेनल्टी शूट, पेनल्टी स्ट्रोक, अटैक और डिफेंस सबकी तैयारी पूरी है। हमने किसी भी चीज को नहीं छोड़ा है।

एशिया कप 2023: बांग्लादेश पर जीत के बाद नंबर-2 पर पहुंची श्रीलंका

कोलंबो, 10 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका ने एशिया कप 2023 के सुपर-4 मुकाबले में बांग्लादेश पर बड़ी जीत दर्ज की। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 257 रन बनाए। इसका पीछा करते हुए बांग्लादेश के बल्लेबाज तौहीद हृदॉय ने 82 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन वे टीम को जीत नहीं दिला सके। आखिरकार श्रीलंका ने ये मैच 21 रनों के अंतर से जीत लिया।

पॉइंट्स टेबल हुई अपडेट

इस जीत के बाद एशिया कप सुपर-4 की पॉइंट्स टेबल अपडेट हो गई है। श्रीलंका की टीम नंबर-2 पर पहुंच गई है। लेटेस्ट पॉइंट्स टेबल के अनुसार 2 पॉइंट्स और 1.051 की नेट रन रेट के साथ पाकिस्तान की टीम टॉप पर है। जबकि श्रीलंका की टीम 2 पॉइंट्स और 0.420 की नेट रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर है। बांग्लादेश की टीम तीसरे स्थान पर है। उसके पास 2 मैच में 0 पॉइंट और -0.749 की नेट रन रेट के साथ तीसरे स्थान पर आ गई है। टीम इंडिया ने अभी सुपर-4 का एक भी मुकाबला नहीं खेला है। ऐसे में उसके पास एक भी पॉइंट नहीं है।

भारत-पाकिस्तान मैच के लिए रिजर्व डे

भारतीय टीम का पहला मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को कोलंबो में होगा। इस मैच के लिए रिजर्व डे रखा गया है। यदि ये मैच 10 सितंबर को नहीं हो पाता है तो इसे 11 सितंबर को खेला जाएगा। टीम इंडिया पाकिस्तान से भिड़ने के बाद 12 सितंबर को श्रीलंका और 15 सितंबर को बांग्लादेश से भिड़ेगी। जबकि पाकिस्तान भारत के खिलाफ मुकाबले के बाद 14 सितंबर को श्रीलंका से भिड़ेगी। फाइनल मुकाबला 17 सितंबर को कोलंबो में खेला जाएगा। देखना दिलचस्प होगा कि सुपर-4 में टॉप पर रहने वाली कौनसी 2 टीमें फाइनल खेलती हैं।

रोहित शर्मा वनडे में 10 हजारी बनने से महज इतने रन दूर

सचिन-संगकारा की लिस्ट में हो जाएंगे शामिल

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा वनडे में 10 हजारी बनने से महज कुछ रनों की दूरी पर खड़े हैं।

एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ पहले मुकाबले में रोहित शर्मा का बल्ला कुछ खास नहीं कर पाया था। रोहित के फैंस को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद होगी। खास बात यह है कि हिटमैन अब वनडे क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने से महज कुछ रनों की दूरी पर खड़े हैं। रोहित शर्मा यह मुकाम हासिल करते ही सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो जाएंगे।

10 हजार से महज 78 रन दूर

दरअसल, रोहित शर्मा वनडे क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने से महज 78 रन दूर है। ऐसे में अगर रोहित आज के मुकाबले में बड़ी पारी खेलते हैं तो वह यह मुकाम हासिल कर सकते हैं। नेपाल के खिलाफ रोहित शर्मा ने शानदार पारी खेली थी, ऐसे में आज उनके फैंस को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद जरूर होगी।

खास बात यह भी है कि अगर रोहित शर्मा 10 हजार रन पूरे करते हैं तो वनडे क्रिकेट में यह कारनामा करने वाले वह दुनिया के 15वें बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित से पहले वनडे क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने का कारनामा श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान ने दिखाया था। लेकिन अब इस रिकॉर्ड पर रोहित की नजरें हैं।

ऐसा है रोहित का वनडे करियर

रोहित शर्मा ने 2007 में वनडे में डेब्यू किया था। तब से अब तक रोहित ने 246 मैचों की 239 पारियों में 9922 रन बनाए हैं, जिसमें वनडे में 264 रनों की सबसे बड़ी पारी भी खेली है। उन्होंने अब तक वनडे में 30 शतक और 49 अर्धशतक बनाए हैं। हिटमैन अब 10 हजारी बनने से महज 78 रन दूर हैं।

ओडीआई रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया बना नंबर-1

दूसरे स्थान पर फिसला पाकिस्तान

टीम इंडिया रैंकिंग में तीसरे स्थान पर

खेल डेस्क, 10 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया टीम ओडीआई में नंबर-1 बन गई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने वनडे टीम रैंकिंग अपडेट की है। जहां ऑस्ट्रेलिया टीम पाकिस्तान को पछाड़कर टॉप पर पहुंच गई है।

पिछले महीने एशिया कप शुरू होने से ठीक पहले पाकिस्तान ने श्रीलंका में अफगानिस्तान के खिलाफ 3-0 से वनडे सीरीज जीती, और ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़कर आईसीसी की वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बन गया था। लेकिन, अब पाकिस्तान दूसरे नंबर पर फिसल गया है।

ऑस्ट्रेलिया के 121 रेटिंग पॉइंट्स हो गए

ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की वनडे के दूसरे मुकाबले में साउथ अफ्रीका को हराकर रैंकिंग में पहला स्पॉट हासिल किया। दूसरे वनडे में जीत से ऑस्ट्रेलिया के कुल 121 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं और उसने पाकिस्तान को एक रेटिंग पॉइंट्स से पीछे छोड़ दिया है। भारत 114 रेटिंग पॉइंट्स के साथ आईसीसी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को हराया

ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका दौरे पर लगातार 5वीं जीत दर्ज की। टीम ने 3-0 से टी-20 सीरीज जीतने के बाद वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 123 रन से जीता। ऑस्ट्रेलिया से डेविड वॉर्नर और मार्नस लाबुशेन ने सेंचुरी लगाई। वहीं दूसरी पारी में लेग स्पिनर एडम जम्पा ने 4 विकेट लेकर साउथ अफ्रीका को टारगेट हासिल नहीं करने दिया।

ब्लमफोंटेन के मैंगॉन्ग ओवल मैदान पर टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 392 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका टीम 41.5 ओवर में 269 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम से एक भी प्लेयर फिफ्टी नहीं लगा सका। ऑस्ट्रेलिया से 124 रन बनाने वाले लाबुशेन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

ICC वनडे टीम रैंकिंग

रैंक	देश	पॉइंट्स
1	ऑस्ट्रेलिया	121
2	पाकिस्तान	120
3	भारत	114
4	न्यूजीलैंड	106
5	इंग्लैंड	99

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.